▪ RNI No. : TNHIN/2013/52520 ▪ वर्ष - 13 ▪ अंक - 316 ▪ पृष्ठ - 8 ▪ रु. 5/- चेन्नई » रविवार » 14-06-2026 ▪ www.dakshinbharat.com ▪ Email : chennai@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

5 कांग्रेस शासन काल में गरीब मिट गए, लेकिन गरीबी नहीं मिटी : गिरिराज सिंह

6 भारत मां के लिए आखिरी सांस तक बहुत बहादुरी से लड़े राज बहादुर

7 हर किरदार शिद्दत से निभाती हूं : शीना चौहान

फर्स्ट टेक

कर्नाटकः मुआवजे में देरी को लेकर किसान ने बीटीडीए अधिकारी को चप्पल से मारा

बागलकोट (कर्नाटक)/भाषा। अधिग्रहित भूमि के मुआवजे के वितरण में देरी से नाराज एक किसान ने शनिवार को यहां बागलकोट शहर विकास प्राधिकरण (बीटीडीए) के कार्यालय में एक अधिकारी को कथित तौर पर चप्पल से मारा। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि इस घटना का एक वीडियो सोशल मीडिया पर प्रसारित हुआ है। अधिकारियों के अनुसार किसान बसप्पा डोडामनी ने मुआवजे में कथित देरी को लेकर संबंधित अधिकारी से बहस की और फिर उन्हें चप्पल से मारा। उन्होंने बताया कि अन्य कर्मचारियों ने किसान को शांत करने की कोशिश की, लेकिन वह परिसर से निकलने से पहले अधिकारी के खिलाफ नारे लगाने लगा।

नाइजीरिया में बंदूकधारियों के हमले में कम से कम 17 लोगों की मौत

अबुजा/एपी। नाइजीरिया के उत्तर-पश्चिमी क्षेत्र में बंदूकधारियों ने खेतों में काम कर रहे कम से कम 17 किसानों की हत्या कर दी और 13 अन्य को घायल कर दिया। यह जानकारी एक स्थानीय अधिकारी और एक निवासी ने दी। यह हमला शुक्रवार को नाइजीरिया के जमफारा राज्य के मरादुन क्षेत्र स्थित गोरोन नामाये कस्बे में हुआ। फिलहाल किसी भी समूह ने हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है, लेकिन हाल के महीनों में सशस्त्र गिरोहों द्वारा इस तरह के हमलों में उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई है। मरादुन के निवासी शेहू मूसा ने शनिवार को 'एसोसिएटेड प्रेस' को बताया, ''किसान अपने खेतों में काम कर रहे थे, तभी अचानक बंदूकधारियों ने हमला कर दिया और उनमें से 17 लोगों की हत्या कर दी।''

होर्मुज में पोतों को निशाना बनाने वाले ईरानी ड्रोन मार गिराए : अमेरिका

वाशिंगटन/भाषा। अमेरिकी नौसेना ने कहा है कि उसने होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजर रहे वाणिज्यिक पोतों को निशाना बनाने के लिए ईरान द्वारा भेजे गए कई हमलावर ड्रोन मार गिराए हैं। 'यूएस सेंट्रल कमांड' (सेंटकॉम) ने शुक्रवार देर शाम 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''ईरान ने होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजर रहे वाणिज्यिक पोतों पर हमला करने का प्रयास करते हुए कई हमलावर ड्रोन भेजे।'' उसने कहा कि अमेरिकी बलों ने पिछले कुछ घंटों में इन सभी ड्रोन को मार गिराया और जलडमरूमध्य से पोतों की आवाजाही बिना किसी बाधा के जारी है।

उभरती प्रौद्योगिकियों ने युद्ध की परिभाषा बदल दी है : राजनाथ

▪ युद्ध के हर स्वरूप के लिए मानसिक रूप से तैयार रहें।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हैदराबाद/भाषा। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सशस्त्र बलों में शामिल होने वाले नए अधिकारियों को आधुनिक संघर्ष के बदलते स्वरूप के लिए मानसिक रूप से तैयार रहने की सलाह देते हुए शनिवार को कहा कि बड़ी शक्तियों को अब युद्धक्षेत्र में पहले जैसी बढ़त हासिल नहीं है क्योंकि छोटी ताकतें भी विशेष रणनीति का इस्तेमाल कर भारी नुकसान पहुंचा सकती हैं।

सिंह ने हैदराबाद के निकट स्थित वायुसेना अकादमी में संयुक्त स्नातक परेड को संबोधित करते हुए यह भी कहा कि उभरती प्रौद्योगिकियों ने युद्ध की परिभाषा ही बदल दी है। रक्षा मंत्री ने कहा, ''पहले ऐसा लगता था कि बड़ी शक्तियों को युद्धक्षेत्र में निर्णायक बढ़त हासिल होती है लेकिन अब तुलनात्मक रूप से छोटी ताकतें भी अपने छोटे लेकिन खतरनाक हथियारों एवं नई रणनीतियों से भारी नुकसान पहुंचा सकती हैं। आप सभी को यह बताने का मेरा उद्देश्य यही है कि आप युद्ध के हर स्वरूप के लिए मानसिक रूप से तैयार रहें।'' उन्होंने कहा, ''पहले सैनिक और सैन्य उपकरण स्पष्ट रूप से दिखाई देते थे, लेकिन अब आधुनिक युद्ध में रडार, उपग्रह, ड्रोन, सेंसर और रोबोटिक्स जैसी कई प्रणालियों का इस्तेमाल किया जा रहा है। अब ऐसे परिदृश्य भी देखने को मिल रहे हैं जिनमें विरोधियों की यातायात प्रणालियों और सीसीटीवी कैमरों को नियंत्रित किया जा रहा है।''

सिंह के अनुसार, युद्ध की परिभाषा काफी हद तक बदल गई है। उन्होंने कहा कि सेना में शामिल हुए अधिकारियों को युद्ध के आधुनिक तरीकों एवं रणनीतियों को समझना चाहिए तथा उनके अनुरूप ढलना, उन्हें अपनाना और जरूरत पड़ने पर उनमें बदलाव करना चाहिए।

दुनिया सत्य का नहीं, बल्कि ताकतवर का सम्मान करती है : मोहन भागवत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

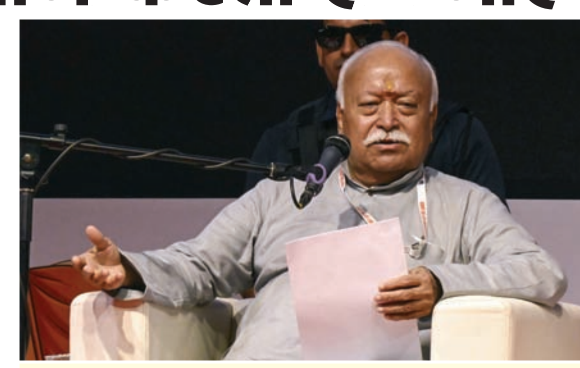

▪ राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ हिंदू समाज को मजबूत बनाने, उसे एकजुट करने और अपनत्व की भावना से जोड़ने का कार्य कर रहा है

तिरुवनंतपुरम/भाषा। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के प्रमुख मोहन भागवत ने शनिवार को शक्ति के महत्व पर जोर देते हुए कहा कि यदि आप मजबूत हैं, तो कोई कुछ नहीं कहेगा, भले ही आप वेनेजुएला पर कब्जा कर लें। यह वेनेजुएला के तत्कालीन राष्ट्रपति निकोलस मादुरो के खिलाफ अमेरिकी कार्रवाई का परोक्ष संदर्भ था।

भागवत ने यहां आरएसएस के शताब्दी समारोह के तहत आयोजित एक कार्यक्रम में कहा कि हिंदुओं को अपनी रक्षा के लिए मजबूत बनना होगा, क्योंकि दुनिया केवल उन्हीं की सुनती है, जिनके पास ताकत होती है। उन्होंने कहा, ''दुनिया आपको केवल तभी सुनेगी, जब आप ताकतवर होंगे। यदि आप सच्चे हैं, तो यह आपकी बात नहीं सुनेगी। यदि आप मजबूत हैं, तो भले ही आप झूठ के रास्ते पर चलें, कोई आपत्ति नहीं करेगा। भले ही आप जाकर वेनेजुएला पर कब्जा कर लें, कोई कुछ नहीं कहेगा, क्योंकि आप मजबूत हैं। दुनिया ऐसी ही है।'' उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ हिंदू समाज को मजबूत बनाने, उसे एकजुट करने और अपनत्व की भावना से जोड़ने का कार्य कर रहा है, जैसा कि हम हमेशा से एक राष्ट्र रहे हैं, हैं और रहेंगे-और यह एक हिंदू राष्ट्र है।''

साथ ही उन्होंने स्पष्ट किया कि जब संघ 'हिंदू' कहता है, तो उसका मतलब केवल पूजा की एक पद्धति से नहीं होता। उन्होंने कहा, ''हिंदू के अंतर्गत पूजा-अर्चना के कई तरीके आते हैं। हिंदू हमारी 'सांस्कृतिक पहचान' है, जिसका मेरे अनुवाद के अनुसार अर्थ 'सभ्यतागत पहचान' होता है।''

भागवत ने कहा कि जब स्वयंसेवक मुसलमानों और ईसाइयों से मिलते हैं, तो हम उन्हें बताते हैं कि परंपराओं, पूर्वजों और अपने साथ ले जाई जाने वाली सांस्कृतिक विरासत के आधार पर आप भी हिंदू हैं, लेकिन वे इससे असहमत होते हैं। उन्होंने कहा कि संघ दुनिया का सबसे बड़ा स्वयंसेवी संगठन है, लेकिन इसे ''सबसे ज्यादा गलत भी समझा गया''। उन्होंने कहा कि संगठन बाहर से लोगों को एक अर्धसैनिक संगठन जैसा लग सकता है-क्योंकि स्वयंसेवक वर्दी में पथ संचलन करते हैं-या फिर इसे एक अखिल भारतीय व्यायामशाला जैसा भी समझा जा सकता है, क्योंकि यह भारतीय खेलों और मार्शल आर्ट्स को बढ़ावा देता है। उन्होंने कहा, ''लेकिन आरएसएस यह सब कुछ नहीं है। संघ को बाहर से समझना कठिन है।''

भागवत ने कहा, ''आरएसएस को समझने का सबसे अच्छा तरीका है उससे जुड़ना और उसे भीतर से अनुभव करना। हालांकि, ऐसा करने के लिए पहले यह भरोसा होना चाहिए कि उसे परखना और समझना सुरक्षित है।

लेफ्टिनेंट जनरल धीरज सेठ होंगे अगले थल सेनाध्यक्ष

नई दिल्ली/भाषा। लेफ्टिनेंट जनरल धीरज सेठ अगले भारतीय थल सेनाध्यक्ष होंगे। रक्षा मंत्रालय ने शनिवार को यह जानकारी दी। थलसेना के आधुनिकीकरण में अपने योगदान और रणनीतिक योजना बनाने की क्षमता के लिए पहचाने जाने वाले लेफ्टिनेंट जनरल सेठ फिलहाल थलसेना के उप प्रमुख हैं। वह 30 जून को जनरल द्विवेदी के सेवानिवृत्त होने पर पदभार संभालेंगे। लेफ्टिनेंट जनरल सेठ की नियुक्ति में सरकार ने वरिष्ठता के सिद्धांत का पालन किया है। मंत्रालय ने कहा, सरकार ने फिलहाल थलसेना के उप प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल धीरज सेठ को अगला थलसेना प्रमुख नियुक्त किया है और उनकी नियुक्ति 30 जून से प्रभावी होगी।

एएन-32 परिवहन विमान के दुर्घटनाग्रस्त होने से वायुसेना के पांच कर्मियों की मौत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। असम के जोरहाट में रूसी मूल के एएन-32 परिवहन विमान के शनिवार को दुर्घटनाग्रस्त होने से भारतीय वायुसेना के पांच कर्मियों की मौत हो गई, जिनमें दो अधिकारी शामिल हैं। सूत्रों के अनुसार, विमान का सह-पायलट घायल हो गया और जोरहाट के एक सैन्य अस्पताल में उसका इलाज जारी है। विमान में छह लोग सवार थे। वायुसेना ने बताया कि विमान सुबह करीब 10 बजे एक नियमित उड़ान के दौरान दुर्घटनाग्रस्त हो गया।

मृतक कर्मियों की पहचान स्क्वाड्रन लीडर प्रशांत सिंह, फ्लाइट लेफ्टिनेंट शुभम कुमार, सार्जेंट जितेंद्र शर्मा, अग्निवीर वायु खेमाराम कुमावत और अग्निवीर वायु दानिश आलम के रूप में हुई है। हादसे की वजह का पता लगाने के लिए 'कोर्ट ऑफ इन्क्वायरी' गठित की गई है। वायुसेना ने एक बयान में कहा, ''जोरहाट में एएन-32 विमान दुर्घटना में पांच कर्मियों की मौत पर भारतीय वायुसेना गहरा दुख व्यक्त करती है।'' इसने शोकसंतप्त परिवारों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करते हुए कहा कि वह ''दुख की इस घड़ी में उनके साथ मजबूती से खड़ी है।'' सूत्रों ने बताया कि उतरने के समय विमान का नियंत्रण बिगड़ गया और वह रनवे से फिसल गया। उन्होंने कहा कि विमान समानांतर टैक्सीवे को पार करते हुए दो हिस्सों में टूट गया और उसमें आग लग गई।

एएन-32 सोवियत डिजाइन वाला दो इंजन का परिवहन विमान है। ये विमान दशकों से वायुसेना के लिए एक भरोसेमंद विमान के तौर पर काम कर रहे हैं, और ये दुनिया के सबसे दुर्गम क्षेत्रों में कर्मचारियों को लाने-ले जाने तथा जरूरी सामान पहुंचाने का काम करते हैं।

मुख्यमंत्री विजय अन्नाद्रमुक विधायकों की खरीद-फरोख्त में व्यस्त : स्टालिन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/भाषा। द्रविड़ मुन्नेत्र कषगम (द्रमुक) के अध्यक्ष एम. के. स्टालिन ने शनिवार को आरोप लगाया कि तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय अब अन्नाद्रमुक के विधायकों की खरीद-फरोख्त कर रहे हैं। उन्होंने यह आरोप भी लगाया कि विजय भाजपा की ज़ेरॉक्स कॉपी की तरह व्यवहार कर रहे हैं, जिसकी वजह से उनका समर्थन करने वाले दल गहरी शर्मिंदगी महसूस कर रहे हैं।

द्रमुक की महिला विंग की परामर्श बैठक को संबोधित करते हुए स्टालिन ने यह बात कही।

स्टालिन ने कहा कि आमतौर पर लोग खरीदारी के दौरान कपड़े और घर-गृहस्थी की जरूरत का सामान खरीदते हैं। उन्होंने कहा, लेकिन क्या आप जानते हैं कि हमारे मुख्यमंत्री अभी क्या कर रहे हैं? वह अन्नाद्रमुक के विधायकों की 'खरीद-फरोख्त' कर रहे हैं। हमें संदेह है कि क्या उन्हें अपनी ही सरकार पर भरोसा नहीं है, या फिर उन अन्य दलों पर विश्वास नहीं है जो उनका समर्थन कर रहे हैं? उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा, सबसे पहले अपनी सरकार बचाने के लिए उन्होंने अन्नाद्रमुक विधायकों से टीवीके के पक्ष में मतदान करवाया। फिर उन्होंने उन विधायकों से इस्तीफा दिलवाया और अगले ही पल उन्हें अपनी पार्टी में शामिल कर लिया।

स्टालिन ने कहा, मुख्यमंत्री विजय वही कर रहे हैं जो भाजपा दूसरे राज्यों में करती है। दूसरे शब्दों में कहें तो वह भाजपा की ज़ेरॉक्स कॉपी की तरह व्यवहार कर रहे हैं। जिन दलों ने उनका समर्थन किया, वे अब इस मुद्दे पर सवाल पूछे जाने पर गहरी शर्मिंदगी और असहजता महसूस कर रहे हैं।

विकसित राष्ट्र बनने का मार्ग खेतों, किसानों और गांवों से होकर गुजरता है

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने शनिवार को कहा कि वर्ष 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने का मार्ग उसके खेतों, किसानों और गांवों से होकर गुजरता है। उन्होंने यह भी कहा कि सतत कृषि, नवाचार और अनुसंधान 'विकसित भारत' के संकल्प को साकार करने के प्रमुख आधार हैं तथा पारंपरिक ज्ञान और आधुनिक तकनीक के प्रभावी समन्वय के माध्यम से भारत वैश्विक कृषि नेतृत्वकर्ता के रूप में उभरने की क्षमता रखता है।

बिरला विकसित भारत ऐट 2047 के लिए सतत कृषि : परंपरा, प्रौद्योगिकी और ठोस परिणाम विषय पर आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन के उद्घाटन सत्र को संबोधित कर रहे थे। लोकसभा सचिवालय की ओर से जारी विज्ञप्ति के अनुसार, बिरला ने कहा कि भारत में कृषि केवल आर्थिक गतिविधि नहीं, बल्कि देश की संस्कृति, सभ्यता और जीवन-दर्शन का अभिन्न अंग है। उन्होंने कहा कि खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने, ग्रामीण समृद्धि को बढ़ावा देने, सामाजिक समरसता को सुदृढ़ करने तथा समावेशी विकास को गति देने में कृषि की केंद्रीय भूमिका है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि भारत के गांव उसकी वास्तविक शक्ति हैं और किसान देश की अर्थव्यवस्था के साथ-साथ सामाजिक संरचना के भी आधार स्तंभ हैं।

14-06-2026 सूर्यास्त 6:35 बजे	15-06-2026 सूर्योदय 5:42 बजे
BSE 75,527.95 (+1,695.41)	NSE 23,622.90 (+461.30)
सोना 15,299 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम	चांदी 251,000 रु. प्रति किलो

मिशन मंडेला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

तू तू-मैं मैं

वो कुछ बोले तुम कुछ बोलो,
फिर कुछ-कुछ सारे बोलें।
इक दूजे के मतभेदों को,
भेद-भेद करके खोलें।
दिखलाते वे बजा-बजा कर,
सारे ढोलों में पोलें।
अपनी-अपनी स्वार्थ तुला पर,
सब अपने सपने तोलें।।

राजग सरकार युवाओं के नेतृत्व वाले विकास की दिशा में जोर-शोर से काम कर रही है : मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को कहा कि राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार युवाओं के नेतृत्व वाले विकास की दिशा में मजबूती से काम कर रही है और ''पिछले 12 साल की अहम विशेषताओं में से एक'' यह रही है कि भारत के युवाओं का अपनी आकांक्षाओं को पूरा करने के प्रति आत्मविश्वास बढ़ा है।

मोदी ने यह भी कहा कि भारत के युवा विज्ञान और प्रौद्योगिकी से लेकर विनिर्माण, अंतरिक्ष, सेमीकंडक्टर और ड्रोन जैसे कई क्षेत्रों में अपनी पहचान बना रहे हैं।

प्रधानमंत्री ने कहा कि यह देखकर खुशी होती है कि भारत के युवा उन क्षेत्रों में योगदान दे रहे हैं जो देश और दुनिया के भविष्य को आकार देंगे। उन्होंने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''राजग सरकार युवाओं के नेतृत्व वाले विकास की दिशा में मजबूती से काम कर रही है। पिछले 12 वर्षों की एक प्रमुख विशेषता यह रही है कि भारत के युवाओं का अपनी आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए प्रति आत्मविश्वास बढ़ा है।'' मोदी सरकार के सत्ता में 12 साल पूरे हो गए हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि स्टार्टअप इंडिया, डिजिटल इंडिया, स्किल इंडिया और अटल इनोवेशन मिशन जैसी पहलों से एक ऐसा परिवेश बना है जो नवोन्मेष, उद्यमिता और उद्यम को बढ़ावा देता है। उन्होंने कहा, ''आज भारत दुनिया के प्रमुख स्टार्टअप केंद्रों में से एक है और इनमें से कई सफलता की कहानियां हमारी युवा शक्ति लिख रही है और वह भी छोटे कस्बों और गांवों से।''

भारत 'जी-7' शिखर सम्मेलन में 'ग्लोबल साउथ' की आकांक्षाओं को भी आवाज देगा

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को कहा कि आगामी 'जी-7' शिखर सम्मेलन में भारत न केवल अपनी बात रखेगा, बल्कि 'ग्लोबल साउथ' की आकांक्षाओं को भी आवाज देगा। 'ग्लोबल साउथ' शब्द का इस्तेमाल आम तौर पर आर्थिक रूप से कम विकसित देशों के संदर्भ में किया जाता है।

फ्रांस और स्लोवाकिया की अपनी सप्ताह भर की यात्रा पर रवाना होने से पहले जारी वक्तव्य में मोदी ने कहा कि जी-7 में भारत की उपस्थिति उसके साझेदार देशों के भारत पर विश्वास और उसकी बढ़ती वैश्विक प्रतिष्ठा को दर्शाती है। उन्होंने कहा, ''यह लगातार आठवां जी-7 शिखर सम्मेलन है, जिसमें भारत को आमंत्रित किया गया है। जी-7 में भारत केवल अपने लिए ही नहीं बोलेगा, बल्कि 'ग्लोबल साउथ' की आकांक्षाओं को भी आवाज देगा।''

जी-7 शिखर सम्मेलन 16 और 17 जून को फ्रांस के एवियन शहर में आयोजित होगा। मोदी ने कहा, ''मुझे विश्वास है कि फ्रांस और स्लोवाकिया की मेरी यात्राएं यूरोप और जी-7 के साथ भारत की गहरी होती भागीदारी को और मजबूत करेंगी तथा महाद्वीप एवं उससे आगे अपने साझेदारी संबंधों के दायरे का विस्तार करने की हमारी दृढ़ प्रतिबद्धता को प्रदर्शित करेंगी।''

उन्होंने कहा कि भारत की रणनीतिक दूरदृष्टि में फ्रांस का एक खास स्थान है, जबकि स्लोवाकिया की उनकी यात्रा एक ऐतिहासिक मील का पत्थर है तथा यह दोनों देशों के बीच बढ़ते संबंधों को और आगे बढ़ाएगी। यह 1993 में स्लोवाकिया की स्वतंत्रता के बाद किसी भारतीय प्रधानमंत्री की इस देश की पहली यात्रा होगी।

अमेरिकी विदेश मंत्री के समक्ष

जयशंकर ने भारतीय नाविकों की मौत का मुद्दा उठाया

नई दिल्ली/भाषा। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने शनिवार को अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो के साथ बातचीत में ओमान की खाड़ी में एक वाणिज्यिक जहाज पर अमेरिकी सैन्य हमले में तीन भारतीय नाविकों की मौत का मुद्दा उठाया। यूरोप यात्रा पर गए जयशंकर ने अमेरिकी विदेश मंत्री से फोन पर बात की।

जयशंकर ने सोशल मीडिया पर कहा, ''आज अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो से बात हुई। मैंने ओमान की खाड़ी में अमेरिकी नौसेना के हमलों के खिलाफ भारत का कड़ा विरोध दोहराया हमले में तीन भारतीय नाविकों की मौत हुई है।'' उन्होंने कहा, ''वाणिज्यिक जहाजों पर इस तरह की घातक कार्रवाई उचित नहीं है।''

सहज स्मृति योग

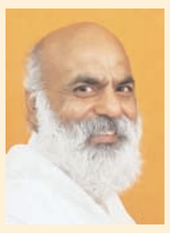

व्यक्ति के मन में जो आध्यात्मिक प्रश्न उठते हैं उनका इस स्तंभ में समाधान प्रस्तुत करने का काम कर रहे हैं गुरुजी श्री नंदकिशोर तिवारी। व्यक्ति की पृष्ठभूमि चाहे किसी भी मत, सम्प्रदाय, मज़हब से हो, सहज स्मृति योग का सरोकार मनुष्य के मात्र आत्मवान होने से है। इसलिए सहज स्मृति योग का ध्यान केवल जिज्ञासु के समाधान पर रहता है। आप भी अपनी जिज्ञासाएं guruji@darpanfoundation.com पर ईमेल या व्हाटस अप (9902912396) द्वारा भेज सकते हैं।

प्रश्नः गुरुजी, क्या यह सम्भव है कि कोई व्यक्ति स्वयं अपने आप भी बिना किसी दूसरे के द्वारा प्रमाणित किए अपने ही अनुभव में यह सत्यापित कर सकता है कि उसे पूर्ण ज्ञान या तत्व ज्ञान प्राप्त हो गया है अथवा नहीं ? यदि संभव है तो कैसे ? यदि यह असंभव है तो क्यों?

उत्तरः परिस्थितियों के निरंतर बदलते रहने के बाबजूद यदि आंतरिक शांति अटल रूप से स्थाई बनी हुई नहीं रहती है तब तत्व ज्ञान प्राप्त नहीं हुआ है। इसमें किसी दूसरे से प्रमाण का औचित्य तो दूर की बात है, इसका तो कोई अर्थ ही नहीं है। तत्वज्ञान की अवस्था संभव तो है। पर, यह अवस्था प्रकट होने पर 'आपकी अपनी दृष्टि '(!) /अनुभूति में आपका अपना व्यक्तिगत अस्तित्व पूर्णतः समाप्त हो जाता है। तो उस अवस्था में प्रमाण या सत्यापन कौन करे! किसे दे ? और अपने नहीं होने पर यह कैसे संभव हो? इसीलिए इसे संभव होने पर भी असंभव ही कहा जाता है।

पूजा

केंद्रीय नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री प्रह्लाद जोशी ने शनिवार को ओडिशा के पुरी जिले में स्थित प्रसिद्ध जगन्नाथ मंदिर का दौरा किया और अपने परिवार के साथ महाप्रभु के दर्शन कर पूजा-अर्चना की।

शराब की कानूनी उम्र 21 वर्ष, गृह मंत्री प्रियांक खरगे का सख्त संदेश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक सरकार ने शराब पीने और खरीदने की न्यूनतम कानूनी उम्र 21 वर्ष तय की है। राज्य के गृह मंत्री प्रियांक खरगे ने शनिवार को इस नियम की सख्ती से पालना सुनिश्चित करने का संदेश दिया। प्रियांक खरगे ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट करते हुए लिखा, कर्नाटक में शराब पीने और खरीदने की कानूनी उम्र 21 साल है। 21 साल से कम उम्र के किसी भी व्यक्ति को शराब परोसना, बेचना या उन्हें शराब पीने की इजाजत देना गैर-कानूनी है। ऐसा करने वाले लाइसेंस-प्राप्त प्रतिष्ठानों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। गृह मंत्री ने स्पष्ट किया कि हाल ही में जारी अधिसूचना का मुख्य उद्देश्य कम उम्र में शराब पीने की बढ़ती आदत को रोकना, युवाओं को नशे की लत से बचाना और राज्य में शराब की बिक्री व सेवन को जिम्मेदारीपूर्ण तरीके से सुनिश्चित करना है।

प्रियांक खरगे ने स्पष्ट किया कि शराब परोसने वाले सभी प्रतिष्ठानों को हर ग्राहक की आईडी जांचकर उसे स्टोर करने की जरूरत नहीं है। उन्होंने कहा, प्रतिष्ठानों से उम्मीद की जाती है कि वे उन लोगों की आईडी जांच करें जो 21 वर्ष से कम उम्र के लगते हैं और तब तक उन्हें प्रवेश न दें जब तक उनके साथ कोई वयस्क न हो। साथ ही किशोरों को परिसर में शराब पीने की पूरी तरह मनाही होनी चाहिए। किसी भी तरह की चूक या लापरवाही पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

कर्नाटक में युवाओं में शराब की लत और इससे जुड़ी सामाजिक समस्याओं को देखते हुए सरकार ने यह सख्त कदम उठाया है। एक्साइज विभाग और पुलिस को निर्देश दिए गए हैं कि वे बार, रेस्टोरेंट, क्लब और अन्य लाइसेंस प्राप्त प्रतिष्ठानों पर नियमित निगरानी रखें और उल्लंघन करने वालों के खिलाफ तुरंत कार्रवाई करें।

सरकार का साफ संदेश है कि युवा पीढ़ी की सुरक्षा और जिम्मेदार शराब नीति उसकी प्राथमिकता है।

जर्सी लॉन्चिंग

पूर्व भारतीय क्रिकेटर और केएससीए अध्यक्ष वेंकटेश प्रसाद, केएससीए के मानद सचिव संतोष मेनन, महाराजा ट्रॉफी केएससीए टी20 गवर्निंग काउंसिल के अध्यक्ष एम.एस. केशव, और केएससीए के आधिकारिक प्रवक्ता विनय मृत्युंजय व अन्य गणमान्य लोग बेंगलूरु के एक निजी होटल में 'महाराजा ट्रॉफी' के लिए 'बेंगलूरु ब्लास्टर्स' की जर्सी लॉन्चिंग के दौरान एक साथ नजर आए।

आईएमए की 'पासिंग आउट परेड' में 515 कैडेट को भारतीय सेना में शामिल किया गया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

देहरादून/भाषा। भारतीय सैन्य अकादमी (आईएमए) की 'स्प्रिंग टर्म 2026 पासिंग आउट परेड' में शनिवार को नौ महिलाओं समेत 515 अधिकारी कैडेट भारतीय सेना में शामिल किए गए। इस मौके पर कैडेट अधिकारियों के परिजन गौरवान्वित और भावुक नजर आए।

पारंपरिक 'पिपिंग' समारोह ने अकादमी के परिसर को उत्सव के माहौल में बदल दिया, जहां परिजन अपने बेटों और बेटियों के कंधों पर नई रैंक (पद का प्रतीक) लगाने के लिए लॉन में एकत्र हुए।

कई परिवारों के लिए यह परेड केवल एक समारोह नहीं थी, बल्कि उनके यहां कई पीढ़ियों से चली आ रही सेना में सेवा और देश के लिए दिए गए बलिदान की परंपरा का एक महत्वपूर्ण पड़ाव था।

इस बैच ने नौ महिला अधिकारी कैडेट को कमीशन प्रदान किए जाने के साथ एक महत्वपूर्ण उपलब्धि भी दर्ज की, जो 1932 से सेना के अधिकारियों की कई पीढ़ियों को प्रशिक्षित करने वाले इस संस्थान के लिए एक महत्वपूर्ण क्षण था।इनमें शनन ढाका भी शामिल थीं, जिन्हें पूर्वी लद्दाख में तैनात किया गया है।

ढाका ने कहा, ''एक सैन्य परिवार से आने के कारण सेना में शामिल होना केवल एक करियर का विकल्प नहीं, बल्कि जीवन जीने का एक तरीका है।'' उन्होंने कहा कि उनके पिता और दादा दोनों ने सेना में सेवा की थी। उन्होंने कहा, ''मैं सभी से कहूंगी कि बड़े सपने देखें और मेहनत करना जारी रखें। एक दिन आपकी कड़ी मेहनत रंग लाएगी और आप अपने लक्ष्य को प्राप्त कर लेंगे।''

उनके पिता ने अभिभावकों से अपनी बेटियों को सशस्त्र बलों में शामिल होने के लिए प्रोत्साहित करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा, ''एक पिता के रूप में, मैं हर लड़की को सशस्त्र बलों में शामिल होने के लिए प्रोत्साहित करूंगा। यह एक सम्मानित पेशा है, जिसके माध्यम से आप देश की सेवा कर सकते हैं और अपनी आकांक्षाओं को पूरा कर सकते हैं।''

इस मौके पर अकादमी के कैडेट एडजुटेंट विशाल कुमार ने प्रतिष्ठित 'स्वॉर्ड ऑफ ऑनर' और नियमित पाठ्यक्रम में प्रथम स्थान प्राप्त करने के लिए स्वर्ण पदक हासिल किया।

कुमार ने अपनी सफलता का श्रेय बचपन से देखे गए सपने को दिया जिसमें वह सेना में शामिल होना चाहते थे। उन्होंने युवाओं के लिए एक सरल संदेश दिया: ''नैतिक मूल्य और आदर्शों पर चलकर उदाहरण प्रस्तुत करना''।

'एकेडमी अंडर ऑफिसर' (एयूओ) प्रिंस राज ने नियमित पाठ्यक्रम में दूसरा स्थान प्राप्त करने के लिए रजत पदक हासिल किया, जबकि 'सीनियर अंडर ऑफिसर' तेजस भट्ट ने कांस्य पदक हासिल किया।

विशेष प्रविष्टियों में, 'ऑफिसर कैडेट' ऋषभ मिश्रा ने तकनीकी स्नातक पाठ्यक्रम के लिए रजत पदक हासिल किया, अधिकारी कैडेट बोध राज थापा ने एससीओ पाठ्यक्रम में प्रथम स्थान प्राप्त किया और 'ऑफिसर कैडेट' करण पांडे ने टीईएस पाठ्यक्रम में प्रथम स्थान हासिल किया। 'जूनियर अंडर ऑफिसर' जैफ सादिद अल्वी को 34 विदेशी कैडेट में प्रथम स्थान हासिल करने पर 'बेस्ट फॉरेन कैडेट' ट्रॉफी से सम्मानित किया गया। ये विदेशी कैडेट 16 मित्र देशों का प्रतिनिधित्व कर रहे थे।

लेफ्टिनेंट सौरभ चौधरी को 'कोर ऑफ इंजीनियर्स' में कमीशन मिला है। बिहार के रहने वाले चौधरी ने कहा, ''यह मेरे और मेरे परिवार के लिए अत्यंत गर्व और खुशी का क्षण है। इस यात्रा के दौरान कई उतार-चढ़ाव आए, जिससे यह उपलब्धि और भी विशेष बन गई है।'' चौधरी के पिता एक सेवारत सैनिक हैं। वह अपने इकलौते बेटे को परिवार की सैन्य विरासत को आगे बढ़ाते हुए देखकर भावुक नजर आए। उन्होंने कहा, ''हमारे परिवार की तीसरी पीढ़ी अब सेना में सेवा दे रही है। मेरे पिता ने सेना में सेवा की, मैं स्वयं वर्तमान में सेवा कर रहा हूं, और अब मेरे बेटे ने इस विरासत को आगे बढ़ाया है। यह हमारे जीवन के सबसे गर्वपूर्ण क्षणों में से एक है।'' सेवा की भावना आर्यन गिल की कहानी में भी समान रूप से दिखाई दी, जिन्हें पंजाब रेजिमेंट की तीसरी बटालियन में कमीशन दिया गया।

कांग्रेस के साथ विलय पर किसी भी पक्ष से कोई प्रस्ताव नहीं: सुप्रिया सुले

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नागपुर/भाषा। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) की कार्यकारी अध्यक्ष सुप्रिया सुले ने विपक्ष को मजबूत करने के लिए छोटी पार्टियों के कांग्रेस में विलय की चर्चाओं के बीच शनिवार को कहा कि उनकी पार्टी या कांग्रेस की ओर से ऐसा कोई प्रस्ताव नहीं आया है।

शिवसेना (उबाठा) के सांसद संजय राउत ने इस सप्ताह की शुरुआत में कहा था कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की चुनौती का मुकाबला करने के लिए कांग्रेस से अलग होकर बनी पार्टियों, जैसे शरद पवार के नेतृत्व वाली राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी और तृणमूल कांग्रेस को कांग्रेस में विलय कर लेना चाहिए।

सुले ने इस बारे में पूछे गए सवाल पर कहा कि उन्हें, पार्टी प्रमुख शरद पवार को या पार्टी के अन्य वरिष्ठ नेताओं जयंत पाटिल और शशिकांत शिंदे को ऐसे किसी प्रस्ताव की जानकारी नहीं है।

सांसद सुप्रिया सुले ने कहा, न तो किसी ने हमसे संपर्क किया है और न ही हमें कोई प्रस्ताव दिया है। इसी तरह हमने भी किसी से संपर्क नहीं किया है और न ही किसी को कोई प्रस्ताव दिया है।

सुले ने ओमान की खाड़ी में एक तेल टैंकर पर अमेरिकी हमले में तीन भारतीय नाविकों की मौत के बारे में पूछे जाने पर इसे बेहद दुखद घटना बताया और कहा कि भारत को इस मुद्दे पर कड़ा रुख अपनाना चाहिए। उन्होंने कहा, हमें उम्मीद है कि भारत सरकार इस मुद्दे को उठाएगी। अगर सरकार इस मामले में लड़ाई नहीं लड़ती है, तो हम पीड़ित परिवारों के साथ पूरी मजबूती से खड़े रहेंगे और हर भारतीय के लिए आवाज उठाएंगे।

खरीफ के लिए उर्वरकों का पर्याप्त भंडार, रबी की जरूरतें पूरी करने के प्रयास जारी : चौहान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

इंदौर (मध्यप्रदेश)/भाषा। पश्चिम एशिया संकट के कारण उर्वरकों की कीमतों और आपूर्ति को लेकर बढ़ी वैश्विक चिंताओं के बीच केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने शनिवार को भरोसा दिलाया कि देश के किसानों को सस्ती दरों पर यूरिया और 'डाई-अमोनियम फॉस्फेट' (डीएपी) मिलता रहेगा। उन्होंने कहा कि खरीफ मौसम के लिए देश में उर्वरकों का पर्याप्त भंडार है।

चौहान ने यहां ब्रिक्स की पांच दिवसीय बैठक खत्म होने के बाद संवाददाताओं से कहा, ''हमारी सरकार ने फैसला किया है कि किसानों को सस्ती दरों पर यूरिया और डीएपी मिलता रहेगा। खाद की बढ़ी कीमतों का भार सरकार खुद उठा रही है। इससे सरकारी खजाने पर हजारों करोड़ रुपए का भार आएगा, लेकिन हम यह भार सहन करेंगे।''

कृषि मंत्री ने कहा,''खरीफ की फसलों के लिए देश में उर्वरकों का पर्याप्त भंडार है। हमारी सरकार हरसंभव प्रयत्न कर रही है कि रबी की फसलों के लिए भी हमारे पास उर्वरकों का पर्याप्त भंडार हो। मुझे भरोसा है कि हम इन प्रयासों में हर हालत में सफल होंगे।'' उन्होंने बताया कि ब्रिक्स बैठक में रासायनिक उर्वरकों और कीटनाशकों के संतुलित उपयोग पर भी चर्चा हुई है।

चौहान ने कहा कि भारत जैविक खेती और प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने के लिए पहले ही कई परियोजनाएं चला रहा है।

भारत पर अल नीनो का खतरा मंडराने से जुड़े सवाल पर उन्होंने कहा,''अल नीनो का प्रभाव भारत और अन्य देशों पर भी पड़ेगा, लेकिन इससे निपटने के लिए हमने अपनी तैयारी कर रखी है। हम इस बारे में अन्य देशों के साथ सूचनाओं के आदान-प्रदान के जरिये आपस में भी सहयोग करेंगे।''

अल-नीनो मौसम से जुड़ी एक ऐसी घटना है जो ऐतिहासिक रूप से कमजोर मानसून और बारिश में अनिश्चितता से जुड़ी रही है तथा इस साल भी यह चिंता बनी हुई है।

केरल सरकार निपाह वायरस को गंभीरता से नहीं ले रही: विजयन

कोझिकोड (केरल)/भाषा। केरल विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष पिनराई विजयन ने शनिवार को आरोप लगाया कि राज्य सरकार निपाह वायरस के प्रकोप से निपटने में ''उदासीन'' रही है।

रामनट्टुकरा के 43-वर्षीय एक व्यक्ति को कोझिकोड मेडिकल कॉलेज में 10 जून को भर्ती कराया गया था और जांच में पुष्टि हुई कि वह निपाह से संक्रमित है।

पूर्व मुख्यमंत्री विजयन ने यहां पत्रकारों के सवालों के जवाब में कहा कि निपाह वायरस का प्रकोप एक ऐसा मुद्दा है जिससे अत्यंत गंभीरता से निपटा जाना चाहिए। उन्होंने कहा, ''यहां चिंता इस बात को लेकर है कि क्या स्थिति को उस गंभीरता के साथ संभाला जा रहा है। मैं चिकित्सकों के हस्तक्षेप की बात नहीं कर रहा हूं।

कोयला मंत्री ने 40 लाख टन कोयला गायब होने के आरोपों की जांच की मांग की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय कोयला मंत्री जी. किशन रेड्डी ने तेलंगाना सरकार को पत्र लिखकर सिंगरेनी कोलियरीज कंपनी लिमिटेड (एससीसीएल) से करीब 1,600 करोड़ रुपए मूल्य का 40 लाख टन कोयला कथित रूप से गायब होने संबंधी खबरों पर चिंता जताई है और मामले की तत्काल जांच कराने की मांग की है।

तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी को 10 जून, 2026 को लिखे पत्र में रेड्डी ने कहा है कि विभिन्न समाचारपत्रों में 1,600 करोड़ रुपए मूल्य के 40 लाख टन कोयले के गायब होने से कंपनी को भारी वित्तीय नुकसान होने की खबरें प्रकाशित हुई हैं। उन्होंने कहा कि तेलंगाना सरकार पर 51,500 करोड़ रुपए से अधिक के बकाये के कारण एससीसीएल पहले से ही वित्तीय दबाव में है। ऐसे में इन आरोपों से कंपनी की वित्तीय स्थिति पर और प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। एससीसीएल में तेलंगाना सरकार और केंद्र सरकार की हिस्सेदारी क्रमशः 51 प्रतिशत और 49 प्रतिशत है।

कोयला मंत्री ने कहा कि यदि इन आरोपों की शीघ्र जांच नहीं की गई और समय रहते उचित कार्रवाई नहीं हुई, तो इससे कंपनी की वित्तीय स्थिति कमजोर हो सकती है तथा उसके भविष्य की वृद्धि और स्थिरता पर असर पड़ सकता है। उन्होंने राज्य सरकार से आग्रह किया कि मामले के तथ्यों की तत्काल जांच कर यह पता लगाया जाए कि इन आरोपों में कितनी सच्चाई है। इसके साथ यह भी देखा जाए कि कंपनी के प्रभावी संचालन के लिए पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था और आंतरिक नियंत्रण तंत्र मौजूद हैं या नहीं।

रेड्डी ने सुझाव दिया कि जांच के दौरान प्रौद्योगिकी-आधारित निगरानी प्रणालियों का उपयोग किया जाए और नियमित समीक्षा की व्यवस्था की जाए, ताकि कमियों की समय रहते पहचान कर उन्हें दूर किया जा सके। उन्होंने कहा कि इससे व्यवस्था संबंधी खामियां दूर होंगी, ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकी जा सकेगी और एससीसीएल की दक्षता, पारदर्शिता तथा विश्वसनीयता मजबूत होगी।

केंद्रीय मंत्री ने मुख्यमंत्री से व्यक्तिगत हस्तक्षेप कर कोयला कंपनी के सुचारू संचालन को सुनिश्चित करने और एससीसीएल से प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से जुड़े सभी कर्मचारियों के हितों की रक्षा करने का भी अनुरोध किया।

भारत खाद्य उत्पादन में हासिल कर चुका है आत्मनिर्भरता: सीटीसीआरआई निदेशक

तिरुवनंतपुरम/भाषा। उष्णकटिबंधीय कंद वाली फसलों पर शोध करने वाली संस्था सीटीसीआरआई के प्रमुख डॉ. जी. बैजू ने शनिवार को कहा कि भारत ने खाद्य उत्पादन में आत्मनिर्भरता हासिल कर ली है और कृषि के क्षेत्र में एक वैश्विक अगुवा के तौर पर उभरा है।

भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर)- उष्णकटिबंधीय कंद फसल शोध संस्थान (सीटीसीआरआई) के निदेशक डॉ. बैजू ने एक कार्यशाला को संबोधित करते हुए कहा कि 1950 के दशक में देश खाद्य आयात पर निर्भर था, लेकिन बाद में उसने खाद्य उत्पादन में आत्मनिर्भरता हासिल कर ली। आधिकारिक विज्ञप्ति के मुताबिक, बैजू ने कहा कि कृषि भारतीय अर्थव्यवस्था की सबसे महत्वपूर्ण प्रेरक शक्तियों में से एक बनी हुई है और देश के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में 16.3 प्रतिशत का योगदान देती है। उन्होंने भारतीय कृषि क्षेत्र की प्रमुख उपलब्धियों का जिक्र करते हुए कहा कि खेती के रकबे में मामूली वृद्धि के बावजूद, अनाज का उत्पादन, जो वर्ष 1950-51 में 5.08 करोड़ टन था, वह वर्ष 2025-26 में बढ़कर 37.65 करोड़ टन हो गया है।

फीफा वर्ल्ड कप

फीफा वर्ल्ड कप 2026 के दौरान लॉस एंजिल्स स्टेडियम के आसपास पार्किंग का खर्च बेहद महंगा (कुछ दर्जनों से लेकर 300 यूएस डॉलर तक) होने के कारण संयुक्त राज्य अमेरिका के लॉस एंजिल्स स्टेडियम में मैच देखने के लिए बड़ी संख्या में फैंस पब्लिक ट्रांसपोर्ट (सार्वजनिक परिवहन) का इस्तेमाल कर पहुंचे।

तमिलनाडु में तीन दिनों तक बारिश और तेज हवाएं चलने की संभावना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने अगले तीन दिनों में तमिलनाडु के कई हिस्सों में तेज हवाओं के साथ मध्यम बारिश का अनुमान लगाया है। पश्चिमी घाट और कावेरी डेल्टा जिलों में मौसम की सबसे ज्यादा हलचल होने की उम्मीद है। मौसम विभाग के अनुसार, तमिलनाडु के उत्तरी तटीय इलाकों में ऊपरी हवा में बने चक्रवाती दबाव का असर राज्य के साथ-साथ पुडुचेरी और कराईकल के मौसम पर भी पड़ रहा है। इसके असर से कई इलाकों में कम से कम एक और सप्ताह तक बारिश होने की उम्मीद है। आईएमडी ने बताया कि शुक्रवार और शनिवार को पश्चिमी घाट के जिलों, डेल्टा क्षेत्र और तमिलनाडु के उत्तरी अंदरूनी इलाकों में कुछ जगहों पर तेज हवाओं के साथ मध्यम बारिश हो सकती है। नमी वाली हवाओं और मौसम की अनुकूल स्थितियों के कारण इन इलाकों में बड़े पैमाने पर बादल बनने और रुक-रुक कर बारिश होने की उम्मीद है।

मौसम विभाग के अधिकारियों ने कहा कि शनिवार और रविवार को भी पश्चिमी घाट, डेल्टा जिलो दक्षिणी तमिलनाडु के कुछ हिस्सों में मध्यम बारिश जारी रहने की संभावना है। मौजूदा मौसमी सिस्टम से बारिश का दौर जारी रहने की उम्मीद है, जिससे राज्य के कई हिस्सों में मौसम अपेक्षाकृत ठंडा हो जाएगा। पश्चिमी घाट के साथ लगते जिलों, जिनमें पहाड़ी और उससे सटे इलाके में तेज़ हवाओं के साथ-साथ कभी-कभी बारिश होने की संभावना है।

खेती के लिहाज से अहम कावेरी डेल्टा क्षेत्र में भी ऐसे ही हालात रहने की उम्मीद है, जहां बारिश से खेती के मौसम से पहले कृषि गतिविधियों को बढ़ावा मिल सकता है। मौसम विभाग ने जोखिम वाले इलाकों में रहने वाले लोगों को सावधान रहने की सलाह दी है, खासकर उन जगहों पर जहां पानी भरने और तेज़ हवाओं की वजह से कुछ समय के लिए रुकावट आ सकती है। घर से बाहर काम करने वाले लोगों से भी कहा गया है कि वे मौसम की जानकारी पर नजर रखें और तेज बारिश और तूफ़ान के दौरान जरूरी सावधानी बरतें। वहीं, चेन्नई में पूरे दिन आसमान में आम तौर पर बादल छाए रहने की उम्मीद है। शहर के कुछ इलाकों में मध्यम बारिश के साथ-साथ तूफ़ान और बिजली कड़कने की भी संभावना है। हालांकि बड़े पैमाने पर भारी बारिश का अनुमान नहीं है, लेकिन छिटपुट बारिश से शहर के कुछ हिस्सों में ट्रैफिक और रोज़मर्रा के कामों पर असर पड़ सकता है।

आईएमडी ने कहा है कि वह मौसम की बदलती स्थिति पर बारीकी से नजर रखेगा और जरूरत के हिसाब से अपडेटेड अनुमान और सलाह जारी करेगा। आने वाले दिनों में तमिलनाडु के कई हिस्सों में बारिश जारी रहने की उम्मीद है, जिससे हाल की उमस भरी स्थिति से राहत मिलेगी।

एचएलएल लाइफकेयर ने प्रीमियम दवा केंद्र श्रृंखला 'अमृत प्लस' शुरू की

तिरुवनंतपुरम। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के तहत संचालित एचएलएल लाइफकेयर लिमिटेड ने शनिवार को अमृत प्लस' नाम से प्रीमियम दवा बिक्री शृंखला की शुरुआत की घोषणा की। सार्वजनिक क्षेत्र की 'मिनी रत्न' कंपनी ने एक बयान में कहा कि इस शृंखला के तहत दवाओं, चिकित्सा उपकरणों, स्वास्थ्यवर्धक उत्पादों, पोषण उत्पादों, व्यक्तिगत देखभाल उत्पादों और जीवनशैली से जुड़े स्वास्थ्य उत्पादों की व्यापक श्रृंखला उपलब्ध कराई जाएगी। बयान के मुताबिक, एचएलएल लाइफकेयर की चेयरपर्सन एवं प्रबंध निदेशक डॉ. अनीता थम्पी ने गोवा में आयोजित एक समारोह में इस पहल की शुरुआत की। कंपनी ने कहा कि 'अमृत प्लस' को उसके किफायती दवा एवं विश्वसनीय 'चिकित्सा उत्पाद' (अमृत) नेटवर्क के विस्तार के रूप में विकसित किया गया है।

नीति आयोग की बैठक में तमिलनाडु के मुख्यमंत्री द्रमुक की उपलब्धियों को भुना रहे हैं : उदयनिधि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। द्रमुक नेता उदयनिधि स्टालिन ने तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय पर तीखा हमला करते हुए आरोप लगाया है कि मुख्यमंत्री ने नीति आयोग की बैठक का इस्तेमाल पिछली द्रविड़ मॉडल सरकार की उपलब्धियों पर ''स्टिकर चिपकाने'' के लिए किया। मुख्यमंत्री पर सवाल उठाते हुए उदयनिधि ने जानना चाहा कि क्या महिला सशक्तीकरण (खासकर कार्यबल में महिलाओं की 42 प्रतिशत भागीदारी सुनिश्चित करना) और तमिलनाडु का भारत की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था के रूप में उभरने की उपलब्धि मौजूदा टीवीके सरकार ने हासिल की है, जो एक महीने पहले ही सत्ता में आयी है।

उन्होंने कहा कि विधानसभा चुनाव के प्रचार के दौरान, तमिलगा वेत्री कषगम (टीवीके) के संस्थापक विजय ने यह विमर्श गढ़ा कि तमिलनाडु कर्ज के ''गहरे जाल'' में फंस गया है। हालांकि, 11 जून को दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में हुई नीति आयोग की 11वीं शासी परिषद की बैठक में विजय ने तमिलनाडु की उपलब्धियों की सूची पढ़कर सुनाई। पूर्व मंत्री उदयनिधि ने शुक्रवार को 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''मुख्यमंत्री ने बताया कि तमिलनाडु भारत की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है और देश की कुल कामकाजी महिलाओं में से 42 प्रतिशत तमिलनाडु से हैं। साथ ही, उन्होंने महिलाओं की शिक्षा, सुरक्षा, स्वास्थ्य सेवा और महिला स्वयं-सहायता समूहों के विकास में हुई प्रगति पर भी प्रकाश डाला।''

द्रमुक नेता ने कहा, ''मुख्यमंत्री को यह स्पष्ट करना चाहिए कि क्या ये सभी उपलब्धियां उनके एक महीने पुराने 'सोफ़ा मॉडल' शासन के दौरान हासिल हुईं, या फिर ये पांच साल के 'द्रविड़ मॉडल' शासन के दौरान हासिल की गईं?''

आविन ने 'ग्रीन मैजिक' दूध की बिक्री बंद करने की बात से इनकार किया, वितरण को सामान्य बताया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। सरकार के स्वामित्व वाली कंपनी दुग्ध 'आविन' ने शनिवार को बताया कि उसके हरे पैकेट वाले दूध ब्रांड को बंद नहीं किया गया है और उसका वितरण सामान्य रूप से जारी है। ऐसी खबरें थीं कि दूध की कम खरीद के कारण 'आविन' ने ग्रीन मैजिक' (4.5 प्रतिशत फैट वाला) दूध की आपूर्ति कम कर दी है, जिससे ग्राहकों को निजी कंपनियों से महंगा दूध खरीदना पड़ रहा है। हालांकि, आविन ने एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा कि हाल ही में मीडिया में आईं वे खबरें गलत हैं जिनमें दावा किया गया था कि 'ग्रीन मैजिक' का वितरण बंद कर दिया गया है या काफी कम कर दिया गया है।

आविन की वेबसाइट के अनुसार, 'ग्रीन मैजिक' के 225 मिलीलीटर पैकेट की कीमत 11 रुपये है, जबकि 500 मिलीलीटर का पैकेट 22 रुपये में उपलब्ध है। कंपनी ने साफ किया कि 'ग्रीन मैजिक' समेत उसके सभी तरह के दूध की आपूर्ति सामान्य रूप से हो रही है और किसी भी तरह के दूध की बिक्री बंद नहीं की गई है या उसकी आपूर्ति में कोई बड़ी कटौती नहीं की गई है। विज्ञप्ति में कहा गया कि ग्राहकों की मांग पूरी करने के लिए दूध की आपूर्ति जारी है और लोगों से अनुरोध है कि ऐसी गलत खबरों से गुमराह न हों।

आविन ने कहा कि 'ग्रीन मैजिक' बिना किसी रुकावट के उपलब्ध और वितरित होता रहेगा।

भारत 2031 तक तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की दिशा में अग्रसर : राधामोहन दास अग्रवाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मंगलूरु। वरिष्ठ भाजपा नेता राधामोहन दास अग्रवाल ने शनिवार को कहा कि वैश्विक भू-राजनीतिक और आर्थिक चुनौतियों के बावजूद भारत ने मजबूत आर्थिक वृद्धि बनाए रखी है और वर्ष 2031 तक यह विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की दिशा में अग्रसर है। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय महासचिव अग्रवाल ने यहां आयोजित संवाददाता सम्मेलन में कहा कि भारत ने रूस-यूक्रेन युद्ध और पश्चिम एशिया में तनाव जैसे अंतरराष्ट्रीय संघर्षों से पैदा हुई बाधाओं के बावजूद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में 7.7 प्रतिशत की आर्थिक वृद्धि हासिल की है। अग्रवाल ने कहा, भारत की आर्थिक वृद्धि दर दुनिया में सबसे ऊंचे स्तर पर बनी हुई है। मौजूदा दर से आगे बढ़ने पर देश के 2031 तक विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था के रूप में उभरने की संभावना है। उन्होंने दुनिया की अन्य प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं से भारत की तुलना करते हुए कहा कि देश की 7.7 प्रतिशत की वृद्धि दर अमेरिका, चीन, जापान और कई यूरोपीय अर्थव्यवस्थाओं की वृद्धि दर से काफी अधिक है।

मुख्यमंत्री के कहने पर देवस्वओम विशेष अधिवक्ता ने त्यागपत्र दिया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुवनंतपुरम/भाषा। देवस्वओम विशेष अधिवक्ता के. बी. प्रदीप ने अपनी नियुक्ति को लेकर विवाद पैदा होने के बीच केरल के मुख्यमंत्री वी. डी. सतीशन द्वारा त्यागपत्र मांगे जाने के बाद शनिवार को इस्तीफा दे दिया। इस बीच विपक्ष ने सरकार पर हमला तेज करते हुए नियुक्ति से जुड़ी परिस्थितियों की जांच किए जाने की मांग की। देवस्वओम मंत्री के. मुरलीधरन ने इस्तीफे की पुष्टि करते हुए कहा कि नियुक्ति अच्छी मंशा से की गई थी, लेकिन श्रद्धालुओं द्वारा चिंता जताए जाने के बाद इसे वापस ले लिया गया। मंत्री ने यहां पत्रकारों से कहा, ''नियुक्ति अच्छी मंशा से की गई थी, लेकिन श्रद्धालुओं ने इस पर चिंता जताई और इसलिए मुख्यमंत्री ने उनका इस्तीफा मांगा, जिसके बाद उन्होंने इस्तीफा दे दिया।''

विपक्षी मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) ने देवस्वओम विभाग के अधिवक्ता के रूप में प्रदीप की नियुक्ति संबंधी कांग्रेस-नीत संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा (यूडीएफ) सरकार के फैसले की आलोचना की थी। एक आधिकारिक सूत्र ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, ''मुख्यमंत्री ने देवस्वओम अधिवक्ता के रूप में उनका इस्तीफा मांगा था और अब उन्होंने पद छोड़ दिया है।'' प्रदीप की नियुक्ति से राजनीतिक विवाद तब शुरू हुआ, जब माकपा नेताओं ने आरोप लगाया कि वह शबरिमला मंदिर से सोने के कथित गबन से जुड़े मामलों में कुछ आरोपियों की ओर से पेश हुए थे।

नेता प्रतिपक्ष पिनराई विजयन ने मीडिया से बातचीत के दौरान नियुक्ति की आलोचना की और कहा कि बहुत ''अजीब घटनाक्रम'' हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि सामान्य तौर पर मंत्रियों को विशिष्ट विभागों की जिम्मेदारी दी जाती है और वे उनसे जुड़े सभी मामलों के लिए जवाबदेह होते हैं।

विजयन ने पूछा, ''लेकिन देवस्वओम मंत्री का यह कहना हैरान करने वाला है कि उन्हें इस मामले की जानकारी नहीं थी। देवस्वओम मंत्री की जानकारी के बिना ऐसा फैसला कैसे लिया जा सकता है?'' उन्होंने कहा कि जिस अधिवक्ता ने मुख्य आरोपी व्यक्ति और संस्था की ओर से पैरवी की थी, उसी को देवस्वओम बोर्ड का अधिवक्ता नियुक्त करना आरोपियों का ''साथ देने'' के समान है। उन्होंने कहा, ''यह कदम कभी नहीं उठाया जाना चाहिए था। इस फैसले को तुरंत सुधारा जाना चाहिए और दूसरी नियुक्ति की जानी चाहिए।''

माकपा राज्य समिति के सदस्य वी. शिवनकुट्टी ने इस नियुक्ति को ''स्तब्ध करने वाला'' बताया और आरोप लगाया कि शबरिमला से सोना गायब होने के मामले के एक आरोपी की ओर से पेश हुए वकील को देवस्वओम विभाग का अधिवक्ता नियुक्त करना मामले को कमजोर करने की स्पष्ट साजिश का हिस्सा था। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि केवल अधिवक्ता के इस्तीफे से इस मामले से जुड़ा रहस्य खत्म नहीं होगा। उन्होंने कथित साजिश के पीछे मौजूद लोगों की पहचान किए जाने की मांग की। उन्होंने नियुक्ति से जुड़ी परिस्थितियों और सोना गायब होने के मामले को कमजोर करने की कथित कोशिशों में शामिल लोगों के खिलाफ व्यापक जांच की भी मांग की। माकपा के वरिष्ठ नेता वी. एन. वासवन ने कहा कि देवस्वओम विशेष अधिवक्ता के. बी. प्रदीप की विवादित नियुक्ति को लेकर अब भी संदेह है और जनता को तथ्य जानने का अधिकार है।

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेताओं कुम्मनम राजशेखरन और पी. के. कृष्णदास ने भी कांग्रेस-नीत सरकार की कड़ी आलोचना की। उन्होंने आरोप लगाया कि इस नियुक्ति से दुनियाभर में भगवान अयप्पा के हजारों श्रद्धालुओं के बीच चिंता पैदा हुई है। राजशेखरन ने पत्रकारों से कहा, ''मुख्यमंत्री ने करोड़ों अयप्पा श्रद्धालुओं को झटका दिया है। यह मंदिरों और श्रद्धालुओं के साथ गंभीर विश्वासघात है।'' कृष्णदास ने कहा कि अधिवक्ता के इस्तीफे से विवाद खत्म नहीं होता। उन्होंने एक संवाददाता सम्मेलन में कहा, ''चोरी का सामान लौटा देने से चोरी खत्म नहीं हो जाती और अधिवक्ता का इस्तीफा भी वैसा ही है। देवस्वओम अधिवक्ता की नियुक्ति श्रद्धालुओं के लिए झटका थी। वाम लोकतांत्रिक मोर्चा (एलडीएफ) और यूडीएफ एक ही सहकारी गिरोह के दो पहलू हैं।''

मुरलीधरन ने आलोचनाओं पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि प्रदीप को इसलिए नियुक्त किया गया था, क्योंकि वह आपराधिक मामलों के एक प्रसिद्ध वकील हैं और मामलों को प्रभावी ढंग से संभालने में सक्षम हैं। उन्होंने कहा, मुझे श्रद्धालुओं के कई फोन आए। उन्होंने कहा कि लोगों को इस सरकार में सोना गायब होने के मामलों की सच्चाई सामने आने की उम्मीद है और इस नियुक्ति से चिंता पैदा हुई है। उन्होंने कहा कि इसी वजह से मुख्यमंत्री ने हस्तक्षेप किया और प्रदीप का इस्तीफा मांगा। मंत्री ने कहा कि प्रदीप की नियुक्ति राज्य मंत्रिमंडल का सामूहिक फैसला था। विवाद के बारे में पूछे जाने पर केरल प्रदेश कांग्रेस समिति (केपीसीसी) के अध्यक्ष और बिजली मंत्री सनी जोसेफ ने कहा कि यदि कोई कमी है तो उसे दूर किया जाएगा। उन्होंने पत्रकारों से कहा, ''यदि कोई चूक हुई है, तो उसे सुधारा जाएगा। मामले की जांच की जाएगी और अगर कोई कमी है तो उसे दूर किया जाएगा। यह सरकार के कार्यकाल की शुरुआत है।'' जोसेफ ने यह भी कहा कि ऐसे मामलों पर फैसला सरकार करती है, पार्टी नहीं।

निर्मला सीतारमण ने उडुप्पी के श्रीकृष्ण मठ में पूजा-अर्चना की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

उडुप्पी। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण शनिवार को यहां श्रीकृष्ण मठ पहुंचीं और उन्होंने मंदिर में पूजा-अर्चना की। सीतारमण अपने कर्नाटक दौरे के तहत मंदिर के लिए प्रसिद्ध नगरी उडुपी पहुंचीं और कृष्ण मंदिर में दर्शन किए। उन्होंने शिरूर मठ के श्री वेदवर्धन तीर्थ स्वामीजी से भी मुलाकात की, जो अभी कृष्ण मठ का कामकाज संभाल रहे 'पर्याय स्वामीजी' हैं, और इस दौरान उनका आशीर्वाद भी लिया। दोनों ने आपस में कुछ देर बातचीत भी की।

केंद्रीय मंत्री ने उच्छिला स्थित श्री महालक्ष्मी मंदिर और श्री होसा मारिगुडी मंदिर का भी दौरा किया और वहां पूजा-अर्चना की। उनके भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) से जुड़े कार्यक्रमों में भी भाग लेने की संभावना है।

पुलिस सूत्रों ने बताया कि निर्मला सीतारमण की उडुप्पी यात्रा को लेकर मंदिर परिसर में सुरक्षा के सख्त इंतजाम किए गए, जिन्होंने कुछ समय मठ परिसर में बिताया और मंदिर के अधिकारियों से बातचीत की। यह दौरा ऐसे समय में हो रहा है जब राज्य में होने वाली आगामी राजनीतिक गतिविधियों से पहले भाजपा कर्नाटक में कई तरह के संपर्क कार्यक्रम और संगठनात्मक गतिविधियां चला रही है।

कोझिकोड जा रहे एअर अरेबिया के विमान को तकनीकी खराबी के बाद कोच्चि भेजा गया

कोच्चि। संयुक्त अरब अमीरात के शारजाह से केरल के कोझिकोड जा रहे एअर अरेबिया के एक विमान को तकनीकी समस्या के कारण शनिवार तड़के यहां कोचीन अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर उतारा गया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। 'कोचीन इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड' (सीआईएएल) के एक प्रवक्ता के अनुसार, एअर अरेबिया की उड़ान जी9 454 को विमान के इंजन की 'रिवर्स थ्रस्ट' (उतरने के बाद विमान की गति कम करने में मदद करने वाली प्रणाली) प्रणाली से जुड़ी समस्या के कारण हवाई अड्डे पर उतारा गया। निर्धारित सुरक्षा प्रोटोकॉल के तहत, हवाई अड्डे की सभी आपातकालीन सेवाओं को तैयार रखने के लिए तड़के 3.19 बजे लोकल स्टैंडबाय' (हवाई अड्डे की आपात सेवाओं को सतर्क करना) घोषित किया गया और इसके बाद 3.34 बजे पूर्ण आपात स्थिति घोषित की गई। प्रवक्ता ने कहा, विमान सुबह 3.38 बजे सुरक्षित उतरा और उसे निर्धारित 'पार्किंग बे' में ले जाया गया।

தொழிலாளர் அரசு காப்பீட்டுக் கழகம்
(தொழிலாளர் மற்றும் வேலைவாய்ப்பு அமைச்சகம், இந்திய அரசு)
कर्मचारी राज्य बीमा निगम
(श्रम एवं रोजगार मंत्रालय, भारत सरकार)
EMPLOYEES' STATE INSURANCE CORPORATION
(Ministry of Labour & Employment, Govt. of India)
க.ரா.बी.नि E.S.I.C

மண்டல அலுவலகம்/क्षेत्रीय कार्यालय / Regional Office
143, ஸ்டெர்லிங் சாலை, நுங்கம்பாக்கம், சென்னை - 600034.
143, स्टर्लिंग रोड, नुंगमबाक्कम, चेन्नै - 600034.
143, Sterling Road, Nungambakkam, Chennai - 600034.
Phone: 044-28306300 (100 Lines)
E-mail: rd-tamilnadu@esic.gov.in
Website: www.esic.gov.in/www.rotamilnadu.esic.gov.in

कर्मचारी राज्य बीमा निगम, तमिलनाडु क्षेत्र में संविदा आधार पर सहायक अभियंता (सिविल) तथा कनिष्ठ अभियंता (इलेक्ट्रिकल/सिविल) के पदों पर सेवानिवृत्त अभियंताओं से आवेदन आमंत्रित किए जाते हैं।

आवश्यक अभियंताओं की संख्या

1.	सहायक अभियंता (सिविल)	01 पद, क्षेत्रीय कार्यालय, चेन्नै
2.	कनिष्ठ अभियंता (सिविल)	02 पद, क्षेत्रीय कार्यालय, चेन्नै 01 पद – क.रा.बी. निगम चिकित्सा महाविद्यालय एवं अस्पताल, के.के. नगर, चेन्नै 01 पद – क.रा.बी. निगम अस्पताल, तिरुपुर 01 पद – क.रा.बी. निगम अस्पताल, श्रीपेरंबुदूर 01 पद – क.रा.बी. निगम अस्पताल, तुतिकोरिन
3.	कनिष्ठ अभियंता (इलेक्ट्रिकल)	01 पद, क्षेत्रीय कार्यालय, चेन्नै 02 पद – क.रा.बी. निगम चिकित्सा महाविद्यालय एवं अस्पताल, के.के. नगर, चेन्नै 01 पद – क.रा.बी.निगम अस्पताल, तिरुपुर 01 पद – क.रा.बी.निगम अस्पताल, श्रीपेरंबुदूर 01 पद – क.रा.बी. निगम अस्पताल, तुतिकोरिन

संविदा की अवधि एक वर्ष अथवा नियमित भर्ती प्रक्रिया पूर्ण होने तक (जो भी पहले हो) होगी।
वॉक-इन साक्षात्कार दिनांक: 24.06.2026 | समय: प्रातः 11:00 बजे
स्थान: कर्मचारी राज्य बीमा निगम, क्षेत्रीय कार्यालय (तमिलनाडु), पंचदीप भवन, 143 स्टर्लिंग रोड, नुंगमबाक्कम, चेन्नै – 600034
शैक्षणिक योग्यता, आयु, आवेदन प्रारूप एवं अन्य विवरण हेतु वेबसाइट देखें:
www.esic.gov.in / www.rotamilnadu.esic.gov.in
क्षेत्रीय निदेशक (प्रभारी)

वृद्धाश्रम को राशन और मेडिकल का सामान दान

बेंगलूरु। अपनी कल्याणकारी गतिविधियों के तहत, दक्षिण पश्चिम रेलवे महिला कल्याण संगठन (एसडब्ल्यूआरडब्ल्यूडब्ल्यूओ), बेंगलूरु डिवीजन ने शनिवार को बेंगलूरु के विजयनगर स्थित लवलविके वृद्धाश्रम का दौरा किया। बेंगलूरु डिवीजन महिला संगठन की अध्यक्ष रीना सिंह ने उपाध्यक्ष अमिता मोहनपुरिया और जयश्री कतारकी, सचिव स्वाति प्रिया, कोषाध्यक्ष भाग्यश्री और अन्य कार्यकारी सदस्यों के साथ वृद्धाश्रम में रहने वाले बुजुर्गों से बातचीत की और उनके साथ समय बिताया। इस मौके पर, संगठन ने वृद्धाश्रम के निवासियों की मदद के लिए 75 हजार रुपए मूल्य का राशन और मेडिकल का सामान दान किया।

भारतीय रिज़र्व बैंक
विदेशी मुद्रा विभाग
क्षेत्रीय कार्यालय, फोर्ट ग्लासिस,16, राजाजी सालै, चेन्नै – 600 001

विदेशी मुद्रा प्रबंध अधिनियम, 1999 की धारा 10(3) के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, भारतीय रिज़र्व बैंक ने निम्नलिखित कंपनियों के संपूर्ण मुद्रा परिवर्तक (एफएफएमसी) लाइसेंस को रद्द कर दिया है क्योंकि उन्होंने स्वेच्छा से अपने एफएफएमसी लाइसेंस सरेंडर कर दिए है :

क्र.सं	नाम और पंजीकृत कार्यालय का पता	लाइसेंस संख्या	जारी करने की तारीख	रद्दीकरण की आदेश तारीख
1	ए जे कंट्रीवाइड फॉरेक्स प्राइवेट लिमिटेड नं. 120-8, हार्मनी बिल्डिंग, डी.बी. रोड, (ICICI बैंक के पास) R.S. पुरम, कोइम्बटूर - 641 002	0249-2023	06 अप्रैल, 2023	30 अप्रैल, 2026
2	हाईवे फॉरेक्स कन्वर्जन्स प्राइवेट लिमिटेड B-28, जेने प्लाज़ा 5, भरथियार सलाई, त्रिची - 620 001	0195-2023	27 अप्रैल, 2023	30 अप्रैल, 2026
3	वीनस फॉरेक्स प्राइवेट लिमिटेड नं. 64, कक्कान नगर मेन रोड, अदाम्बक्कम, चेन्नै - 600 088	0110-2023	27 दिसंबर, 2023	30 अप्रैल, 2026

उपर्युक्त रद्दीकरण के परिणामस्वरूप, उक्त एफएफएमसी मुद्रा परिवर्तन गतिविधियों से संबंधित 01 जनवरी 2016 के मास्टर निदेश, जिसे समय-समय पर अद्यतन किया जाता है और जो कि आरबीआई की वेबसाइट (https://www.rbi.org.in) पर उपलब्ध है, में यथा-विनिर्दिष्ट मुद्रा परिवर्तक गतिविधियां या लेनदेन नहीं करेंगी।

ह/-
श्री राकेश श्रीवास्तव
मुख्य महाप्रबंधक

स्थान: चेन्नै
दिनांक: 12 जून 2026

अन्नामलाई का पार्टी छोड़ना उनका व्यक्तिगत निर्णय : राधा मोहन दास अग्रवाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मंगलूरु। भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव राधा मोहन दास अग्रवाल ने पार्टी की तमिलनाडु इकाई के पूर्व अध्यक्ष के अन्नामलाई के पार्टी छोड़ देने को शनिवार को उनका व्यक्तिगत निर्णय बताते हुए कहा कि भाजपा अल्पकालीन राजनीतिक सोच से कहीं अधिक दीर्घकालीन राष्ट्रीय उद्देश्यों पर केंद्रित है। अग्रवाल ने यहां पार्टी पदाधिकारियों की एक बैठक के दौरान पत्रकारों से कहा कि एक राष्ट्रीय पार्टी के तौर पर भाजपा इस देश के भविष्य को ध्यान में रखते हुए अपनी रणनीतियां बनाती है और दीर्घकालीन योजनाओं पर काम करती है। अन्नामलाई के पार्टी छोड़ने के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा, हम अल्पकालीन राजनीति पर ज्यादा ध्यान नहीं देते। पार्टी छोड़ने का अन्नामलई का निर्णय, उनका व्यक्तिगत निर्णय है। इस चरण में, मैं यही कह सकता हूं। कर्नाटक प्रदेश भाजपा नेतृत्व में किसी तरह के बदलाव की संभावना पर अग्रवाल ने कहा कि अंतिम निर्णय पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष द्वारा लिया जाएगा। उन्होंने कहा कि केंद्रीय नेतृत्व इस राज्य में राजनीतिक घटनाक्रमों और मौजूदा प्रदेश अध्यक्ष के निष्पादन एवं उपलब्धियों से पूरी तरह अवगत है। भाजपा नेता ने आरोप लगाया कि कर्नाटक में कांग्रेस सरकार को लेकर लोगों में असंतोष बढ़ रहा है। उन्होंने दावा किया कि इसका प्रभाव 2028 के विधानसभा चुनाव में दिखाई देगा।

अग्रवाल ने कहा, लोग राज्य सरकार से तेजी से नाखुश हो रहे हैं। भाजपा इस सरकार के जन विरोधी नीतियों और विफलताओं के खिलाफ लगातार लड़ाई लड़ रही है। पूर्व सांसद सुमलता अंबरीश को राज्यसभा के लिए नामांकित नहीं किए जाने के मुद्दे पर अग्रवाल ने कहा कि उनका भाजपा के साथ सौहार्दपूर्ण संबंध बना हुआ है और भविष्य में उन्हें एक उचित भूमिका दी जाएगी।

पार्टी से निष्कासित वरिष्ठ नेताओं --बसंगौडा पाटिल यतनाल और के एस ईश्वरप्पा के पार्टी में वापस लिए जाने की संभावना पर उन्होंने कहा कि भाजपा नेतृत्व उचित समय पर इस पर निर्णय लेगा। अग्रवाल ने कहा, भाजपा का किसी को पार्टी से स्थायी रूप से बाहर रखने का इरादा नहीं है। भविष्य के निर्णय उनके आचरण और गतिविधियों का आकलन करने के लिए लिये जाएंगे।

प्रधानमंत्री मोदी का 12 वर्ष का कार्यकाल जनकल्याण को समर्पित : भजनलाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर, । मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सेवा, सुशासन और लोक कल्याण को समर्पित गौरवशाली 12 वर्ष का कार्यकाल पूर्ण होने पर शनिवार को मीडिया से संवाद किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने सबसे लम्बे समय तक निर्वाचित प्रधानमंत्री रहने की असाधारण उपलब्धि हासिल की है। इस अवसर पर उन्होंने प्रदेशवासियों की ओर से प्रधानमंत्री को बधाई एवं शुभकामनाएं दी। मीडिया संवाद में मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 2014 से पहले यूपीए सरकार में हमारा देश भ्रष्टाचार, महंगाई, आतंकवाद, नक्सलवाद, नीतिगत अव्यवस्था और खराब आर्थिक हालात जैसी अनेक चुनौतियों से जूझ रहा था। ऐसे समय पर प्रधानमंत्री ने जिम्मेदारी संभाली और देश को इन चुनौतियों से बाहर निकाला तथा अपने दूरदर्शी विजन से 12 वर्षों में शासन, विकास और जनकल्याण के अनेक नए प्रतिमान स्थापित किए। उन्होंने कहा कि वर्ष 2014 के बाद प्रधानमंत्री ने प्रधान सेवक के रूप में सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास के मंत्र के साथ सभी वर्गों के कल्याण के लिए कार्य किया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत ने गरीब कल्याण को शासन के केंद्र में स्थापित किया है। देश के करोड़ों लोगों तक पहली बार बड़े स्तर पर पक्के घर, बिजली, गैस कनेक्शन, शुद्ध पेयजल, शौचालय जैसी सुविधाएं पहुंच पाई हैं। इसी प्रकार, करोड़ों लोगों के बैंक खाते खोलकर सरकारी मदद उपलब्ध करवाई जा रही है। उन्होंने कहा कि पहली बार 80 करोड़ से अधिक नागरिकों को मुफ्त राशन की सुविधा मिली और 60 करोड़ से अधिक गरीबों को 5 लाख रुपए तक के मुफ्त इलाज का भरोसा। प्रधानमंत्री की इन्हीं पहलों की बदौलत 25 करोड़ से ज्यादा लोग गरीबी से उबर पाए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी युवा शक्ति को भारत की सबसे बड़ी पूंजी मानते हैं। उनके मार्गदर्शन में कौशल विकास, स्टार्टअप इंडिया, इनोवेशन, डिजिटल इकॉनॉमी, स्पोर्ट्स, उद्यमिता और फिटनेस को अभूतपूर्व बल मिला है। उनकी प्रेरणा से बीते 12 वर्षों में

वीमेन लेड डवलपमेंट का एक नया अध्याय भारत की विकास यात्रा में जुड़ा है। उनके मार्गदर्शन में सरकार ने हमेशा देश की महिलाओं को अपनी नीतियों के केंद्र में रखा है। महिलाओं के लिए शौचालय, धुआं मुक्त रसोई, गर्भावस्था में आर्थिक मदद, मुद्रा योजना, पीएम आवास एवं लखपति दीदी योजना के जरिए सपोर्ट सिस्टम विकसित किया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि विकसित भारत के चार स्तंभों में एक प्रमुख स्तंभ हमारे किसान हैं। प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में बीते 12 वर्षों में किसानों के लिए बीज से लेकर बाजार तक अनेक पहल की गई हैं। हमारे किसानों को उन्नत बीज, सिंचाई सुविधाओं, पीएम किसान सम्मान निधि, एमएसपी में बढ़ोतरी आदि के माध्यम से संबल प्रदान किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री राष्ट्र प्रथम की सोच के साथ कड़े और बड़े निर्णय लेने में भी कभी पीछे नहीं हटे। इसी वजह से जम्मू कश्मीर से धारा-370 हटाना, जीएसटी लागू करना, वन रैंक वन पेंशन और भारतीय न्याय संहिता को लागू करने जैसे निर्णय हकीकत बने हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए अभूतपूर्व कदम उठाने के साथ ही आतंकवाद को करारा जवाब दिया है। उनके नेतृत्व में भारत ने आतंकवाद के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति के साथ दुनिया को स्पष्ट संदेश दिया है। सर्जिकल स्ट्राइक हो या एयर स्ट्राइक या फिर ऑपरेशन सिंदूर, प्रधानमंत्री के सशक्त नेतृत्व में भारतीय सेना ने इन सभी ऑपरेशन को अंजाम दिया। ऑपरेशन सिंदूर के माध्यम से न केवल पहलगाम आतंकी हमले का बदला लिया गया बल्कि सीमा पार चल रहे आतंकी ठिकानों को भी ध्वस्त कर सैकड़ों आतंकियों को ढेर किया गया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विकसित भारत के सपने को पूरा करने के लिए मेक इन इंडिया और आत्मनिर्भर भारत अभियान को गति प्रदान की। इसी वजह से आज भारत रक्षा, इलेक्ट्रॉनिक्स, ऑटोमोबाइल, फार्मा जैसे अनेक क्षेत्रों में विनिर्माण और निर्यात के नए रिकॉर्ड बना रहा है। प्रधानमंत्री के नेतृत्व में पिछले 12 वर्षों में भारत का बुनियादी ढांचा सुदृढ़ हुआ है तथा शासन में गतिशीलता, निर्णयों में पारदर्शिता और नीतियों में दूरदर्शिता की बदौलत भारत विश्व की सबसे तेज़ी से विकसित होती बड़ी अर्थव्यवस्था बन पाया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि केंद्र सरकार की योजनाओं का राजस्थान को भरपूर लाभ मिला है। प्रदेश में लगभग 2 करोड़ 45 लाख मृदा स्वास्थ्य कार्ड जारी किए गए हैं। पीएम फसल बीमा योजना के तहत 35 हजार करोड़ रुपये से अधिक का मुआवजा दिया है। पीएम आवास योजना के तहत 34 लाख से अधिक आवास बनाए गए हैं। हर घर में साफ पानी पहुंचाने के लिए 63 लाख से अधिक नल कनेक्शन दिए हैं। स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण के तहत प्रदेश में लगभग 89 लाख शौचालय बनवाए जा चुके हैं। इस मिशन के अंतर्गत लगभग 43 हजार गांव ओडीएफ प्लस बन चुके हैं। साथ ही 21 गोबर-धन प्रोजेक्ट भी लगाए गए हैं।

सीकर में मूसलाधार बारिश से जनजीवन अस्त-व्यस्त, निचले इलाके जलमग्न

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

सीकर । राजस्थान के सीकर जिले में भीषण गर्मी के बीच बीती रात अचानक बदले मौसम ने लोगों को गर्मी से राहत तो दी, लेकिन तेज बारिश ने नगर परिषद और जिला प्रशासन की तैयारियों की पोल भी खोल दी। देर रात करीब एक घंटे तक हुई मूसलाधार बारिश के बाद पूरी रात रुक-रुक कर बारिश का दौर जारी रहा, जो अलसुबह तक हल्की बूंदाबांदी के रूप में चलता रहा।

बारिश के चलते सीकर शहर सहित बड़े कस्बों के निचले इलाकों में जलभराव की स्थिति पैदा हो गई। कई प्रमुख सड़कें तालाब में तब्दील हो गईं, जिससे राहगीरों और वाहन चालकों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ा। मानसून से पहले हुई इस बारिश ने बारिश के पानी की निकासी को लेकर किए गए प्रशासनिक दावों की वास्तविकता उजागर कर दी। शहर की नवलगढ़ रोड, पिपराली रोड, पुराना लोहारू बस स्टैंड, बजाज रोड, सिल्वर जुबली रोड, फतेहपुर रोड, दो नंबर डिस्पेंसरी क्षेत्र और रोडवेज बस डिपो सहित कई स्थानों पर जलभराव हो गया। इन मार्गों पर पानी भर जाने के कारण लोगों को अपने गंतव्य तक पहुंचने के लिए घंटों मशक्कत करनी पड़ी। सबसे गंभीर स्थिति राधाकिशनपुरा रेलवे अंडरपास में देखने को मिली, जहां करीब 8 फीट तक पानी भर गया, जिससे शहर और राधाकिशनपुरा के बीच सीधा संपर्क पूरी तरह टूट गया।

इस दौरान, रोडवेज प्रशासन की लापरवाही भी सामने आई, जब सीकर रोडवेज बस डिपो परिसर में करीब 3 फीट तक पानी भर गया। इससे बस स्टैंड पर मौजूद यात्रियों और कर्मचारियों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ा। शहर के अन्य निचले इलाकों में भी कई घंटों तक पानी की निकासी नहीं हो सकी, जिसके चलते 2 से 3 फीट तक जलभराव बना रहा और आमजन परेशान होते नजर आए। हालांकि, बारिश से तापमान में गिरावट आने के कारण लोगों को भीषण गर्मी से राहत अवश्य मिली। मौसम विभाग ने आगामी दिनों को लेकर भी अलर्ट जारी किया है। विभाग के अनुसार 14 जून से 16 जून तक जिले में तेज हवाओं के साथ बारिश होने की संभावना है। ऐसे में प्रशासन के सामने जलनिकासी व्यवस्था को दुरुस्त करने और संभावित स्थिति से निपटने की चुनौती बनी हुई है।

प्रशासनिक गलियारों में हड़कंप

बयाना नगरपालिका की ईओ अनिता कुमारी तत्काल प्रभाव से निलंबित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बयाना (भरतपुर)। राजस्थान सरकार के स्वायत्त शासन विभाग ने एक बड़ा प्रशासनिक कदम उठाते हुए भरतपुर जिले की नगर पालिका बयाना की अधिशाषी अधिकारी अनिता कुमारी को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। विभाग द्वारा उनके खिलाफ एक गंभीर मामले में अनुशासनिक कार्रवाई (विभागीय जांच) प्रस्तावित किए जाने के बाद निलंबन के यह आदेश जारी किए गए हैं। इस कार्रवाई के बाद से ही स्थानीय निकाय और प्रशासनिक हलकों में चर्चाओं का बाजार गर्म है। स्थानीय निकाय विभाग के निदेशक प्रतीक चन्द्रशेखर द्वारा जारी आधिकारिक आदेश के अनुसार, यह कार्रवाई राजस्थान सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण एवं अपील) नियम, 1958 के नियम 13(1) के तहत प्रदत्त शक्तियों का उपयोग करते हुए अमल में लाई गई है। विभाग को नगर पालिका बयाना से संबंधित एक प्रकरण में ईओ अनिता कुमारी के खिलाफ गंभीर शिकायतें और अनियमितताएं मिली थीं, जिसके चलते उन्हें जांच लंबित रहने तक पद से हटाने का निर्णय लिया गया। निलंबन आदेश में ईओ के लिए आगामी दिशा-निर्देश भी तय किए गए हैं।

निलंबन की इस पूरी अवधि के दौरान अनिता कुमारी का आधिकारिक मुख्यालय स्थानीय निकाय विभाग निदेशालय, जयपुर निर्धारित किया गया है। उन्हें बिना अनुमति मुख्यालय छोड़ने की मनाही होगी। निलंबन काल के दौरान नियमानुसार मिलने वाले जीवन निर्वाह भत्ते का भुगतान नगर पालिका बयाना द्वारा ही किया जाएगा। स्वायत्त शासन विभाग ने मामले की संवेदनशीलता और त्वरित पालना सुनिश्चित करने के लिए आदेश की प्रतिलिपि जिला कलेक्टर भरतपुर, उप निदेशक (क्षेत्रीय) स्थानीय निकाय विभाग भरतपुर और नगर पालिका बयाना सहित सभी संबंधित वित्तीय एवं प्रशासनिक अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई और रिकॉर्ड दुरुस्त करने हेतु भिजवा दी है।

भाजपा कार्यक्रम में राज्यपालों की मौजूदगी पर डोटासरा ने उठाए सवाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। कांग्रेस की राजस्थान इकाई के अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के एक कार्यक्रम में दो राज्यपालों की मौजूदगी पर शुक्रवार को सवाल उठाते हुए इसे संवैधानिक मर्यादा और निष्पक्षता के विपरीत बताया। डोटासरा ने सोशल मीडिया पर जारी एक बयान में कहा कि भाजपा के राजनीतिक कार्यक्रम में राजस्थान के राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े और गुजरात के राज्यपाल आचार्य देवव्रत की भागीदारी गंभीर चिंताएं पैदा करती है।

भाजपा किसान मोर्चा की ओर से शुक्रवार को जयपुर के एसएमएस स्टेडियम में प्राकृतिक खेती कार्यशाला का आयोजन किया गया था। डोटासरा ने आरोप लगाया, भाजपा के राजनीतिक कार्यक्रम में राजस्थान के राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े और गुजरात के राज्यपाल आचार्य देवव्रत की मौजूदगी संवैधानिक मर्यादा और निष्पक्षता पर गंभीर सवाल खड़े करती है। उन्होंने कहा, राज्यपाल संविधान के निष्पक्ष प्रहरी होते हैं, किसी राजनीतिक दल के प्रचारक नहीं। भाजपा के राजनीतिक कार्यक्रम में संवैधानिक पदों का इस तरह इस्तेमाल लोकतंत्र की भावना के विपरीत है। कार्यक्रम पर कटाक्ष करते हुए कांग्रेस नेता ने कहा, विडंबना यह है कि किसानों के नाम पर आयोजित इस कार्यक्रम में कृषि मंत्री शामिल नहीं हुए। सरकार को यह भी बताना चाहिए कि यदि किसानों के हितों को लेकर वह इतनी गंभीर थी, तो कृषि मंत्री को कार्यक्रम से दूर क्यों रखा गया? डोटासरा ने आरोप लगाया कि हाल में हुई छापेमारी के बाद सामने आए कथित भ्रष्टाचार के मामलों के कारण सरकार ने कृषि मंत्री से दूरी बना ली है। उन्होंने इस पूरे मामले पर मुख्यमंत्री से जवाब देने की मांग की।

सुपर स्पेशियलिटी सेवाओं का होगा विस्तार, फैकल्टी की कमी होगी दूर : भजनलाल शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा की पहल पर आरयूएचएस अस्पताल को रिम्स के रूप में विकसित करने की दिशा में तेजी से कदम बढ़ाए जा रहे हैं। यहां रोगियों को आधुनिकतम चिकित्सा सुविधाएं सुगमता से उपलब्ध हो, इसके लिए सुपर स्पेशलिटी सेवाओं का और विस्तार किया जाएगा। साथ ही, विभिन्न विभागों में फैकल्टी एवं चिकित्सकों की कमी को भी शीघ्र दूर किया जाएगा। चिकित्सा शिक्षा विभाग की प्रमुख शासन सचिव श्रीमती गायत्री राठौड़ ने शनिवार को राजस्थान यूनिवर्सिटी ऑफ हेल्थ साइंसेज (ठणक्ह) अस्पताल को आगामी समय में राजस्थान इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (ठखचड), जयपुर के रूप में विकसित किए जाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक ली। उन्होंने संस्थान के चरणबद्ध उन्नयन, आधुनिक चिकित्सा सुविधाओं के विस्तार तथा मरीजों को उच्च गुणवत्ता वाली स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने से संबंधित विभिन्न विषयों पर विस्तृत समीक्षा की।

प्रमुख शासन सचिव ने बैठक के दौरान अस्पताल में उपलब्ध चिकित्सा सेवाओं की वर्तमान स्थिति तथा भविष्य की संभावनाओं की समीक्षा करते हुए निर्देश दिए कि हर कार्य की एक टाइमलाइन निर्धारित कर उसे समय पर पूरा किया जाए। सुपर स्पेशलिटी सेवाओं के विस्तार के लिए उन्होंने फैकल्टी तथा आवश्यक संसाधनों की उपलब्धता सुनिश्चित करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि अस्पताल में ओपीडी, आईपीडी, ऑपरेशन थियेटर तथा प्रसूति सेवाओं में निरंतर वृद्धि दर्ज हो रही है, यह सुखद संकेत है। इन सेवाओं में और अधिक विस्तार की पर्याप्त संभावनाएं हैं तथा आगामी महीनों में इस सकारात्मक प्रगति को बनाए रखने और आगे बढ़ाने के लिए सभी विभाग समन्वित प्रयास करें।

प्रमुख शासन सचिव ने कहा कि राज्य सरकार का उद्देश्य मरीजों को सुलभ, गुणवत्तापूर्ण एवं आधुनिक चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराना है। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को रिम्स के विकास से संबंधित विभिन्न प्रस्तावों पर शीघ्र कार्यवाही सुनिश्चित करने तथा संसाधनों के प्रभावी उपयोग के निर्देश दिए।

चिकित्सा शिक्षा आयुक्त श्री बाबू लाल गोयल ने बताया कि अस्पताल में सीटी स्कैन सेवा प्रारंभ कर दी गई है, जिससे मरीजों को उन्नत जांच सुविधाओं का लाभ मिलना शुरू हो गया है। साथ ही एमआरआई सेवा भी शीघ्र प्रारंभ किए जाने की प्रक्रिया प्रगति पर है, जिससे आमजन को अधिक व्यापक और आधुनिक डायग्नोस्टिक सुविधाएं उपलब्ध हो सकेंगी।उन्होंने रक्त उपलब्धता एवं आपातकालीन चिकित्सा सेवाओं को मजबूत बनाने के लिए किए गए प्रयासों की भी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि अस्पताल के ब्लड बैंक को स्टेट कैंसर इंस्टीट्यूट, जयपुर के सहयोग से और अधिक सुदृढ़ किया गया है। इसके अतिरिक्त अस्पताल में ट्रॉमा सेवाएं प्रारंभ कर दी गई हैं तथा भविष्य में इन सेवाओं के चरणबद्ध उन्नयन की कार्यवाही भी की जाएगी। सवाई मानसिंह मेडिकल कॉलेज के प्रधानाचार्य डॉ. दीपक माहेश्वरी ने बताया कि सवाई मानसिंह अस्पताल की फैकल्टी एवं आरयूएचएस के इन्फ्रास्ट्रक्चर का उपयोग करते हुए यहां आर्थोपेडिक्स एवं जनरल सर्जरी की सेवाओं को और मजबूत किया जाएगा। इससे सवाई मानसिंह अस्पताल में भी रोगी भार कम हो सकेगा और रोगियों को उपचार के लिए एक बेहतर विकल्प मिल सकेगा।

कासगंज में दो बसों की भिड़ंत में राजस्थान के दो श्रद्धालुओं की मौत

कासगंज। कासगंज जनपद में मथुरा-बरेली राष्ट्रीय राजमार्ग पर शनिवार तड़के दो बसों की भिड़ंत में राजस्थान के दो श्रद्धालुओं की मौत हो गई, जबकि 36 अन्य यात्री घायल हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस अधीक्षक ओ पी सिंह के अनुसार सोरों कोतवाली क्षेत्र में जिलाधिकारी कार्यालय के सामने राजस्थान के भरतपुर डिपो की एक बस और उत्तर प्रदेश के एटा डिपो की रोडवेज बस आमने-सामने टकरा गईं। इस दुर्घटना में राजस्थान के भरतपुर जिले के बयाना थाना क्षेत्र के फरसो गांव के गिरिराज (80) तथा सेवा कुरवारियां गांव के प्रीतम (65) मौके पर ही मौत हो गई।

सिंह के अनुसार हादसे में हताहत हुए लोग अधिकांश यात्री गंगा स्नान के लिए सोरों शूकरक्षेत्र आ रहे थे। पुलिस अधीक्षक के अनुसार स्थानीय लोगों और पुलिसकर्मियों ने घायलों को बसों से बाहर निकाला तथा उन्हें सोरों के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया। सिंह के मुताबिक बाद में सभी घायलों को जिला अस्पताल ले जाया गया, जहां से दो गंभीर रूप से घायल यात्रियों को बेहतर उपचार के लिए अलीगढ़ रेफर किया गया है।

पानी के मामूली विवाद में छोटे भाई ने की बड़े भाई की निर्मम हत्या

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोटपूतली-बहरोड़। जिले के प्रागपुरा थाना इलाके के बेरीबांध गांव में पानी के मामूली विवाद को लेकर एक सनसनीखेज और दिल दहला देने वाली वारदात सामने आई है। यहाँ पानी का उपयोग ज्यादा करने की बात पर हुए आपसी झगड़े में एक छोटे भाई ने अपने ही सगे बड़े भाई पर कुल्हाड़ी से ताबड़तोड़ हमला कर उसे मौत के घाट उतार दिया। इस खूनी संघर्ष में बीच-बचाव करने आए एक अन्य बड़े भाई पर भी जानलेवा हमला किया गया, जिससे उनका सिर फट गया। घटना के बाद से ही सभी आरोपी मौके से फरार हैं, जिनकी तलाश में पुलिस जुटी हुई है। पानी पीने के दौरान शुरू हुआ विवाद प्रागपुरा थाना प्रभारी भजनाराम ने घटना की जानकारी देते हुए बताया कि यह खूनी वारदात शुक्रवार रात करीब 9 बजे बेरीबांध गांव की 'दयाराम सिंह की ढाणी' में घटित हुई। हमले में 58 वर्षीय अशोक कुमार की मौत हो गई है। इस संबंध में मृतक के 32 वर्षीय पुत्र अमित सिंह ने प्रागपुरा थाने में नामजद प्राथमिकी (ऋख्रठ) दर्ज कराई है।

दर्ज रिपोर्ट के अनुसार, शुक्रवार रात करीब 9 बजे अशोक कुमार अपने घर के बाहर बनी पानी की टंकी पर पानी पी रहे थे। इसी दौरान उनका छोटा भाई मुकेश सिंह, उसका बेटा श्याम सुंदर, संदीप सिंह और चाची कुसुम कंवर हाथ में कुल्हाड़ी और फरसा जैसे धारदार हथियार लेकर वहां पहुँचे। आरोपी पक्ष पानी का अधिक इस्तेमाल करने की बात को लेकर अशोक कुमार से उलझ गया और देखते ही देखते विवाद बेहद हिंसक हो गया।

अमित ने पुलिस को बताया कि विवाद के दौरान चारों आरोपियों ने मिलकर उसके पिता अशोक कुमार पर हथियारों से ताबड़तोड़ वार करने शुरू कर दिए। हमले से घबराकर पिता अपनी जान बचाने के लिए घर के भीतर की ओर भागे, लेकिन हमलावर हथियारों के साथ उनके पीछे-पीछे दौड़े। अत्यधिक खून बह जाने के कारण अशोक कुमार घर के सामने ही जमीन पर गिर पड़े। बीच-बचाव करने आए भाई को भी नहीं बख्शा: जब लहूलुहान अशोक कुमार को बचाने के लिए उनके सबसे बड़े भाई (ताऊजी) उम्मेद सिंह बीच में आए, तो निर्दयी हमलावरों ने उन पर भी रहम नहीं खाया। आरोपियों ने उम्मेद सिंह के सिर पर भी कुल्हाड़ी से जोरदार वार कर दिया, जिससे वे गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना की सूचना मिलते ही प्रागपुरा थाना पुलिस तुरंत दलबल के साथ मौके पर पहुँची और घायल उम्मेद सिंह को तुरंत नजदीकी अस्पताल भिजवाया। पुलिस ने मृतक अशोक कुमार के शव को अपने कब्जे में लेकर अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया, जहाँ शनिवार सुबह पोस्टमार्टम की कार्रवाई के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया है।

थाना प्रभारी का वक्तव्य: थाना प्रभारी भजनाराम ने बताया कि पीड़ित पक्ष की रिपोर्ट पर हत्या और जानलेवा हमले की विभिन्न गंभीर धाराओं में मामला दर्ज कर लिया गया है। पुलिस ने आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए अलग-अलग टीमें गठित की हैं और संभावित ठिकानों पर दबिश दी जा रही है। जल्द ही सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

लुप्त होती दृश्य और प्रदर्शन कलाओं के संरक्षण के लिए हो प्रभावी प्रयास : राज्यपाल

जयपुर/दक्षिण भारत । राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने लुप्त होती दृश्य और प्रदर्शन कलाओं के संरक्षण के लिए प्रभावी प्रयास किए जाने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने राजस्थान, महाराष्ट्र, गोवा, दमनदीव, गुजरात आदि की लोककलाओं के दस्तावेजीकरण कर उनके संरक्षण के साथ ऐसी कलाओं को रोजगार से जोड़ पारम्परिक कलाकारों को प्रोत्साहित किए जाने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि आधुनिक वस्त्रों, घरेलू सज्जा और विश्व कला बाज़ार में हमारी आंचलिक कलाओं को कैसे पहचान मिले और कैसे इससे पारम्परिक कलाकारों को अधिकाधिक लाभान्वित किया जा सकता है, इस पर विशेष रूप से कार्य किया जाए। बागड़े शनिवार को गोवा में आयोजित पश्चिम क्षेत्र सांस्कृतिक कला केन्द्र की शाषी परिषद की बैठक में संबोधित कर रहे थे। बैठक में गोवा के राज्यपाल पुसापति अशोक गजपति राजू भी उपस्थित रहे। राज्यपाल बागड़े ने कहा कि पश्चिमी क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र निरंतर यह प्रयास करे कि हमारी आंचलिक कलाओं को वैश्विम स्तर पर मंच मिले। उन्होंने कहा कि लोक कलाओं से ही आधुनिक कलाओं का संसार बना है, इसलिए उनका संरक्षण हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। राज्यपाल ने बैठक में पश्चिम क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र की गतिविधियों के बारे में विस्तार से जानकारी प्राप्त की और कहा कि केन्द्र नियमित गतिविधियों के रूप में कलाआयोजन तो कराए ही परन्तु कलाकारों की कला को विश्व स्तर पर स्थापित कैसे किया जाए, इस पर भी विशेष रूप से कार्य करे। इसके लिए उन्होंनें आंचलिक कलाओं की बाजार संभावनाओं, विपणन से जुड़ी क्रियाओं और कलात्मक बोध जगाने से जुड़े आयोजन अधिकाधिक करवाए जाने की आवश्यकता जताई। राज्यपाल को बैठक में बताया गया कि एक अप्रैल 2024 से 31 मार्च 2026 तक पश्चिम क्षेत्र सांस्कृति केन्द्र द्वारा 114 कोरसांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित कर 5 हजार 961 कलाकारों को लाभान्वित किया गया है।

मुख्यमंत्री ने देखी 'भारत भाग्य विधाता' फिल्म

जयपुर। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शुक्रवार को यहां 'भारत भाग्य विधाता' फिल्म देखी। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी, सांसद मंजू शर्मा, अभिनेत्री एवं सांसद कंगना रनौत भी मौजूद थीं। आधिकारिक बयान के अनुसार मुख्यमंत्री शर्मा ने इस अवसर पर कहा कि 'राष्ट्र प्रथम' की भावना और समाज के प्रति संवेदनशीलता ही नागरिक की सबसे बड़ी पहचान होती है। उन्होंने कहा कि राष्ट्र को सर्वोपरि मानकर अपना सर्वस्व समाज और देश के लिए समर्पित करने वाले गुमनाम नायकों की प्रेरक गाथा को फिल्म 'भारत भाग्य विधाता' में प्रभावशाली रूप में प्रस्तुत किया गया है।

योगी ने सपा प्रमुख की बेटी के खिलाफ टिप्पणियों की निंदा की, सपा कार्यकर्ताओं को भी किया आगाह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

आजमगढ़ (उप्र)/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव की बेटी के खिलाफ सोशल मीडिया पर की गई कथित अपमानजनक टिप्पणियों की निंदा करते हुए कहा कि किसी भी बेटी के खिलाफ ऐसी टिप्पणियां अस्वीकार्य हैं और मामले में पुलिस कार्रवाई की जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि यादव को दूसरों के खिलाफ टिप्पणी करने से पहले अपने पार्टी कार्यकर्ताओं पर लगाम लगानी चाहिए।

योगी ने 955 करोड़ रुपए से अधिक की 39 विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास करने के बाद आजमगढ़ में एक सभा को संबोधित करते हुए कहा कि मामला उनके संज्ञान में आते ही उन्होंने पुलिस को प्राथमिकी दर्ज करने का निर्देश दिया था। उन्होंने कहा, मैं हाल में देख रहा था कि कुछ लोग सोशल मीडिया पर अखिलेश यादव जी की बेटी के खिलाफ टिप्पणी कर रहे थे। जैसे ही यह मेरे संज्ञान में आया, मैंने तुरंत पुलिस को इसके खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने के लिए कहा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि बेटियों को निशाना नहीं बनाया जाना चाहिए और समाज को सार्वजनिक चर्चा में गरिमा बनाए रखनी चाहिए। उन्होंने कहा, बेटी तो बेटी होती है। हम इन मूल्यों के साथ बड़े हुए हैं कि गांव की बेटी सबकी बेटी होती है और गांव की बहन सबकी बहन होती है। हमने कभी कोई भेदभाव नहीं किया।

सपा मुखिया पर निशाना साधते हुए योगी आदित्यनाथ ने कहा, अखिलेश जी, आप दूसरों को तो सलाह देते ही हैं, लेकिन अपने समर्थकों और कार्यकर्ताओं को भी भाषा संयमित रखने की सलाह दीजिए। उन्होंने कहा कि लोगों को दूसरों के बारे में टिप्पणी करने से पहले सोचना चाहिए और महिलाओं, बुजुर्गों, मृत व्यक्तियों एवं वरिष्ठ नेताओं के खिलाफ जिस तरह की भाषा का इस्तेमाल किया जा रहा है उस पर विचार करना चाहिए। उन्होंने (यादव के सिलसिले में) कहा, आपको भी अपने लोगों को सिखाने की जरूरत है। बेहतर होगा कि आप उन्हें समझाएं और अगर वे नहीं समझ सकते तो उन्हें हमारे हवाले कर दें, हम उन्हें ठीक से समझा देंगे।

यह टिप्पणी अखिलेश यादव की बेटी अदिति यादव के खिलाफ कथित 'ऑनलाइन ट्रोलिंग' और आपत्तिजनक टिप्पणियों के बाद समाजवादी पार्टी और संबद्ध संगठनों द्वारा की गई शिकायतों के बाद आई है। मामले को लेकर कानपुर समेत कुछ जिलों की पुलिस ने कार्रवाई शुरू कर दी है और मामला भी दर्ज कर लिया है।

मुख्यमंत्री ने इस मौके पर अपने संबोधन में कहा कि समाजवादी पार्टी का गढ़ माने जाने वाले आजमगढ़ को पहले अपनी पहचान बनाने के लिए संघर्ष करना पड़ रहा था, लेकिन अब बेहतर कनेक्टिविटी और नए संस्थानों के साथ यह विकास की राह पर आगे बढ़ रहा है।

योगी ने कहा कि जिन्हें जिले में बार-बार जनता का समर्थन मिला, वे ज़रूरी नहीं हैं कि उनके शुभचिंतक भी हों। उन्होंने कहा, ''जिन्होंने समाज को बांटा, उन्हें आपका समर्थन तो मिलता रहा, लेकिन वे कभी आपके सच्चे शुभचिंतक नहीं रहे।

प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत ने विकास में नया मुकाम हासिल किया है : अन्नापूर्णा देवी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

धनबाद (झारखंड)/भाषा। केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री अन्नापूर्णा देवी ने शनिवार को दावा किया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश ने विकास और वैश्विक प्रतिष्ठा के क्षेत्र में एक नया मुकाम हासिल किया है। उन्होंने कहा कि युवाओं, महिलाओं, किसानों और गरीबों तक कल्याणकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाना सरकार की प्राथमिकताओं में शामिल रहा है।

उन्होंने यहां पत्रकारों से बातचीत करते हुए कहा, मैं प्रधानमंत्री को सबसे लंबे समय तक एक निर्वाचित प्रधानमंत्री के रूप में देश की जनता की सेवा करने के लिए बधाई देती हूं। राष्ट्र के 'प्रधान सेवक' के रूप में 12 वर्ष के कार्यकाल के दौरान उन्होंने लगातार महिलाओं, युवाओं, किसानों और आम लोगों के हित में योजनाएं तैयार करने पर ध्यान केंद्रित किया है।

कांग्रेस शासन काल में गरीब मिट गए, लेकिन गरीबी नहीं मिटी : गिरिराज सिंह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

रायपुर/भाषा। केंद्रीय कपड़ा मंत्री गिरिराज सिंह ने शनिवार को कहा कि कांग्रेस शासन काल में गरीब मिट गए, लेकिन गरीबी नहीं मिटी, जबकि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार के दौरान 25 करोड़ लोगों को गरीबी रेखा के ऊपर लाया गया है।

सिंह ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार के 12 वर्ष पूरे होने के अवसर पर यहां प्रेसवार्ता में कहा,''हमने ग्राम पंचायत से लेकर संसद तक जीत का शतक बनाया और कांग्रेस ने हार का शतक बनाया। हमारी 22 राज्यों में सरकार है। मोदी ने अपने 12 वर्षों के कार्यकाल में विकास के साथ विरासत का संरक्षण और विरासत के साथ विकास का संवर्धन करने का काम किया है।''

प्रेसवार्ता को मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने भी संवाददाताओं को संबोधित किया। उन्होंने कहा, '' मोदी ने पहली बार वन नेशन वन टैक्स की व्यवस्था लागू करके भारत की अर्थव्यवस्था सुधारने की दिशा में अहम कार्य किया। आज दुनिया के 22 देश भारत के साथ भारतीय मुद्रा रुपए में कारोबार कर रहे हैं। यह हर भारतीय के लिए गर्व का विषय है। मोदी सरकार ने 16 लाख करोड़ रुपए के बजट को 53.5 लाख करोड़ रुपए तक लाने का काम किया है।'' सिंह ने कहा कि आज दुनिया में भारत की अर्थव्यवस्था 10वें स्थान से चौथे-छठे स्थान पर आ गयी। उन्होंने कहा, '' देश में 25 करोड़ लोगों को गरीबी रेखा के ऊपर लाया गया है। कांग्रेस शासन काल में गरीब मिट गए, लेकिन गरीबी नहीं मिटी ।''

सिंह ने हर देश के मोदी से हाथ मिलाने को इच्छुक रहने का दावा करते हुए कहा कि आज दुनिया कह रही है कि भारत की विदेश नीति सबसे अच्छी है तथा प्रधानमंत्री मोदी वही करते हैं जो देश के लिए हितकर होता है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी गरीबी में पैदा हुए हैं गरीबी को जिया है, वह गरीबों की तकलीफ जानते हैं।

सिंह ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर कटाक्ष करते हुए कहा, ''देश के एक युवराज संप्रग शासन में गरीबी सीखने कलावती के घर गए थे । वह युवराज कुलियों के बीच गरीबी देखने जाते हैं। मोदी ने कुलियों को चाय पिलायी है। यह अंतर है।''

साय ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी का 12 वर्षों का यह कार्यकाल स्वर्णिम और ऐतिहासिक काल रहा है। उन्होंने कहा, ''प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में नए भारत का निर्माण हो रहा है। एक समृद्ध और सशक्त भारत का निर्माण हो रहा है। एक ऐसा भारत जो किसी को छेड़ता नहीं है और छेड़ने वाले को छोड़ता भी नहीं है। वह दुश्मनों को घर में घुसकर मारता है। ऐसे नए भारत का निर्माण प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में हुआ है।''

साय ने जन-धन योजना, 81 करोड़ से ज्यादा देशवासियों को मुफ्त राशन दिये जाने, आयुष्मान भारत योजना , प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना आदि का उल्लेख किया।

मुख्यमंत्री ने कहा, ''2014 से 2026 तक की हमारी यह 12 वर्ष की यात्रा निरंतर 'प्रगति पथ पर अग्रसर' रही है। हमने 'सशक्त, समृद्ध और सुरक्षित भारत' का जो संकल्प लिया था, वह आज पूरी तरह साकार हो रहा है। प्रधानमंत्री मोदी का स्पष्ट कहना है कि विकास हमारे लिए 24 घंटे, सातों दिन और 12 महीने चलने वाला मिशन है। आज हमारी कार्यसंस्कृति बदल चुकी है, अब 'जिसका शिलान्यास हम करते हैं, उसका उद्घाटन भी हम ही करते हैं।''

साय ने कहा, ''पिछले 12 वर्षों में, हमने सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास के मंत्र को केवल कागजों पर नहीं, बल्कि धरातल पर कंक्रीट, स्टील, ऑप्टिकल फाइबर और लाखों करोड़ों रुपए के निवेश के रूप में उतरते देखा है। पिछले 12 वर्षों में देश का विकास तो हुआ ही है। हमारी सांस्कृतिक चेतना और राष्ट्रीय गौरव को भी एक नया मुकाम मिला है।''

पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने जनता दरबार लगाया, लोगों की शिकायतें सुनीं

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने शनिवार को भाजपा कार्यालय में अपना जनता दरबार लगाया, जहां उन्होंने विभिन्न मुद्दों पर लोगों की शिकायतें सुनीं और अधिकारियों को उनका शीघ्र समाधान करने के निर्देश दिए।

पहला 'जनता दरबार' 18 मई को आयोजित किया गया था। मुख्यमंत्री पद संभालने के बाद अधिकारी ने इस साप्ताहिक कार्यक्रम की घोषणा करते हुए कहा था कि नागरिक हर सप्ताह सीधे उनसे मिल सकेंगे।

शनिवार को गंभीर बीमारियों से पीड़ित लोगों के परिजन, स्वास्थ्यकर्मी और नौकरी की तलाश कर रहे लोग बड़ी संख्या में अपनी शिकायतें दर्ज कराने और मुख्यमंत्री को अपनी समस्याओं से अवगत कराने पहुंचे। जनता दरबार में पहुंचे लोगों में से एक करुणा ने बताया कि वह अपनी बेटी के इलाज के लिए आर्थिक सहायता मांगने आई हैं।

वहीं, एक अन्य महिला तनिमा चटर्जी नौकरी की सुरक्षा की मांग को लेकर मुख्यमंत्री के साप्ताहिक शिकायत निवारण कार्यक्रम में शामिल हुईं। वह सरकार की मिशन वात्सल्य पहल में कार्यक्रम अधिकारी हैं। उन्होंने कहा, ''हम कठिन परिस्थितियों में रह रहे बच्चों के लिए परिवार-आधारित और गैर-संस्थागत देखभाल को बढ़ावा देते हैं। राज्य में 876 कर्मचारी कार्यरत हैं, फिर भी हमें नौकरी की सुरक्षा नहीं मिली है। हमें केवल एकमुश्त मानदेय दिया जाता है।''

चटर्जी ने कहा, ''पिछली सरकार ने हमारे लिए कभी कुछ नहीं किया, लेकिन हमें उम्मीद है कि भाजपा सरकार हमारी नौकरियों को स्थायी करेगी।''

झारखंड में चोरी के 174 स्मार्टफोन ट्रेन से जब्त

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

साहिबगंज (झारखंड)/भाषा। झारखंड के साहिबगंज जिले में पश्चिम बंगाल के दो लोगों को एक ट्रेन से गिरफ्तार किया गया, जिनके पास से लगभग 59 लाख रुपए मूल्य के चोरी के 174 स्मार्टफोन बरामद हुए। एक अधिकारी ने शनिवार को यह जानकारी दी।

अधिकारी ने बताया कि एक गोपनीय सूचना के आधार पर रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) ने बड़हरवा स्टेशन पर वनांचल एक्सप्रेस से उन दोनों को पकड़ा।

आरपीएफ बड़हरवा के निरीक्षक संजीव कुमार ने बताया कि आरोपी पश्चिम बंगाल के मालदा जिले के रहने वाले हैं और कथित तौर पर इन स्मार्टफोन को बांग्लादेश और नेपाल में गैर-कानूनी रूप से बेचने के लिए ले जा रहे थे।

आरपीएफ अधिकारी ने कहा, ''इसके बाद, एक टीम ने गुमानी और बड़हरवा रेलवे स्टेशनों के बीच तलाशी अभियान शुरू किया। जनरल कोच की जांच के दौरान आरपीएफ कर्मियों ने दो संदिग्ध यात्रियों की पहचान की। आरपीएफ टीम को देखते ही संदिग्धों ने चलती ट्रेन से कूदकर भागने की कोशिश की।'' उन्होंने कहा कि हालांकि, आरपीएफ के जवानों ने उन्हें रोका और पकड़ लिया।

आरपीएफ निरीक्षक ने बताया कि बड़हरवा स्टेशन पर उनके बैग की बारीकी से तलाशी लेने पर इस्तेमाल किए हुए 174 स्मार्टफोन बरामद हुए। उन्होंने कहा, ''जब्त किए गए स्मार्टफोन की कुल अनुमानित बाजार कीमत 58.95 लाख रुपए से अधिक है।'' उन्होंने बताया कि पूछताछ के दौरान दोनों व्यक्ति इस बात का संतोषजनक जवाब नहीं दे पाए कि ये मोबाइल फोन कहां से मिले, जिसके बाद सभी स्मार्टफोन जब्त कर लिये गए।

असम मंत्रिमंडल ने 18 वर्ष से अधिक आयु के लोगों को आधार जारी नहीं करने का फैसला किया : हिमंत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गुवाहाटी/भाषा। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने शनिवार को कहा कि मंत्रिमंडल ने अवैध प्रवासियों को आधार कार्ड हासिल करने से रोकने के लिए 18 वर्ष से अधिक आयु वाले लोगों को यह कार्ड जारी नहीं करने का फैसला किया है।

शर्मा ने मंत्रिमंडल की बैठक की अध्यक्षता करने के बाद यहां संवाददाता सम्मेलन में कहा कि असाधारण मामलों में आधार कार्ड जारी करने की अनुमति के लिए जिला आयुक्त को राज्य सरकार को प्रस्ताव भेजना होगा।

मुख्यमंत्री ने संवाददाताओं को बताया कि इसके बाद सरकार यह फैसला करेगी कि आवेदक आधार कार्ड के लिए पात्र है या नहीं।

शर्मा ने कहा कि राज्य में आधार कार्ड जारी करने की प्रक्रिया ऐसी स्थिति में पहुंच गई है, जहां लगभग सभी पात्र लोगों को आधार कार्ड जारी किए जा चुके हैं। उन्होंने कहा, ''कुछ जिलों में यह आंकड़ा 100 प्रतिशत से भी अधिक हो गया है और हमें यह पता लगाना होगा कि ये लोग कौन हैं, जो अतिरिक्त आधार कार्ड बनवा रहे हैं।''

शर्मा ने कहा कि यह कदम यह सुनिश्चित करने के लिए उठाया जा रहा है कि किसी भी अवैध बांग्लादेशी को आधार कार्ड न मिले।

चाय बागान समुदाय और अनुसूचित जनजातियों के लोगों को हालांकि आधार कार्ड जारी किए जाते रहेंगे, क्योंकि इनमें से कई लोगों को अब तक आधार कार्ड नहीं मिले हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा, ''हालांकि, एक अप्रैल, 2027 से यह रोक पूरी तरह लागू हो जाएगी और उस तारीख से इन समुदायों के भी 18 वर्ष से अधिक आयु के लोगों को आधार कार्ड जारी नहीं किए जाएंगे।'' हालांकि, 18 वर्ष से कम आयु वाले लोगों को आधार कार्ड जारी किए जाते रहेंगे।

शर्मा ने पहले कहा था कि राज्य सरकार आधार कार्ड जारी करने के मामले में ''बहुत सख्ती'' बरतेगी और असम में यह दस्तावेज हासिल करना आसान नहीं होगा। उन्होंने पिछले साल कहा था कि असम सरकार बांग्लादेश से अवैध आव्रजन पर रोक लगाने के अपने प्रयासों के तहत वयस्कों को आधार कार्ड जारी करने के लिए कड़े नियम बनाने पर विचार कर रही है।

शर्मा ने शनिवार को कहा कि मंत्रिमंडल ने राज्य में वीबी जी राम जी अधिनियम के लिए एक कार्यढांचा लागू करने को भी मंजूरी दे दी है। उन्होंने कहा कि इसे एक जुलाई से लागू किया जाएगा। उन्होंने कहा कि इसके लिए 2,000 करोड़ रुपए का बजट रखा गया है और नए ग्रामीण रोजगार सृजन कानून के तहत प्रत्यक्ष मजदूरी वाले रोजगार के लिए 125 मानव-दिवस उपलब्ध कराए जाएंगे।

शर्मा ने कहा कि इस कानून के तहत रोजगार देने के अलावा, मानव दिवसों से परिसंपत्तियों के निर्माण पर भी जोर दिया जाएगा।

कैबिनेट ने महानगर और उसके आस-पास उपग्रह शहरों की योजना बनाने, उनके लिए निधि जुटाने और उन्हें विकसित करने के लिए गुवाहाटी सैटेलाइट सिटीज़ डेवलपमेंट अथॉरिटी (जीएससीडीए) बनाने को भी मंज़ूरी दी।

यह गुवाहाटी मेट्रोपॉलिटन डेवलपमेंट अथॉरिटी के अधिकार क्षेत्र में होगा।

'नई शिक्षा नीति के जरिए खेल और शारीरिक शिक्षा को बढ़ावा दिया गया'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भोपाल/भाषा। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने शनिवार को यहां निशानेबाजी की एक अकादमी में खिलाड़ियों से संवाद किया और कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने नई शिक्षा नीति (एनईपी) के माध्यम से खेल और शारीरिक शिक्षा को बढ़ावा देने का काम किया है।

प्रधान ने मध्यप्रदेश के खेल एवं युवा कल्याण मंत्री विश्वास सारंग के साथ खिलाड़ियों से मुलाकात की। यह कार्यक्रम प्रधानमंत्री मोदी के कार्यकाल के 12 वर्ष पूरे होने के अवसर पर आयोजित किया गया।

प्रधान ने कहा, ''प्रधानमंत्री के नेतृत्व में देश में पहली बार कौशल आधारित कार्यों को बढ़ावा देने की दिशा में प्रभावी पहल की गई है।'' उन्होंने कहा कि खेल और पढ़ाई को साथ-साथ आगे बढ़ाने के लिए अलग पाठ्यक्रम विकसित किया जा रहा है।

एक आधिकारिक बयान के अनुसार, प्रधान ने कहा कि खिलाड़ियों की 'अपार आईडी' के माध्यम से उनकी शैक्षणिक उपलब्धियों और खेल उपलब्धियों को जोड़ा जाएगा। साथ ही अंतर-खेल गतिविधियों को भी क्रेडिट स्कोर से जोड़ने की व्यवस्था की जा रही है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने पहली बार भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थानों (आईआईटी) जैसे संस्थानों में खेल कोटा शुरू किया है।

प्रधान ने कहा, ''अगले 20 वर्षों में हमें आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ना है। वर्ष 2036 के ओलंपिक हमारे लक्ष्य का हिस्सा हैं।''

इससे पहले प्रधान ने मुख्यमंत्री मोहन यादव से उनके निवास पर मुलाकात की।

प्रधान ने कहा, ''जब देश आजादी के 100 वर्ष पूरे करेगा, तब भारत एक विकसित राष्ट्र और वैश्विक महाशक्ति के रूप में आगे बढ़ेगा।''

बयान के अनुसार, मुख्यमंत्री यादव ने प्रधान को बाबा महाकाल की प्रतिकृति भेंट की।

बैठक के दौरान मुख्यमंत्री ने राज्य में शिक्षा क्षेत्र की विभिन्न पहलों, नई शिक्षा नीति के क्रियान्वयन तथा कौशल विकास गतिविधियों की जानकारी दी।

आईपीएल में विदेशी खिलाड़ियों की उपलब्धता पर हस्तक्षेप नहीं करेगा बीसीसीआई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

धर्मशाला/भाषा। हाल में खत्म हुए इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) सत्र के दौरान फ्रेंचाइजी की चिंताओं के बावजूद भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) विदेशी खिलाड़ियों और उनकी टीम के बीच उनकी उपलब्धता को लेकर कोई मध्यस्थता नहीं करेगा।

बीसीसीआई ने उन विदेशी खिलाड़ियों पर प्रतिबंध लगाया हुआ है जो नीलामी में खरीदे जाने के बाद टूर्नामेंट से हट जाते हैं। लेकिन दो महीने तक चलने वाले आईपीएल में खिलाड़ियों की उपलब्धता अभी भी एक मुद्दा बनी हुई है।

जोश हेजलवुड, पैट कमिंस और मिचेल स्टार्क जैसे खिलाड़ी मामूली चोटों के कारण टूर्नामेंट के शुरुआती हिस्से में उपलब्ध नहीं थे। स्टार्क की अनुपस्थिति का दिल्ली कैपिटल्स पर प्रतिकूल असर पड़ा।

राजस्थान रॉयल्स के मुख्य कोच कुमार संगकारा ने प्लेऑफ अभियान के बाद सैम करन के चोट के कारण आईपीएल से हटने के बाद ब्रिटेन में टी20 खेलने पर निराशा व्यक्त की थी। पंजाब किंग्स के सह-मालिक मोहित बर्मन का कहना है कि बीसीसीआई और अन्य बोर्डों को विदेशी खिलाड़ियों की उपलब्धता पर बेहतर तालमेल बिठाने की जरूरत है।

संगकारा ने कहा था, ''हमें बताया गया था कि सैम करन को ऐसी चोट लगी है जिससे वह पूरे सत्र के लिए बाहर हो गए हैं। लेकिन मैंने उन्हें सरे के लिए दो-तीन मैच खेलते हुए देखा है। इसलिए यह निराशाजनक था। '' हालांकि बीसीसीआई का मानना है कि इस विवादित मामले को खिलाड़ी और उनकी फ्रेंचाइजी के बीच ही सुलझाया जाना चाहिए क्योंकि ''वही खिलाड़ियों के संरक्षक होते हैं।'' बोर्ड का यह भी मानना है कि आखिरी समय में नाम वापस लेने पर लगने वाला दो साल का प्रतिबंध काफ़ी कड़ा है और खिलाड़ी फ्रेंचाइजी से सलाह मश्विरा करके अपना फैसला लेने के लिए स्वतंत्र हैं। आर्चर राजस्थान रॉयल्स के लिए खेलते हैं। इंग्लैंड एवं वेल्स क्रिकेट बोर्ड चाहता था कि आर्चर अपने कार्यभार को प्रबंधित करें लेकिन इसके बावजूद उन्होंने पूरे टूर्नामेंट के लिए खुद को उपलब्ध कराया।

अभिषेक बनर्जी के कोलकाता स्थित आवास पर तलाशी से पश्चिम बंगाल में राजनीतिक भूचाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल पुलिस और केंद्रीय बलों ने कथित वित्तीय धोखाधड़ी के एक मामले में तृणमूल कांग्रेस के नेता एवं सांसद अभिषेक बनर्जी के आवास पर कई घंटे तक तलाशी ली। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

अधिकारियों ने बताया कि यह कार्रवाई उनके करीबी सहयोगी की तलाश में की गई थी और इस घटनाक्रम से पश्चिम बंगाल की राजनीति में तनाव और बढ़ने की संभावना है।

पश्चिम मेदिनीपुर के शालबनी थाने की टीम के नेतृत्व में और कोलकाता पुलिस की मदद से चलाया गया यह तलाशी अभियान बीती रात लगभग दो बजे शुरू हुआ। इस कार्रवाई को तृणमूल कांग्रेस ने ''राजनीतिक प्रतिशोध'' करार दिया, जबकि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेताओं ने जोर दिया कि जांच अधिकारियों ने सिर्फ तय प्रक्रियाओं का पालन किया।

तलाशी की खबर मिलते ही ममता बनर्जी अपने भतीजे अभिषेक के आवास तुरंत पहुंचीं और तलाशी पूरी होने तक तथा पुलिस के परिसर से जाने तक वह वहीं मौजूद रहीं।

पुलिस सूत्रों ने बताया कि इस तलाशी का मुख्य मकसद अभिषेक के निजी सहायक सुमित रॉय का पता लगाना था, जो शालबनी थाने में दर्ज ''वित्तीय धोखाधड़ी'' के मामले में जारी जांच के सिलसिले में वांछित है।

सूत्रों के मुताबिक, रॉय के मोबाइल फोन की आखिरी 'लोकेशन' अभिषेक के कालीघाट स्थित आवास पर थी, जिसके बाद जांच अधिकारियों ने यह अभियान शुरू किया।

अधिकारियों ने बताया कि पुलिसकर्मियों ने अभिषेक के कालीघाट स्थित आवास का दरवाजा कई बार खटखटाया, लेकिन किसी ने दरवाजा नहीं खोला और उन्होंने करीब चार घंटे तक बाहर इंतजार किया।

तृणमूल ने आरोप लगाया कि पुलिस टीम ने तलाशी अभियान के लिए ताला तोड़ा और (पुलिस) अभिषेक के परिसर में घुस गई।

सुविचार

कर्म वो शीशा है जो हमारा असली चेहरा हमें दिखा देता है, भाग्य पर तो सिर्फ वो भरोसा करते हैं जिन्हें खुद पर यकीन नहीं होता।

ट्वीट

डीआरडीओ द्वारा मल्टी-टियर बैलिस्टिक मिसाइल डिफेंस सिस्टम और मीडियम-रेंज एंटी-शिप मिसाइल का सफल टेस्ट भारत की बढ़ती स्ट्रेटेजिक ताकत, आत्मनिर्भर डिफेंस क्षमताओं और साइंटिफिक एक्सीलेंस का एक मज़बूत सबूत है।

-दिया कुमारी

जोरहाट में इंडियन एयर फ़ोर्स के एयरक्राफ्ट के क्रैश होने की दुखद घटना में स्क्वाड्रन लीडर प्रशांत सिंह , फ़्लाइट लेफ्टिनेंट शुभम कुमार , सार्जेंट जितेंद्र शर्मा , अग्निवीर वायु खेमाराम कुमावत और अग्निवीर वायु दानिश आलम जी के शहीद होने की खबर बहुत दिल दहला देने वाली है।

-सचिन पायलट

कहानी

रमेश कुमार 'रिपु'
मोबाइल : 7974304532

एक दिल, दो घर

रायपुर के छोटापारा मोहल्ले की गलियाँ भले ही संकरी थी मगर यहाँ रहने वाले लोगों के दिल अक्सर खुले रहते थे। इसी मोहल्ले में आमने-सामने दो मकान थे। एक में रहते थे आनंद तिवारी और दूसरे में रमजान अली। दोनों की दोस्ती पूरे मोहल्ले में मिसाल मानी जाती थी। दोनों के धर्म अलग थे,पर रिश्ते में कोई दूरी नहीं थी। सुबह की चाय कभी रमजान अली के घर होती तो शाम की गपशप आनंद तिवारी के बरामदे में। ईद पर रमजान अली के घर से कटोरा भर सेवइयां आनंद तिवारी के घर पहुँच जाता, और होली पर तिवारी जी की पत्नी अपने हाथ की गुजिया रमजान के बच्चों के लिए भेजना नहीं भूलती। मगर इस दोस्ती के बीच एक अजीब विडंबना थी। दोनों के बच्चे एक-दूसरे से अक्सर उलझ पड़ते थे। धर्म और रीति-रिवाजों को लेकर उनकी छोटी-छोटी तकरारें कई बार बड़े झगड़े में बदल जाती थी। रमजान अली का बेटा जावेद और आनंद तिवारी का बेटा समीर छोटी-छोटी बातों पर भिड़ जाते।

तुम लोग काफ़िर हो हमारे त्योहारों में मत आया करो।

जावेद ताने देता।

समीर भी पीछे नहीं रहता तो तुम लोग हमारी होली में क्यों नहीं आते?

एक दिन मोहल्ले की नाली से बहकर मुर्गे की हडडी आनंद तिवारी के घर के सामने आकर अटक गई। यह देखते ही समीर तिवारी भड़क उठा।

ये जानबूझकर किया है। वह चिल्लाया।

उधर से जावेद भी आ गया।

हमने कुछ नहीं किया, उसने जवाब दिया।

समीर ने गुस्से में कहा कूड़ेदान में फेंक सकते थे, मगर नाली में फेंका ताकि हमारे घर के सामने आए। जानबूझकर किया है।

बात बढ़ते. बढ़ते दोनों में धक्का मुक्की तक पहुंच गई। मौहल्ले वालों को बीच बचाव करना पड़ा। दोनों घरों के बड़े लोग यह सब देखकर सिर हिलाते रहते। मोहल्ले के लोग कई बार इन बच्चों की लड़ाई से परेशान हो जाते।

एक दिन चाय पीते हुए आनंद तिवारी ने कहा समक्षा में नहीं आता रमजान, हमने तो कभी धर्म को दीवार नहीं बनने दिया।

रमजान अली ने मुस्कुराते हुए कहा समय बदल गया है दोस्त, अब लोग पहले धर्म देखते हैं, इंसान बाद में। समय लगेगा दोस्त, एक दिन इन्हें भी समझ आएगा।

रमजान अली और आनंद तिवारी की दोस्ती इतनी गहरी कैसे बनी यह बाल मोहल्ले में बहुत कम लोग जानते थे। क्यों कि यह कहानी कई साल पुरानी थी।

कई साल पहले की बात है रात का समय था। छोटापारा की उस रात में अचानक आग उत्तर आई थी। मोहल्ले में अफरा-तफरी मच गई थी। दुकानें बंद हो गई थी, गलियों में डर का माहौल था। गलियों में भागते लोगों की आवाजें, दूर जलते टायरों का धुआँ और बंद दरवाजों के पीछे सहमी साँसें सब कुछ एक साथ थर्रा रहा था। अफरा-तफरी मच गई थी। हवा में डर और अफवाहें तैर रही थीं। दंगा हो गया दंगा हो गया। किसी ने चिल्लाकर कहा। छोटापारा का माहौल एकदम बदल गया। जो मोहल्ला शाम तक हँसी-मजाक से भरा रहता था,अब वहाँ सन्नाटा था। और उसी भयभीत रात में एक घर के भीतर एक और संघर्ष शुरू हो चुका था, ज़िंदगी और मौत के बीच। रमजान अली के घर से दर्द भरी कराह सुनाई दे रही थी। फरीदा की प्रसव पीड़ा बढ़ती जा रही थी और बाहर पूरा मोहल्ला आग और अफवाहों से घिरा हुआ था।

रमजान अली के घर के अंदर घबराहट मची हुई थी। उनकी पत्नी फरीदा दर्द से कराहते हुए कहा, रमजान लगता है समय आ गया है। रमजान अली घबरा गए। फरीदा गर्भवती थी और उसे अस्पताल ले जाना जरूरी था। लेकिन बाहर दंगे की वजह से कोई वाहन नहीं मिल रहा था। रमजान अली दरवाज़े पर खड़े होकर परेशान नज़र से सड़क की ओर देख रहे थे। तभी गली में एक टैक्सी की हेडलाइट दिखाई दी। टैक्सी आकर उनके घर के सामने रुकी। ड्राइवर सीट से आनंद तिवारी उतरे। उतरते ही उन्होंने पूछा, क्या हुआ रमजान इतनी घबराहट क्यों है?

रमजान अली ने कहा फरीदा को दर्द शुरू हो गया है, मगर बाहर हालात देख रहे हो। आनंद तिवारी ने बिना एक पल गंवाए कहा, चलो, जल्दी भाभी को लेकर आओ।

रमजान अली चौंक गए।

अरे बाहर दंगा है।

आनंद तिवारी ने मुस्कुराकर कहा रमजान भाई, दंगे मजहब के नाम पर होते हैं, मगर बच्चे हमेशा इंसानियत के घर में ही जन्म लेते हैं। दंगा इंसानों ने किया है, इंसानियत ने नहीं।

कुछ ही मिनट में फरीदा को टैक्सी में बैठाया गया। टैक्सी सुनसान सड़कों से होते हुए अस्पताल की ओर दौड़ पड़ी। अस्पताल पहुंचते ही डॉक्टरों ने तुरंत फरीदा को ऑपरेशन थिएटर में ले लिया।

कुछ देर बाद डॉक्टर बाहर आए।

मरीज का बहुत खून बह गया है, तुरंत ब्लड चाहिए।

रमजान अली के चेहरे का रंग उड़ गया। तभी पीछे से आनंद तिवारी की आवाज़ आई, डॉक्टर साहब मेरा ब्लड टेस्ट कर लीजिए।

रमजान अली ने उन्हें देखा। आनंद तिवारी ने हल्की मुस्कान के साथ कहा, भाई जान, अगर मेरा खून फरीदा भाभी को लग सकता है तो ले लीजिए, यह मत सोचिए कि यह किसी हिंदू का खून है। खून का रंग पूछकर नसें नहीं चलती रमजान भाई यह बस दिल से दिल तक रास्ता बना लेता है।

रमजान अली कुछ क्षण तक उन्हें देखते रहे। फिर मन ही मन सोचा में इसे हिंदू समझता था यह तो इंसानियत से भी ऊँचा निकला।

कुछ देर बाद आनंद तिवारी का खून फरीदा को चढ़ाया गया। और उसी रात फरीदा ने एक बेटे को जन्म दिया। रमजान अली ने बच्चे को गोद में लेकर कहा, इसका नाम जावेद होगा।

उस रात के बाद शाम ढलते ही छोटापारा की गली में एक छोटा सा दृश्य रोज बनता था। आनंद तिवारी और रमजान अली दरवाजे पर चारपाई डालकर बैठते और चाय के दो कपों के साथ दिनभर की बात करते। मोहल्ले वाले मजाक में कहते इन दोनों की दोस्ती चाय से भी ज्यादा गरम है।

धीरे-धीरे रमजान अली और आनंद तिवारी के बीच एक ऐसा रिश्ता बन गया था जो खून से भी गहरा था। साल गुजरते गए। दोनों परिवार पड़ोसी की तरह नहीं,रिश्तेदारों की तरह रहने लगे। लेकिन अजीब बात यह थी कि उनकी दोस्ती जितनी गहरी थी, उनके बच्चों की नोक-झोंक उतनी ही ज्यादा थी।

कुछ दिनों बाद रमजान अली अस्पताल गए और अंगदान का फॉर्म भर आए। दिल,किडनी, लीवर और आँखै सब दान करने की सहमति दे दी। घर में सबने विरोध किया। लेकिन रमजान अली हँसकर बोले मरने के बाद शरीर तो मिट्टी हो जाता है, अगर किसी की जिंदगी बच जाए तो क्या बुरा है? उस शाम उन्होंने मजाक में आनंद तिवारी से कहा, अगर कभी तुझे दिल की जरूरत पड़े तो मेरा दिल ले लेना।

दोनों दोस्त देर तक हँसते रहे। उन्हें क्या पता था कि एक दिन यही मजाक सच बन जाएगा। कुछ समय बाद एक सड़क दुर्घटना में रमजान अली की मौत हो गई। पूरा मोहल्ला शोक में डूब गया। आनंद तिवारी जैसे अंदर से टूट गए थे। लेकिन नियति ने अभी एक और मोड़ तैयार कर रखा था। कुछ ही दिनों बाद आनंद तिवारी को दिल का गंभीर दौरा पड़ा।

डॉक्टरों ने कहा इनकी जान बचाने के लिए हार्ट ट्रांसप्लांट करना पड़ेगा। जब डोनर की सूची देखी गई तो एक नाम सामने आया रमजान अली।

यह सुनकर आनंद तिवारी की आँखें भर आई। उन्हें अपने दोस्त की वह हँसी मजाक वाली बात याद आ गई अगर कभी तुझे दिल की जरूरत पड़ी तो मेरा दिल ले लेना। लेकिन असली मुश्किल अभी बाकी थी। रमजान अली के बेटे जावेद ने साफ़ मना कर दिया।

मैं नहीं चाहता कि मेरे अब्बा का दिल आनंद तिवारी को दिया जाए।

डॉक्टरों ने समझाने की कोशिश की। तुम्हारे पिता ने स्वयं अंगदान की सहमति दी थी।

जावेद ने कठोर स्वर में कहा जो भी हो, मैं यह नहीं होने दूंगा।

यह खबर मोहल्ले में आग की तरह फैल गई। कुछ लोग जावेद का समर्थन कर रहे थे ठीक कर रहा है। अपने बाप का दिल किसी हिन्दू को क्यों दे? कोई रिश्तेदार होता या फिर अपनी बिरादरी का होता अथवा जान पहचान का तो बात कुछ और थी।

कुछ लोग कह रहे थे,अरे यह तो उनके आखिर पिता की आखिर इच्छा थी।

तनाव बढ़ता जा रहा था। उधर अस्पताल में आनंद तिवारी की हालत बिगड़ती जा रही थी। एक दिन समीर तिवारी गुस्से में जावेद के घर पहुंच गया।

तुम ऐसा क्यों कर रहे हो? उसने ऊँची आवाज़ में कहा।

जावेद भी भड़क गया।

क्यों कर रहा है? क्योंकि मैं नहीं चाहता कि मेरे अब्बा का दिल तुम्हारे घर में धड़के...।

समीर ने कहा तुम्हें तो गर्व होना चाहिए।

जावेद की आँखै लाल हो गई। गर्व? तुम्हें पता है, मेरे अब्बा को कबाब कितना पसंद

समीर चुप रहा।

जावेद आगे बोला और तुम लोग क्या खिलाओगे? खिचड़ी। वो भी ईद के दिन।

उसकी आवाज़ भरी गई।

उनका दिल यही कहेगा, मुझे किस शरीर में लगा दिया मेरी सारी ख्वाहिशों का जनाज़ा निकाल दिया।

यह सुनकर वहाँ खड़े सभी लोग चुप हो गए। तभी आनंद तिवारी की बेटी नेहा आगे आई।उसने शांत स्वर में कहा जावेद भाई आप एक बात क्यों नहीं सोचते?

सबकी नजरें उसकी ओर उठ गई।

नेहा ने कहा, आपके अब्बा का दिल किसी हिन्दू के सीने में नहीं लगेगा।

वह थोड़ी देर रुकी।

बल्कि एक हिन्दुस्तानी के सीने में लगेगा।

कमरे में सन्नाटा छा गया।नेहा की आवाज़ फिर गूँजी, क्या आप हिन्दुस्तानी नहीं हैं..?

तभी फरीदा धीरे से बोली, जावेद तुम्हें एक बात बतानी है।

फिर उन्होंने दंगे वाली रात की पूरी कहानी सुनाई। कैसे आनंद तिवारी उन्हें अस्पताल ले गए थे और कैसे उन्होंने अपना खून देकर उनकी जान बचाई थी। फिर उन्होंने कहा, अगर आनंद तिवारी उस दिन मुझे खून नहीं देते, तो शायद में भी नहीं बचती, और तुम भी इस दुनिया में नहीं होते।

जावेद की आँखों से आँसू बहने लगे। उसे पहली बार अपने अब्बा और आनंद तिवारी की दोस्ती का असली राज समझ आया। उसे अपने अब्बा की बातें याद आने लगी इंसानियत सबसे बड़ा मजहब है।

कुछ देर बाद उसने धीमी आवाज़ में कहा, अगर मेरे अब्बा का दिल किसी को जिंदगी दे सकता है तो उसे रोकने वाला में कौन होता हूँ..?

डॉक्टरों को तुरंत खबर दी गई। ऑपरेशन की तैयारी शुरू हो गई। कई घंटे चले उस कठिन ऑपरेशन के बाद आखिरकार डॉक्टर बाहर आ कर कहा, ऑपरेशन सफल रहा।

कुछ दिनों बाद आनंद तिवारी अस्पताल से बाहर आए। जावेद उनके सामने खड़ा था। दोनों एक-दूसरे को देखते रहे। फिर आनंद तिवारी ने जावेद को गले लगा लिया। उनकी आँखों में आँसू थे। धीरे से बोले तुम्हारे अब्बा जब भी शाम को आते थे, कहते थे, चलो आनंद, एक कप चाय हो जाए। अब लगता है, मेरे सीने में धड़कता यह दिल हर शाम वही बात दोहरा रहा है। रमजान फिर से मेरे साथ बैठकर चाय पीना चाहता है। जावेद मुस्कुरा पड़ा।

उस दिन दोनों धमाँ की बहसें खत्म हो गई, क्योंकि एक दिल दो घरों के बीच धड़क रहा था। छोटापारा मोहल्ले ने एक सच्चाई फिर से समझी, धर्म अलग हो सकते हैं, रिवाज अलग हो सकते हैं,लेकिन दिल की धड़कन सिर्फ एक भाषा समझती है, इंसानियत की। और सच यही है, आखिर दिल है हिन्दुस्तानी।

> **कुछ दिनों बाद रमजान अली अस्पताल गए और अंगदान का फॉर्म भर आए। दिल,किडनी, लीवर और आँखै सब दान करने की सहमति दे दी। घर में सबने विरोध किया। लेकिन रमजान अली हँसकर बोले मरने के बाद शरीर तो मिट्टी हो जाता है, अगर किसी की जिंदगी बच जाए तो क्या बुरा है? उस शाम उन्होंने मजाक में आनंद तिवारी से कहा, अगर कभी तुझे दिल की जरूरत पड़े तो मेरा दिल ले लेना।**

संजय उवाच

संजय भारद्वाज
9890122603
writersanjay@gmail.com

सबसे बड़ा रुपैया

समाचारपत्र में संबंध विच्छेद के एक मुकदमे का निर्णय छपा है। उच्च शिक्षित युगल में विवाह के लगभग दो वर्षों के भीतर ही संबंध विच्छेद हो गया। समाज में निरंतर बदलते मूल्य और अपने तक सीमित रहने की वृत्ति के चलते आजकल दो वर्ष भी दांपत्य के लिए उल्लेखनीय अवधि मानी जा सकती है। तथापि इस मामले में चौंकाने वाला तथ्य संबंध-विच्छेद का कारण था। समाचार में बताया गया कि कि पति हर व्यय में पत्नी से पचास प्रतिशत की अपेक्षा रखता था। यह अपेक्षा सुबह के नाश्ते से लेकर रात के भोजन तक हर छोटे-बड़े व्यवहार में थी। समाचार कह रहा था कि विवाह से पूर्व उसके द्वारा दिये गए उपहारों की आधी कीमत भी उसे चाहिए थी। उधर दूसरे पक्ष का कहना था कि पत्नी की आमदनी, पति की तुलना में कम है, अतः यह विभाजन तर्कसंगत नहीं है।

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के समय में मनुष्य की संवेदनाओं के आर्टिफिशियल होने की पराकाष्ठा है यह। भौतिक जगत में भौतिकता का चरम बिंदु है यह। समाचारपत्र में छपे कुछ पंक्तियों के समाचार के आधार पर इस घटना में किसी को दोषी या निर्दोष सिद्ध नहीं किया जा सकता। इस तरह की विवेचना इस लघु आलेख का उद्देश्य भी नहीं है। माननीय न्यायालय ने भारतीय न्याय संहिता के अंतर्गत तथ्यों के आधार पर गुण-दोष के धरातल पर निर्णय दिया होगा। दोषी जो भी रहा हो, यहाँ संबंधों में बढ़ती असुरक्षा और संदेह विचारणीय हैं।

नीतिसूत्र कहता है कि शक्ति का केंद्रीकरण निरंकुशता को जन्म देता है। निरंकुशता अविवेक को जनती है। अविवेक बहुधा आत्ममोह का कारण बनता है। आत्ममोह अपने अलावा दूसरा कुछ नहीं देख पाता। इस स्वानुभूत दृष्टिहीनता की परिधि में संबंध, संवेदना, सामाजिकता, सामंजस्य, साहचर्य सभी आ जाते हैं।

मनुष्यजीवन के सारे व्यवहार के केंद्र में पैसे का आ जाना मनुष्यता का अवमूल्यन है या अधिमूल्यन, इस पर भिन्न-भिन्न मत हो सकते हैं। कुछ लोग इसका नामकरण 'नई मनुष्यता' भी कर सकते हैं। सारे बौद्धिक विलास के परे 'ना बीवी ना बच्चा,

ना बाप बड़ा ना मैया, द होल थिंग इज़ दैट कि भैया सबसे बड़ा रुपैया' का यूँ साकार होना हर विचारवान के मन में गंभीर प्रश्न खड़े करता है। प्रकृति में अंतिम कुछ भी नहीं है। पैसे को सर्वोच्च समझने की वृत्ति भी अंतिम नहीं रहेगी। मनुष्य को मिले बौद्धिकता के वरदान के चलते उससे वांछित है कि वह जीवन में मूल्यों के बीच भी सामंजस्य और संतुलन रखना सीखे। यह घटना इस बात का ज्वलंत उदाहरण है कि यंत्रमानव बनाने वाले मानव में धीरे-धीरे यंत्र अपने को स्थापित करता जा रहा है। क्या निकट भविष्य में माता- पिता, सगे-संबंधी, मित्र- आत्मीय, पति-पत्नी सभी आर्थिक आधार पर आँके जाने लगेंगे? ऐसी स्थिति में शब्दकोश से इन शब्दों के विलुप्त होने में समय नहीं लगेगा।

कुछ लोगों को यह विचार अतिरेक लग सकता है। कुछ लोग इस घटना को अपवाद के रूप में देख सकते हैं। तथापि अपवाद जब निरंतर घटने लगे तो मान लीजिए कि वह परंपरा होने के मार्ग पर अग्रसर है। ऐसे समय में परंपरा, अपवाद कहलाने लगती है।

उपरोक्त घटना के अपवाद को परंपरा बनने से रोकना है तो विचार को व्यवहार में उतारना होगा। घर, परिवार, समाज हर स्थान पर संबंधों की अनुभूति, महत्व और अनिवार्यता को रेखांकित करना होगा, अपने-अपने स्तर पर संबंधों को सच्चाई से जीना होगा। अन्यथा की स्थिति में संभव है कि भविष्य में व्यय में पचास प्रतिशत की भागीदारी ना कर सकने वालों को अमनुष्य करार दिया जाने लगे। अनुरोध है कि हर मनुष्य विचार करे।

बोध कथा

बाबापुर की रामलीला

तेनालीराम हमेशा अपनी बुद्धिमता से सबका मन जीतने के लिए जाने जाते थे। आए दिन राज्य पर आई किसी न किसी समस्या को सुलझाने के लिए वे अपना दिमाग लगाया करते थे। इसी तरह जब एक बार दशहरा पर नाटक मंडली विजयनगर नहीं पहुंच पाई, तो तेनाली ने क्या किया, आइए जानते हैं। काशी की एक नाटक मंडली हमेशा दशहरे से पहले विजयनगर आया करती थी। यह नाटक मंडली विजयनगर में रामलीला किया करती थी और नगर वासियों का मनोरंजन किया करती थी। यह एक तरह से विजयनगर की संस्कृति थी और ऐसा हर साल हुआ करता था, लेकिन एक साल ऐसा आया जब काशी नाटक मंडली के कई सदस्य बीमार पड़ गए और उन्होंने कह दिया कि वो विजयनगर नहीं आ पाएंगे। यह सुनकर महाराज कृष्णदेव राय और सारी प्रजा बहुत उदास हो गई। दशहरे को अब सिर्फ कुछ ही दिन बाकी थे और ऐसे में किसी और नाटक मंडली को बुलाकर रामलीला का आयोजन करवाना बहुत मुश्किल था। दरबार के मंत्रियों और राजगुरु ने आसपास के गांव की नाटक मंडली को बुलाने की कोशिश की, लेकिन किसी का भी आ पाना बहुत मुश्किल था। सबको निराश देख तेनालीराम ने कहा, मैं एक नाटक मंडली को जानता हूं। मुझे यकीन है कि वो विजयनगर में रामलीला करने के लिए जरूर तैयार हो जाएंगे। तेनाली की यह बात सुनकर सब खुश हो गए। इसके साथ ही राजा ने तेनाली को मंडली बुलाने की जिम्मेदारी सौंप दी और तेनाली ने भी रामलीला की तैयारी करना शुरू कर दी। विजयनगर को नवरात्र के लिए सजाया गया और रामलीला मैदान की साफ-सफाई करवा कर वहां बड़ा-सा मंच बनवाया गया। उसी के साथ मैदान पर बड़ा-सा मैला भी लगवाया गया।

जब नगर में रामलीला होने की खबर फैली, तो सारी जनता रामलीला देखने के लिए उत्सुक हो गई। रामलीला वाले दिन सभी लोग रामलीला देखने के लिए मैदान में इकट्ठे हो गए। वहीं, महाराज कृष्णदेव राय, सभी मंत्रीगण और सभा के अन्य सदस्य भी वहां मौजूद थे। सभी ने रामलीला का खूब मजा उठाया। जब नाटक खत्म हो गया, तो सभी ने उसकी बहुत तारीफ की। खासकर, नाटक मंडली में मौजूद बच्चों की कलाकारी सभी को बहुत पसंद आई थी। महाराज सभी से इतना खुश थे कि उन्होंने पूरी नाटक मंडली को महल में खाना खाने का न्योता दे दिया।

जब पूरी मंडली महल आई, तो सभी ने महाराज, तेनाली और अन्य मंत्रीगण के साथ भोजन किया। इस दौरान महाराज ने तेनालीराम से पूछा कि उन्हें इतनी अच्छी मंडली कहां से मिली? इस पर तेनाली ने उत्तर दिया, ये मंडली बाबापुर से आई है, महाराज। बाबापुर? इस जगह का नाम तो हमने कभी नहीं सुना। कहां है ये?, महाराज ने आश्चर्य से पूछा। यहीं विजयनगर के पास ही है, महाराज।

तेनाली की यह बात सुनकर मंडली के सदस्य मुस्कुराने लगे। इस पर महाराज ने उनसे मुस्कुराने की वजह पूछी, तो मंडली का एक बच्चा बोला, महाराज, हम विजयनगर के ही रहने वाले हैं। इस मंडली को तेनाली बाबा ने तैयार करवाया है और इसलिए हमारा नाम बाबापुर की मंडली है। बच्चे की यह बात सुनकर महाराज सहित सभी लोग ठहाके लगाने लगे।

वीर गाथा

भारत मां के लिए आखिरी सांस तक बहुत बहादुरी से लड़े राज बहादुर

नायब सूबेदार राज बहादुर का जन्म हिमाचल प्रदेश के किन्नौर ज़िले के बारंग गांव में हुआ था। वे स्कूली शिक्षा पूरी करने के बाद भारतीय सेना में भर्ती हुए थे। उन्हें डोगरा रेजिमेंट की 16वीं बटालियन में शामिल किया गया था। कुछ साल बाद उन्हें 62 राष्ट्रीय राइफल्स में भेज दिया गया, जो जम्मू-कश्मीर में आतंकवादियों के खिलाफ अभियान चलाती है।

राज बहादुर साल 2006 में अपनी यूनिट के साथ श्रीनगर ज़िले में तैनात थे। यूनिट 'ऑपरेशन रक्षक' के तहत आतंकवादियों का संहार कर रही थी। 15 मई को आतंकवादियों ने घुसपैठ की कोशिश की थी। उनके बारे में सेना को खुफिया सूचना मिली, जिसके आधार पर घेराबंदी और तलाशी अभियान शुरू किया गया। राज बहादुर भी उस टीम का हिस्सा थे।

आतंकवादियों के बारे में पता चला कि वे एक मकान में छिपे हुए थे। राज बहादुर और साथी जवानों ने उनकी घेराबंदी कर यह सुनिश्चित किया कि वे कहीं भाग न जाएं। 16 मई की सुबह, राज बहादुर ने देखा कि एक आतंकवादी मौके का फायदा उठाकर फरार होने की कोशिश कर रहा था। उन्होंने तुरंत निशाना साधा और उसे बुरी तरह घायल कर दिया। जल्द ही, वह ढेर हो गया।

इसके बाद उन्होंने दूसरे आतंकवादी का खात्मा करने का इरादा किया। दोनों ओर से गोलीबारी हो रही थी। राज बहादुर आगे बढ़े और उन्होंने बहुत करीब जाकर उस आतंकवादी को धराशायी कर दिया। इस दौरान एक आतंकवादी ने गोलीबारी की, जिससे राज बहादुर गंभीर रूप से घायल हो गए। इसके बावजूद उन्होंने आम नागरिकों और अपने साथियों की सुरक्षा सुनिश्चित की। वह मिशन सफल हुआ। नायब सूबेदार राज बहादुर आखिरी सांस तक बहुत बहादुरी से लड़े और देश के लिए वीरगति को प्राप्त हुए। उन्हें 'शौर्य चक्र' से सम्मानित किया गया।

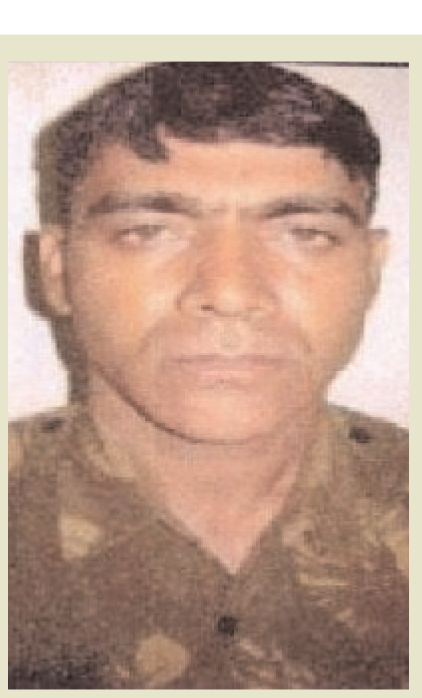

महत्त्वपूर्ण

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor : Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar. Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.Regn No.RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टेंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।– दक्षिण भारत राष्ट्रमत

अंतरिक्ष से लेकर न्यूरोटेक्नोलॉजी तक फैला है एलन मस्क का कारोबारी साम्राज्य

न्यूयॉर्क/एपी

दुनिया में एक लाख करोड़ डॉलर से अधिक की संपत्ति वाले पहले 'ट्रिलियनेयर' एलन मस्क का कारोबारी साम्राज्य कई क्षेत्रों में फैला हुआ है, जिसमें अंतरिक्ष, इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी), कृत्रिम मेधा (एआई), न्यूरोटेक्नोलॉजी और अवसंरचना शामिल हैं।

दुनिया के सबसे अमीर शख्स मस्क कई कंपनियों में मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) या प्रमुख हिस्सेदार हैं और समय के साथ उनकी कई इकाइयां एक-दूसरे से जुड़ती भी गई हैं। शुक्रवार को मस्क की अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी एवं रॉकेट विनिर्माता स्पेसएक्स के अमेरिकी शेयर बाजार में सूचीबद्ध होने के साथ ही वह एक लाख करोड़ (ट्रिलियन) डॉलर की संपत्ति वाले पहले व्यक्ति बन गए।

मस्क द्वारा वर्ष 2002 में स्थापित स्पेसएक्स अब केवल रॉकेट निर्माण कंपनी नहीं रह गई है। इसके तहत उपग्रह संचार सेवा स्टारलिंक संचालित होती है, जिसने पिछले वर्ष 4.4 अरब डॉलर का परिचालन लाभ दर्ज किया था। स्पेसएक्स के साथ सोशल मीडिया मंच 'एक्स' (पूर्व में ट्विटर) और एआई क्षेत्र की एक्सएआई भी जुड़ी हुई हैं। हालांकि दोनों ही कंपनियां फिलहाल घाटे में चल रही हैं और एक्सएआई ने पिछले वर्ष 6.4 अरब डॉलर का परिचालन घाटा दर्ज किया।

इसके बावजूद स्पेसएक्स ने हाल ही में वॉल स्ट्रीट पर सूचीबद्ध होकर लगभग 2.1 लाख करोड़ डॉलर के बाजार मूल्य के साथ इतिहास का सबसे बड़ा आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) दर्ज किया। हालांकि, कुछ विश्लेषकों का मानना है कि यह मूल्यांकन कंपनी की वास्तविक क्षमता से अधिक हो सकता है, क्योंकि इसके कई लक्ष्य अभी तकनीकी रूप से साबित नहीं हुए हैं और इनको पूरा करने के लिए भारी निवेश की जरूरत होगी।

इलेक्ट्रिक वाहन निर्माता टेस्ला में मस्क 2008 से ही सीईओ पद संभाल रहे हैं। कंपनी को हाल के वर्षों में कड़ी प्रतिस्पर्धा का सामना करना पड़ा है और उसने दुनिया की सबसे बड़ी ईवी निर्माता कंपनी का दर्जा भी चीन की बीवाईडी के हाथों गंवा दिया है।

इसके अलावा, मस्क की राजनीतिक गतिविधियों के चलते कुछ बाजारों में बहिष्कार का असर भी टेस्ला की बिक्री पर पड़ा। हालांकि, बाद में इसमें आंशिक सुधार हुआ है।

मस्क का कहना है कि टेस्ला का भविष्य पारंपरिक कार बिक्री से आगे बढ़कर स्वचालित टैक्सी सेवाओं और रोबोटिक्स में होने वाला है। कंपनी सौर ऊर्जा क्षेत्र में भी सक्रिय है, जहां उसने सोलरसिटी के अधिग्रहण के बाद अपनी उपस्थिति मजबूत की है। टेस्ला का मौजूदा बाजार पूंजीकरण लगभग 1.5 लाख करोड़ डॉलर के आसपास है।

वर्ष 2016 में स्थापित न्यूरालिंक कंपनी मानव मस्तिष्क और कंप्यूटर के बीच सीधा संपर्क स्थापित करने की तकनीक पर काम कर रही है। कंपनी रीढ़ की हड्डी की चोट, एएलएस और अन्य गंभीर बीमारियों से जूझ रहे मरीजों पर क्लीनिकल परीक्षण कर रही है। इस वर्ष जनवरी तक दुनिया भर में इसके 21 प्रतिभागी परीक्षण में शामिल थे।

भारतीय मूल की चिकित्सक परवीन कुमार को 'किंग्स बर्थडे ऑनर्स' सम्मान

लंदन/भाषा। स्वास्थ्य क्षेत्र में महिलाओं की भागीदारी को बढ़ावा देने वाली और प्रसिद्ध उदर रोग विशेषज्ञ डेम परवीन कुमार को वैश्विक चिकित्सा शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं में उनके योगदान के लिए ब्रिटेन के सबसे प्रतिष्ठित राजसी सम्मानों में से एक 'ग्रैंड क्रॉस ऑफ द ऑर्डर ऑफ द ब्रिटिश एम्पायर' से सम्मानित किया गया है। उन्हें किंग चार्ल्स तृतीय की वार्षिक 'बर्थडे ऑनर्स' सूची में स्थान दिया गया है। शुक्रवार रात ब्रिटेन के कैबिनेट कार्यालय द्वारा जारी सम्मान सूची में भारतीय मूल के करीब 35 चिकित्सकों, उद्यमियों और सामुदायिक कार्यकर्ताओं को भी स्थान दिया गया। इस सूची में परवीन कुमार का नाम प्रमुख रूप से शामिल है। 'मोस्ट एक्सीलेंट ऑर्डर ऑफ द ब्रिटिश एम्पायर' के तहत 'ग्रैंड क्रॉस ऑफ द ऑर्डर ऑफ द ब्रिटिश एम्पायर' सर्वोच्च सम्मान है।

ब्रिटिश शासक के आधिकारिक जन्मदिन के मौके पर जारी 2026 की सम्मान सूची में ब्रिटेन के 1,182 लोगों को स्थान दिया गया है।इन लोगों को ''दूसरों के भले के लिए सकारात्मक बदलाव लाने की दिशा में असाधारण काम करने'' के लिए यह सम्मान दिया गया।

बार्ट्स स्थित 'क्वीन मैरी यूनिवर्सिटी ऑफ लंदन' और 'लंदन स्कूल ऑफ मेडिसिन एंड डेंटिस्ट्री' में मेडिसिन एवं एजुकेशन की प्रोफेसर कुमार को बरसों से उनके कई तरह के योगदान के लिए पहचाना और सराहा गया है। डॉ. कुमार के सम्मान पत्र में कहा गया, उन्होंने 'कुमार एंड क्लार्क्स क्लिनिकल मेडिसिन' नाम की पुस्तक का सह लेखन किया, जिसका इस्तेमाल दुनिया भर में होता है। पत्र के मुताबिक, 'रॉयल मेडिकल बेनेवोलेंट फंड' की अध्यक्ष के तौर पर डॉ. कुमार ने 1,00,000 पाउंड जुटाए और मुश्किल में फंसे चिकित्सकों के लिए एक गोपनीय हेल्पलाइन शुरू करने में मदद की। सम्मान पत्र में कहा गया कि 'रॉयल सोसाइटी ऑफ मेडिसिन' की अध्यक्ष रहते हुए परवीन कुमार ने 'ग्लोबल हेल्थ' पहल की शुरुआत की। वहीं, 'रॉयल कॉलेज ऑफ फिजिशियंस' में उन्होंने वरिष्ठ परीक्षक के रूप में काम किया और कई शैक्षणिक कार्यक्रम शुरू किए।

अब आजीविका के लिए पलायन नहीं करना पड़ेगा, विदेशी लोग यहां आकर चाकरी करेंगे : योगी आदित्यनाथ

गोरखपुर (उप्र)/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को कहा कि एक समय बाढ़ की त्रासदी और 'कनेक्टिविटी' के अभाव में क्षेत्र के लोग पलायन करते थे, आजीविका के लिए उन्हें विदेश जाना पड़ता था, लेकिन अब विदेशी लोग यहां आकर चाकरी करेंगे। योगी ने शनिवार को यहां गांधी इंटर कॉलेज, महुआपार में 295 करोड़ रुपए से अधिक लागत की 319 परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास करने के बाद समारोह को संबोधित करते हुए कहा,''यह धरा मां सरयू के आंचल में है। यहां के नौजवानों ने हर जगह अपनी प्रतिभा एवं परिश्रम का लोहा मनवाया है। एक समय बाढ़ की त्रासदी और कनेक्टिविटी के अभाव में क्षेत्र के लोग पलायन करते थे। '' उन्होंने कहा कि आजीविका के लिए उन्हें विदेश जाना पड़ता था, लेकिन अब उन्हें बाहर नहीं जाना होगा, उन्हें यहीं रोजगार के ढेर सारे अवसर मिलेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा,''अब आपके द्वारा चुने गये विधायक-सांसद डबल इंजन सरकार की ताकत का इस्तेमाल करते हुए विदेश के लोगों को चिल्लूपार में काम करने का अवसर देने जा रहे हैं। विदेशी लोग यहां आकर चाकरी करेंगे।''

एक आधिकारिक बयान के अनुसार मुख्यमंत्री ने विश्वास जताया कि विकास एवं विरासत की यात्रा के साथ चिल्लूपारवासी बिना रुके-बिना झुके निरंतर आगे बढ़ेंगे।

योगी ने कहा,''हम लोगों ने धुरियापार में बंद पड़ी चीनी मिल की खाली जमीन पर सीएनजी का प्लांट लगवाया। अमेरिका-ईरान युद्ध के कारण दुनिया में संकट है, लेकिन सीएनजी-एथेनॉल के कारण हमारे यहां काम बंद नहीं हुआ। ऊर्जा में आत्मनिर्भर अमेरिका में भी महंगाई चार गुना हो गई है। वहां 100 रुपए की वस्तु 400 रुपए में मिल रही है, लेकिन भारत में महंगाई नियंत्रित है।'' मुख्यमंत्री ने कहा कि 2017 के पहले कोई सोच भी नहीं सकता था कि धुरियापार में इंडियन ऑयल का सीएनजी प्लांट लगेगा या सहजनवां का गीडा (गोरखपुर औद्योगिक विकास प्राधिकरण) आ पाएगा, अब सरकार यहां ग्रेटर गीडा बनाने जा रही है। योगी ने कहा कि अभी से हजारों करोड़ रुपए के प्रस्ताव आ गए हैं, जिन्हें सरकार को उद्योग के रूप में स्थापित करना है।

हर किरदार शिद्दत से निभाती हूं : शीना चौहान

मुंबई/एजेन्सी

अपकमिंग फिल्म 'अर्जुनैन अल्लिरानी' में 'रानी' का किरदार निभा रहीं अभिनेत्री शीना चौहान ने कहा कि वह हर भूमिका को पूरी ईमानदारी और गहराई के साथ निभाने में विश्वास रखती हैं। उनके अनुसार, जब भी वह किसी प्रोजेक्ट को हां कहती हैं, तो वह पूरी तरह से उस किरदार की दुनिया में खुद को ढाल लेती हैं। शीना चौहान ने बताया कि वह खुद को निर्देशक के विजन के अनुसार ढालती हैं और एक कलाकार के तौर पर खुद को खाली पन्ने की तरह मानती हैं, जिस पर निर्देशक अपनी कल्पना के अनुसार काम कर सके। उन्होंने कहा कि अभिनय के दौरान वह हर किरदार की भावनात्मक गहराई को समझने की कोशिश करती हैं ताकि दर्शक उससे जुड़ाव महसूस कर सकें। फिल्म के लिए तैयारी के दौरान शीना इन दिनों स्टिक-फाइटिंग की स्पेशल ट्रेनिंग ले रही हैं। इसके साथ ही वह ग्रामीण तमिल संस्कृति, लोक कथाओं, भाषा और बोलियों को भी समझने पर ध्यान दे रही हैं ताकि अपने किरदार को अधिक वास्तविकता के साथ पेश कर सकें। वह अपनी तमिल भाषा पर भी लगातार काम कर रही हैं।उन्होंने कहा कि किसी भी किरदार में ढलने के लिए वह पूरी तरह उस माहौल में डूब जाती हैं। उनके अनुसार, अभिनय सिर्फ संवाद बोलने का काम नहीं है, बल्कि किरदार की सोच और भावनाओं को जीने की प्रक्रिया है। इसी वजह से वह शूटिंग के दौरान कई बार सोशल मीडिया से दूरी बना लेती हैं ताकि उनका पूरा ध्यान किरदार पर केंद्रित रहे। शीना चौहान ने यह भी बताया कि उनके लिए हर फिल्म एक सामूहिक दृष्टि का हिस्सा होती है, जिसमें कलाकार की जिम्मेदारी होती है कि वह निर्देशक के विजन का सम्मान करते हुए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन दे। उन्होंने बताया कि इससे पहले भी वह कई भूमिकाओं के लिए गहरे तरीके से तैयारी कर चुकी हैं। फिल्म संत तुकाराम में अपने किरदार के लिए उन्होंने ग्रामीण महिलाओं के जीवन को करीब से देखा था। वहीं, द ट्रायल में काम करते समय उन्होंने चर्च के वातावरण और वहां के लोगों के व्यवहार को समझने के लिए समय बिताया था।

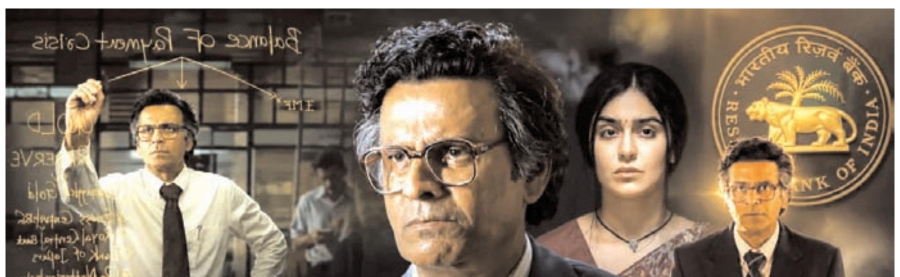

भारत के आर्थिक इतिहास को दमदार सिनेमा में बदलती एक शानदार फिल्म 'गवर्नर'

जयपुर/एजेन्सी

देशभर में शुक्रवार को रिलीज होने जा रही बहुप्रतीक्षित फिल्म 'गवर्नर' की स्पेशल स्क्रीनिंग जयपुर में मीडिया प्रतिनिधियों, सिनेमा प्रेमियों और विशेष अतिथियों के लिए आयोजित की गई। फिल्म की विषयवस्तु, अभिनय और प्रभावशाली प्रस्तुति को दर्शकों ने खूब सराहा। भारत के 1990 के आर्थिक संकट की पृष्ठभूमि पर बनी गवर्नर एक दमदार पॉलिटिकल-इकोनॉमिक ड्रामा है, जो इतिहास, भावनाओं और यथार्थ को बेहद प्रभावी ढंग से बड़े पर्दे पर प्रस्तुत करती है। फिल्म की कहानी ऐसे दौर में ले जाती है जब भारत आर्थिक रूप से टूटने की कगार पर खड़ा था। बढ़ती महंगाई, ईंधन की कमी, राजनीतिक दबाव और जनता में फैलती घबराहट के बीच एक अनिच्छुक नौकरशाही को ठ्ठख गवर्नर की जिम्मेदारी सौंपी जाती है। इसके बाद देश को आर्थिक तबाही से बचाने की उसकी जद्दोजहद कहानी को बेहद रोचक और भावनात्मक बना देती है। फिल्म में मुख्य भूमिका निभा रहे मनोज बाजपेयी एक बार फिर साबित करते हैं कि वे भारतीय सिनेमा के सबसे शानदार अभिनेताओं में से एक हैं। उनका अभिनय शांत, संयमित और प्रभावशाली है। बिना अधिक संवादों के भी वे अपने चेहरे के भाव और स्क्रीन प्रेजेंस से किरदार की गंभीरता और दबाव को महसूस करते हैं। अदा शर्मा ने एक युवा पत्रकार की भूमिका निभाई है, जिसकी एक खबर देश के भविष्य को प्रभावित कर सकती है। वहीं मधु ने एक ऐसी पत्नी का संवेदनशील किरदार निभाया है, जो अपने पति के संघर्ष और मानसिक दबाव को खामोशी से महसूस करती है। निर्देशक चिन्मय मांडलेकर विशेष प्रशंसा के पात्र हैं। मराठी सिनेमा और थिएटर से जुड़े मांडलेकर ने फिल्म का वातावरण बेहद वास्तविक और प्रभावशाली बनाया है। 90 के दशक का दौर, उसकी बेचैनी और अस्थिरता को फिल्म शानदार तरीके से पर्दे पर जीवंत करती है।

लेखक शुभेंदु भट्टाचार्य, रवि असरानी और सौरभ भारत ने अर्थशास्त्र और वित्त जैसे गंभीर विषय को भी आम दर्शकों के लिए रोचक और भावनात्मक बना दिया है। फिल्म कहीं भी बोझिल नहीं लगती और लगातार दर्शकों को बांधे रखती है। फिल्म की सबसे बड़ी खासियत यह है कि यह केवल जानकारी नहीं देती, बल्कि प्रेरित भी करती है। यह फिल्म भारतीय इतिहास के उस अध्याय को सामने लाती है, जिसके बारे में खासकर युवा पीढ़ी बहुत कम जानती है। फिल्म यह दिखाती है कि अर्थव्यवस्था केवल आंकड़ों का खेल नहीं, बल्कि करोड़ों लोगों के भविष्य से जुड़ा विषय है।

फिल्म का बैकग्राउंड स्कोर, सिनेमेटोग्राफी और सपोर्टिंग कास्ट कहानी को और मजबूत बनाते हैं। मेकर्स ने इसे इकोनॉमिक थ्रिलर कहा है और यह हिंदी सिनेमा में बेहद अलग और नया प्रयास साबित होता है। जढ्ढ के दौर में भी गवर्नर ऐसी फिल्म बनकर सामने आती है, जिसे बड़े पर्दे पर देखना एक शानदार अनुभव है। यह फिल्म केवल अर्थव्यवस्था की कहानी नहीं, बल्कि जिम्मेदारी, नेतृत्व और देशहित में लिए गए कठिन फैसलों की कहानी है। शानदार अभिनय, मजबूत लेखन और संवेदनशील निर्देशन के साथ गवर्नर इस साल की सबसे प्रभावशाली और प्रेरणादायक फिल्मों में अपनी जगह बनाती है। इसलिए इसे जरूर से अपने नज़दीकी सिनेमा हॉल में जरूर जाएं।

'काला हिरण' फिल्म विवाद : हाईकोर्ट पहुंचे सलमान खान, रिलीज पर रोक लगाने को दायर की याचिका

नई दिल्ली/एजेन्सी

अभिनेता सलमान खान ने फिल्म 'काला हिरण : द बैटल फॉर लेगेसी' की रिलीज पर रोक लगाने की मांग करते हुए दिल्ली हाईकोर्ट का रुख किया है। उन्होंने अदालत में स्थायी और अंतरिम निषेधाज्ञा की याचिका दायर की है, जिसमें फिल्म के निर्माण, प्रचार और वितरण पर रोक लगाने की मांग की गई है। सलमान खान ने अपनी याचिका में अमित जानी, जानी फायरफॉक्स फिल्म्स, भारत श्रीनाते, अक्षय पांडेय समेत अन्य संबंधित व्यक्तियों के साथ-साथ अज्ञात पक्षों को भी शामिल किया है। उन्होंने अदालत से अनुरोध किया है कि इन सभी को फिल्म से जुड़े किसी भी प्रकार के निर्माण, वित्तपोषण, निर्देशन और प्रचार कार्य से रोका जाए। अभिनेता का आरोप है कि फिल्म का पोस्टर और प्रचार वाले कंटेंट उनके पर्सनैलिटी राइट्स का उल्लंघन करती है। उनका कहना है कि उनके नाम, छवि और सार्वजनिक पहचान का उपयोग बिना अनुमति के व्यावसायिक लाभ के लिए किया जा रहा है।

संघर्ष से लिखी सफलता की कहानी : दिशा पाटनी

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड अभिनेत्री दिशा पाटनी की गिनती उन अभिनेत्रियों में होती है, जिन्होंने कम समय में अपनी अलग पहचान बनाई है। हालांकि, उनकी सफलता की कहानी उतनी आसान नहीं रही, जितनी बाहर से लोगों को दिखाई देती है। बहुत कम लोग जानते हैं कि उन्होंने अपने सपनों को पूरा करने के लिए काफी संघर्ष किया है। एक समय ऐसा भी था जब वह बेहद कम पैसों के साथ मुंबई आई थीं और मेहनत के दम पर ये मुकाम हासिल किया। दिशा पाटनी का जन्म 13 जून 1992 को उत्तर प्रदेश के बरेली में हुआ था। उनका परिवार मूल रूप से उत्तराखंड के टनकपुर से जुड़ा हुआ है। उनके पिता जगदीश सिंह पाटनी पुलिस विभाग में अधिकारी रहे, जबकि उनकी मां स्वास्थ्य विभाग में कार्यरत थीं। बचपन से ही दिशा पढ़ाई में अच्छी थीं। उन्होंने कभी अभिनेत्री बनने का सपना नहीं देखा था। वह एयरफोर्स पायलट या साइंसटिस्ट बनना चाहती थीं। उन्होंने इंजीनियरिंग और बायोटेक्नोलॉजी की पढ़ाई की। कॉलेज के दिनों में उनकी जिंदगी ने

नया मोड़ लिया। एक दोस्त ने उन्हें मॉडलिंग कॉम्पिटिशन में हिस्सा लेने की सलाह दी, जिसमें उन्होंने जीत हासिल की। इसके बाद उन्हें मॉडलिंग के कई मौके मिलने लगे। धीरे-धीरे विज्ञापन जगत में भी उनकी पहचान बनने लगी। उन्होंने कई विज्ञापनों में काम किया। कैमरे के सामने एक्टिंग करने के इस अनुभव ने उन्हें फिल्मों में लाकर खड़ा कर दिया।

दिशा ने अपने संघर्ष के दिनों को याद करते हुए एक इंटरव्यू में बताया था कि वह केवल 500 रुपए लेकर मुंबई पहुंची थीं। उस समय उनके पास कोई बड़ा सहारा नहीं था। उन्होंने परिवार से आर्थिक मदद लेने के बजाय खुद मेहनत करके आगे बढ़ने का फैसला किया।मुंबई जैसे बड़े शहर में रहना आसान नहीं था, लेकिन दिशा ने हार नहीं मानी। उन्होंने लगातार ऑडिशन दिए, मॉडलिंग की और अपने सपनों को सच करने के लिए दिन-रात मेहनत की। यही संघर्ष बाद में उनकी सफलता की सबसे बड़ी ताकत बना।

साल 2015 में दिशा को पहली बड़ी सफलता तेलुगु फिल्म 'लोफर' से मिली। इस फिल्म में उनके काम को सराहा गया। इसके बाद साल 2016 में उन्हें हिंदी फिल्म 'एमएस धोनी: द अनटोल्ड स्टोरी' में काम करने का मौका मिला।

इस फिल्म में उन्होंने महेंद्र सिंह धोनी की पहली प्रेमिका प्रियंका झा का किरदार निभाया था। भले ही उनका रोल लंबा नहीं था, लेकिन उनके अभिनय ने दर्शकों का दिल जीत लिया। इसके बाद दिशा ने पीछे मुड़कर नहीं देखा। उन्होंने 'कुंग फू योगा', 'बागी 2', 'भारत', 'मलंग', 'राधे', 'एक विलेन रिटर्न्स', 'योद्धा' और 'कल्कि 2898 एडी' जैसी फिल्मों में काम किया। एक्शन, रोमांस और ग्लैमर से भरपूर किरदारों के जरिए उन्होंने अपनी अलग पहचान बनाई। वह अपनी फिटनेस को लेकर भी हमेशा चर्चा में बनी रहती हैं।

शरवरी वाघ की 'मैं वापस आऊंगा' सिनेमाघरों में रिलीज

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेत्री शरवरी वाघ की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'मैं वापस आऊंगा' शुक्रवार को सिनेमाघरों में प्रदर्शित हो गई है। यह फिल्म भारत-पाकिस्तान के विभाजन की पृष्ठभूमि पर बनी एक बेहद मार्मिक प्रेम कहानी पर आधारित है। शुक्रवार को अभिनेत्री ने सोशल मीडिया के जरिए सभी से फिल्म को देखने की सलाह दी। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर कुछ तस्वीरें पोस्ट कीं, जिनमें उनके लुक्स के साथ-साथ फिल्म के बीटिएस मोमेंट्स और अभिनेता वेदांग रैना की झलकियां शामिल हैं। इस पोस्ट के जरिए अभिनेत्री शरवरी वाघ ने न सिर्फ फैंस से फिल्म के देखने का अनुरोध किया, बल्कि यह भी बताया कि यह फिल्म उनके दिल के बेहद करीब है। अभिनेत्री ने बेहद खूबसूरत शब्दों में फिल्म के प्रति अपनी भावनाएं व्यक्त कीं। उन्होंने लिखा, आज मेरी दिल के बेहद करीब फिल्म 'मैं वापस आऊंगा' सिनेमाघरों में रिलीज हो गई है और अब आप सभी इसे देख सकते हैं।

अभिनेत्री ने आगे लिखा, 'मैं वापस आऊंगा' शुरू से ही मेरे दिल के बहुत करीब रही है। चाहे इसकी कहानी पढ़ना हो या जिया (अभिनेत्री शरवरी वाघ द्वारा निभाया गया किरदार) के किरदार को निभाना, मेरे लिए हर पल खास रहा। यह फिल्म प्यार और इंतजार की ऐसी कहानी है, जो सीमाओं, समय और यादों से भी आगे बढ़ जाती है। मुझे इस फिल्म पर बहुत गर्व है और आज इसे दुनिया के सामने पेश करते हुए मैं बेहद उत्साहित हूं। निर्देशक इम्तियाज अली द्वारा निर्देशित, यह फिल्म 95 साल के बुजुर्ग (नसीरुद्दीन शाह) की अधूरी मोहब्बत और सरगोधा लौटने की जिद पर आधारित है और यादों और बिछड़ने के दर्द को बयां करती है। फिल्म में नसीरुद्दीन शाह (ईशर सिंह ग्रेवाल के रूप में 95 वर्षीय बुजुर्ग), दिलजीत दोसांझ, वेदांग रैना (नसीरुद्दीन शाह के युवा किरदार में), शारवरी वाघ और रजत कपूर जैसे कलाकार मुख्य भूमिका में नजर आ रहे हैं। फिल्म 'मैं वापस आऊंगा' को दर्शकों से भावनात्मक और सकारात्मक प्रतिक्रिया मिल रही है। बंटवारे के दर्द और 78 साल के प्यार के इंतजार पर बनी इस फिल्म की स्टार कास्ट और निर्देशन की जमकर तारीफ हो रही है।

विभाजन की पीड़ा झेलने वालों को उनके दिलों में बसा प्रेम संभाले रहा : इम्तियाज अली

नई दिल्ली/भाषा। प्रख्यात फिल्मकार इम्तियाज अली का मानना है कि भारत-विभाजन की त्रासदी का सामना करने वाले लोगों को आगे बढ़ने की ताकत उनके दिलों में बसे प्रेम और उससे जुड़ी यादों ने दी और उनकी नई फिल्म मैं वापस आऊंगा इसी भावनात्मक अनुभव को केंद्र में रखकर बनाई गई है।अली ने 'पीटीआई-भाषा' से बातचीत में कहा कि यह फिल्म विभाजन की उथल-पुथल के बीच बिछड़े प्रेम और पास रह गई स्मृतियों की कहानी है। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि यह हजारों-लाखों लोगों की कहानी है। जब वे अपनी इच्छा न होने के बाद भी सीमा पार करके आए, तब वे अपने साथ गठरियां, संदूक, गहने और धन लेकर आए। वे अपने दिलों में प्रेम भी लेकर आए थे।अली ने कहा कि समय के साथ यही प्रेम यादों में बदल गया और लोगों के लिए एक ऐसे निजी खजाने की तरह बन गया, जहां वे कठिन और निराशाजनक क्षणों में लौट सकते थे।

मैं वापस आऊंगा में अभिनेता दिलजीत दोसांझ, नसीरुद्दीन शाह, वेदांग रैना और शरवरी प्रमुख भूमिकाओं में हैं। फिल्म में 95 वर्षीय एक व्यक्ति अपने अतीत को याद करता है और उसके जीवन की अनकही प्रेम कहानी सामने आती है। अली ने कहा कि विभाजन पर अनेक फिल्में बन चुकी हैं, लेकिन उनकी कोशिश यह समझने की रही कि इतने गहरे दुख और विस्थापन के बावजूद लोग अपने भीतर प्रेम और सुंदर स्मृतियों को कैसे बचाए रख पाए। उन्होंने कहा, हम केवल अनुमान लगा सकते हैं कि उन्होंने कितना कष्ट सहा होगा। हिंसा और उथल-पुथल की बात की जा सकती है, लेकिन उनकी निराशा की गहराई को समझना कठिन है। सैकड़ों विभाजन पीड़ितों से बातचीत के बाद मुझे महसूस हुआ कि उन्हें उनके दिलों में मौजूद प्रेम ने संभाले रखा।

अली ने बताया कि फिल्म की प्रेरणा उन्हें पंजाब में अपनी 2024 की फिल्म अमर सिंह चमकीला की शूटिंग के दौरान मिली, जब उन्होंने विभाजन के प्रत्यक्षदर्शी रहे अनेक लोगों से मुलाकात की। उन्होंने कहा, मैंने पाया कि वे नफरत की नहीं, बल्कि अच्छी और खूबसूरत यादों की बात करते थे। कोई अपने बगीचे के पेड़ों को याद करता था, कोई उस लड़की को जिसे वह चुपके से देखने जाता था, तो कोई नदी किनारे दोस्तों के साथ बिताए समय को याद करता था।अली के अनुसार, विभाजन की सबसे बड़ी अनदेखी क्षति सांस्कृतिक और सौंदर्यबोध से जुड़ी थी। उन्होंने कहा, अपने शोध के दौरान मुझे लगा कि विभाजन के कारण रंग, कला, भाषा और सांस्कृतिक विरासत का भी नुकसान हुआ। इस सौंदर्यात्मक क्षति पर बहुत कम चर्चा होती है।

मैं वापस आऊंगा की कहानी एक सिख युवक और मुस्लिम युवती के प्रेम के इर्द-गिर्द घूमती है। अली का कहना है कि उनके शोध से यह भी सामने आया कि उस दौर का शिक्षित शहरी समाज अपेक्षाकृत अधिक उदार और आधुनिक विचारों वाला था। उन्होंने कहा कि फिल्म में दो अलग-अलग समय काल में एक ही चरित्र को दिखाना चुनौतीपूर्ण था, क्योंकि 78 वर्षों का अंतर किसी व्यक्ति के व्यक्तित्व और स्मृतियों को पूरी तरह बदल सकता है। अली ने बताया कि शरवरी को फिल्म में लेने का एक कारण यह भी था कि उनका व्यक्तित्व 1940 और 1950 के दशक की अभिनेत्रियों, विशेषकर गीता बाली, की याद दिलाता है। मैं वापस आऊंगा में संगीत ए. आर. रहमान ने दिया है।

बीस साल से रोजाना योगासन कर रहीं जूही चावला, बोलीं- जीवन में आई स्पष्टता और मजबूती

नई दिल्ली/एजेन्सी

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के मद्देनजर भारत सरकार का आयुष मंत्रालय लगातार कई क्षेत्रों की हस्तियों के प्रेरणादायक वीडियोज शेयर कर रहा है। इसी कड़ी में मंत्रालय ने अभिनेत्री जूही चावला का वीडियो सोशल मीडिया पर पोस्ट किया है। इस वीडियो के माध्यम से जूही चावला अपने जीवन में योग के महत्व और उससे मिले सकारात्मक बदलावों के बारे में खुलकर बात करती नजर आईं। उन्होंने कहा कि आज वह जो कुछ भी हैं, उसमें योग की बहुत बड़ी भूमिका रही है। आयुष मंत्रालय ने इंस्टाग्राम पर वीडियो को पोस्ट करते हुए बताया, जूही चावला का 20 वर्षों का योग सफर कई लोगों के लिए प्रेरणा का स्रोत है। मंत्रालय ने लोगों से 'योगा 365' अभियान को अपनाने और योग को अपनी दैनिक दिनचर्या का हिस्सा बनाने की अपील की है। साथ ही विश्व योग दिवस के अवसर पर स्वास्थ्य, शांति और नियमित योग अभ्यास का संकल्प लेने का भी संदेश दिया। वहीं, के वीडियो जरिए जूही चावला ने बताया कि जब उन्होंने योग की शुरुआत की थी, तब उन्हें भी अन्य लोगों की तरह कई कठिनाइयों का सामना करना पड़ा। शुरुआती दिनों में योग क्लासेज के दौरान आसनों का अभ्यास करते समय शरीर में दर्द

महसूस होता था और कई बार यह समझना मुश्किल लगता था कि योग क्यों किया जा रहा है। हालांकि, हर सत्र के अंत में होने वाले शवासन के बाद उन्हें एक नई ऊर्जा और ताजगी का अनुभव होता था। उन्होंने कहा कि योग करने के बाद ऐसा महसूस होता था जैसे दिन की शुरुआत नई ताकत और उत्साह के साथ हो रही हो। यही अनुभव धीरे-धीरे उन्हें योग के प्रति और अधिक समर्पित करता गया। जूही के अनुसार, योग केवल शारीरिक व्यायाम नहीं है, बल्कि यह मानसिक शांति, आत्मविश्वास और आंतरिक मजबूती प्रदान करने का भी माध्यम है। अभिनेत्री ने कहा कि आज के समय में लोगों के जीवन में काम का दबाव, सामाजिक अपेक्षाएं और कई तरह की चुनौतियां मौजूद हैं। ऐसे माहौल में मन की शांति, स्पष्ट सोच और बेहतर स्वास्थ्य बनाए रखने के लिए योग बेहद उपयोगी साबित हो सकता है।

उन्होंने योग को स्वयं के लिए किए जाने वाले सबसे अच्छे कार्यों में से एक बताया। जूही चावला ने भारतीय ऋषि-मुनियों द्वारा दी गई इस अमूल्य परंपरा के प्रति आभार व्यक्त किया। साथ ही उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की भी सराहना की, जिनके प्रयासों से योग को वैश्विक पहचान मिली है। उन्होंने सभी लोगों से अपील की कि वे हर दिन योग करें और विश्व योग दिवस 2026 (21 जून) से पहले योग को अपनी जीवनशैली का हिस्सा बनाएं।

‘संयम ही जीवन को बनाता है शांत, शक्तिशाली और आनंदमय’

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

केएलपी धर्मसभा में मुमुक्षु पूजा जैन का हुआ सम्मान

चेन्नई। यहां आचार्यश्री भुवनभानुसूरिश्वरजी के समुदाय के आचार्यश्री कुलबोधिसूरिश्वरजी एवं आचार्यश्री हीरचंद्रसूरिश्वरजी म.सा.का आध्यात्मिक मिलन शनिवार को केएलपी अभिनंदन अपार्टमेंट में हुआ। आचार्यश्री हीरचंद्रसूरिश्वरजी कोयम्बतूर से विहार यात्रा कर चेन्नई पहुंचे। केएलपी संकल्प जैन श्वेताम्बर संघ में आचार्यश्री कुलबोधिसूरिश्वरजी म.सा. ने संयम, चारित्र और श्रमण जीवन की महिमा का अत्यंत मार्मिक एवं प्रेरणादायी वर्णन करते हुए कहा कि मनुष्य जन्म की सबसे बड़ी उपलब्धि संयम और चारित्र की प्राप्ति है।

उन्होंने तिलक और तलवार के अंतर को स्पष्ट करते हुए कहा कि तिलक सम्यक दर्शन का प्रतीक है, जबकि चारित्र आत्मकल्याण की वह तेजस्वी तलवार है, जो केवल मनुष्य भव में ही प्राप्त होती है। यदि मनुष्य जीवन में सब कुछ मिल जाए, लेकिन संयम और चारित्र प्राप्त न हो, तो जीवन की सफलता अधूरी रह जाती है।

उन्होंने कहा कि जिस परिवार में दीक्षा की प्रेरणा और अनुमोदना होती है, वह परिवार वास्तव में धर्म और त्याग की परंपरा को जीवंत बनाता है।

अपने ओजस्वी प्रवचन में आचार्यश्री ने बताया कि दीक्षा और संयम का मार्ग जीवन को पांच प्रकार से श्रेष्ठ बनाता है। संयम जीवन को शांतिमय, शक्तिशाली, सार्थक, अद्भुत और आनंदमय बनाता है।उन्होंने कहा कि आज संसार में व्यक्ति के पास सुविधाओं का अंबार है, लेकिन शांति का अभाव है। वास्तविक शांति इच्छाओं की पूर्ति में नहीं, बल्कि जो प्राप्त है उसे स्वीकार करने में निहित है। संसारी व्यक्ति की दौड़ कभी समाप्त नहीं होती, जबकि संयमी आत्मा संतोष और स्वीकारभाव के साथ जीवन जीती है।

आचार्यश्री ने कहा कि जीवन की वास्तविक शक्ति धन या पद में नहीं, बल्कि ज्ञान और आत्मसंयम में निहित है। संयमी आत्मा लोक-प्रशंसा के पीछे नहीं, बल्कि शास्त्रज्ञान और आत्मकल्याण के पीछे चलती है। उन्होंने समाज में बढ़ती ज्ञान-विमुखता पर चिंता व्यक्त करते हुए शास्त्र अध्ययन को आवश्यक बताया। जीवन की सार्थकता पर चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि संसार की सभी उपलब्धियां शून्य के समान हैं। इन शून्यों का मूल्य तभी बढ़ता है, जब उनके आगे संयम का एक अंक जुड़ता है।

आचार्यश्री ने आगे कहा कि जब कोई मुमुक्षु दीक्षा लेकर संयम मार्ग पर आगे बढ़ता है, तो वह केवल अपना नहीं, बल्कि पूरे समाज का गौरव बढ़ाता है। उन्होंने कहा कि दुनिया के सात अजूबों से भी अधिक अद्भुत भगवान महावीर के साधु-साध्वी हैं, जिन्होंने स्वेच्छा से भोग-विलास, सुविधा और आधुनिक आकर्षणों का त्याग कर आत्मकल्याण का मार्ग अपनाया है। उन्होंने कहा कि जिस मोबाइल फोन के बिना आज अधिकांश लोगों का जीवन अधूरा लगता है, उसका भी साधु-साध्वियां आजीवन त्याग कर देते हैं। यही श्रमण संस्कृति की महानता है।

उन्होंने कहा कि साधुओं की आलोचना करना सरल है, लेकिन उनके त्याग, तप और संयम की अनुमोदना तथा वैयावच्च करना अत्यंत कठिन और पुण्यदायी कार्य है। गृहस्थ जीवन जहां परिवार और व्यवसाय की सीमाओं में बंधा रहता है, वहीं साधु जीवन संपूर्ण मानवता के लिए प्रेरणा का स्रोत बनता है। जीवन में आनंद और प्रसन्नता का होना आवश्यक है। आराधना में मात्रा से अधिक महत्व भाव और आनंद का है। आत्मा में प्रसन्नता होगी तो साधना स्वतः प्रभावी बनेगी।

आचार्यश्री हीरचंद्रसूरिश्वरजी ने कहा कि पांच इंद्रियों के विषयलोक और चार कषायों को रोकने का प्रयत्न ही दीक्षा जीवन है। दीक्षा से ही शासन चलने वाला है। आचार्यद्वय ने मुमुक्षु के उज्ज्वल संयम जीवन के लिए मंगल आशीर्वाद प्रदान करते हुए उपस्थित श्रद्धालुओं से आह्वान किया कि वे भी हृदय से प्रार्थना करें, हे प्रभु! मुझे भी श्रमण वेश प्राप्त करने की पात्रता और शक्ति प्रदान करें। धर्मसभा में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने उपस्थित रहकर आचार्यश्री के प्रेरणादायी प्रवचनों का लाभ लिया।

इस अवसर पर आचार्यश्री ने संकल्प जैन संघ में उपाश्रय निर्माण हेतु प्रेरणा दी। मुमुक्षु के प्रीतिदान पर उन्होंने कहा कि संसार लेने की भावना से चलता है, जबकि मुमुक्षु और त्यागी आत्माएं सदैव देने की भावना के साथ जीती हैं। ऐसे त्यागमय जीवन की अनुमोदना ही सच्ची धर्म आराधना है।

किलपॉक के चिन्मया विद्यालय में करुणा क्लब का शुभारंभ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। करुणा इंटरनेशनल चेन्नई केंद्र द्वारा 12 जून को चिन्मया विद्यालय किलपाक में करुणा कल्ब का उद्घाटन किया गया। मुख्य अतिथि करुणा इंटरनेशनल चेन्नई केंद्र के अध्यक्ष सज्जन जैन व सचिव ज्ञानचंद कोठारी ने द्वीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। करुणा प्रार्थना के पश्चात प्रधानाचार्या गीता गणेश ने स्वागत भाषण दिया और मुख्य अतिथि का परिचय दिया।

मुख्य अतिथि सज्जन जैन ने उद्घाटन भाषण में कहा कि सच्ची करुणा इस मान्यता से उत्पन्न होती है कि सभी जीवन एक दूसरे से जुड़े हुए हैं। करुणा का अभ्यास करके, हम दुख को कम करते हैं, दया दिखाते हैं, और सदभावना में निहित दुनिया का पोषण करते हैं। करुणा की एजुकेशन आफिसर मीनाक्षीजी ने भाषण में कहा कि करुणा और जीव दया मानवता का सार है। यह निस्वार्थ प्रेम और सहानुभूति है जो हम सभी प्रजाति, जाति या धर्म की बाधाओं को पार करते हुए जीवित प्राणियों के प्रति दिखाते हैं। इस अवसर पर बच्चों ने करुणा पर विशेष गीत प्रस्तुत किया। व छात्रा श्रेया ने गत वर्ष की गतिविधियों पर प्रकाश डाला।

विद्यालय प्रबंधन समिति द्वारा मुख्य अतिथि सज्जन जैन व ज्ञानचंद कोठारी को पौधा व स्मृति चिन्ह भेंट देकर सम्मानित किया गया। सभी विद्यार्थियों को करुणा प्रतिज्ञा करवाई गई। विद्यालय की करुणा क्लब प्रभारी ज्योति साहू द्वारा धन्यवाद ज्ञापन दिया गया।

दीक्षांत समारोह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

कोयम्बटूर में शनिवार को पार्क इंस्टीट्यूशंस के दीक्षांत समारोह में ‘वी द लीडर’ के संस्थापक अन्नामलाई ने भाग लिया। शैक्षणिक उत्कृष्टता के 50 साल पूर्ण हो चुके हैं। इस मौकेपर चेयरमैन पीवी रवि, सीईओ डॉ. अनुषा रवि उपस्थित थे।

राजस्थानी ओलम्पियाड का चौथे संस्करण का शुभारंभ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। राजस्थानी असोसिएशन तमिलनाडु द्वारा टीआईएल हेल्थकेयर द्वारा प्रायोजित राजस्थानी ऑलम्पियाड का चौथा संस्करण 14 जून को अग्रवाल सभा भवन, अन्ना नगर में शुरू हो रहा है। सह प्रायोजक खीवराज फाउंडेशन तथा चेस व कैरम के सहयोगी महावीरचंद बोथरा, व्हाइट फायर है। ओलम्पियाड की कमिटी बैठक में पोस्टर का शुभारंभ रजत कार्यालय में पदाधिकारियों ने किया। ओलम्पियाड के उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि कपिल झवर होंगे। चेयरमैन राधेश्याम मूँधड़ा ने बताया की अनुशासन, भाई-चारा, मेल-मिलाप, जीत-हार में समभाव, ओर आगे बढ़ने का जज्बा, स्वस्थ जीवनशैली, इत्यादि-इत्यादि खेल-कूद से ही जीवन में आते हैं। प्रेस व मीडिया प्रभारी ज्ञानचंद कोठारी ने बताया कि इस खेलोत्सव में कोई भी राजस्थानी पंजीकरण करा कर भाग ले सकते हैं। उद्घाटन समारोह के पश्चात चेस व कैरम प्रतियोगिता होगी।

रजत अध्यक्ष अजीत चोरड़िया, जनरल सेक्रेटरी दिनेश कोठारी, कोषाध्यक्ष सुरेश संचेती, ओलंपियाड चेयरमैन राधेश्याम मूँधड़ा, सह संयोजक गण दिलीप चंदन, निर्मल नाहटा, अजय नाहर एवं कमिटी के अनेक सदस्य कार्यक्रम की तैयारी में लगे हुए हैं।

अलसूर जैन भवन में महिलाओं ने किया योग अभ्यास

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय श्वेतांबर स्थानकवासी जैन श्रावक संघ अलसूर के तत्वावधान में नवकार बहु मंडल, अलसूर ने आगामी योग दिवस के संदर्भ में योग अभ्यास शिविर का आयोजन किया। जैन भवन में आयोजित शिविर में बोधि स्कूल के योग प्रशिक्षक सीमा ने महिलाओं के लिए उपयोगी और आवश्यक सरल योग विधि कराते हुए दंडासन, सूर्य नमस्कार, नटराज मुद्रा, मल आसन, चक्की आसन सहित अनेक आसन कराते हुए बताया कि स्वस्थ शरीर के लिए प्रतिदिन व्यायाम जरूरी है। योग शरीर को स्वस्थ, मजबूत और ऊर्जावान बनाता है। योग से हम मन को शांत रख कर एकाग्र कर सकते हैं। योग प्रशिक्षक सीमा ने खानपान विधि के बारे में भी जानकारी साझा की।

महिला मंडल एवं बहू मंडल के सदस्यों ने इस शिविर को बहुत उपयोगी और जानकारी प्रदान करने वाला बताया। अलसूर संघ के मंत्री अभय कुमार बांठिया ने महिलाओं से इस शिविर का स्थाई लाभ लेने की प्रेरणा की। अध्यक्ष धनपत राज बोहरा ने नवकार बहु मंडल के आयोजन की सराहना की। शीतल बांठिया के धन्यवाद दिया।

तिरुपुर में 108 भागवत कथा का छठवें दिन हुआ कृष्ण रुक्मिणी विवाह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरूपुर। दादी परिवार तिरूपुर द्वारा हो रही एक-सौ आठ भागवत कथा में व्यास पीठ पर विराजमान आचार्य श्री रमाकांत गोस्वामीजी ने 13 जून को छठे दिवस कि कथा में बताया गया। कथा में महारास, कंस वध, उद्धव बृज गमन, द्वारिका

गमन, कृष्ण रुक्मिणी विवाह का वितांत रहा। बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने कथा का श्रवण किया। इस मौकेपर दादी परिवार की ओर से अध्यक्ष शीला शाह एवं पदाधिकारी प्रभा मोदी, चंदा डिडवानिया, वीरा कामदार, मनीषा अग्रवाल, मंजु (पारस) जैन, सुमन गुप्ता, अन्नपूर्णा झुंझुनूंवाला, मधु चौधरी, सरिता तुलस्यान, मीनाक्षी सरावगी, अर्पिता पित्ती, पूनम जोशी आदि ने भागवत कथा की सेवा में भाग लिया।

जीतो का महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में ‘सुई धागा’ योजना शुरू की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। जैन इन्टरनेशनल ट्रेड आर्गेनाइजेशन (जीतो) नार्थ लेडीज़ विंग द्वारा महिलाओं एवं युवतियों को कौशल विकास के माध्यम से आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से ’सुई धागा’ सपनों की उड़ान सिलाई एवं प्रशिक्षण परियोजना का शुभारंभ जीतो कार्यालय में किया गया। लेडीज विंग महामंत्री रक्षा छाजेड़ ने संचालन करते हुए सभी का स्वागत किया।ङ्गलेडीज चेयरपर्सन लक्ष्मी बाफना ने परियोजना की संकल्पना एवं उद्देश्यों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह पहल महिलाओं को कौशल आधारित प्रशिक्षण प्रदान कर उन्हें आर्थिक रूप से सशक्त एवं आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। ङ्गकार्यक्रम संयोजिका अलका लोढ़ा ने प्रतिभागियों को इस अवसर का अधिकतम लाभ उठाने के लिए प्रेरित किया। सहसंयोजिका सारिका जैन ने प्रशिक्षण कार्यक्रम की विस्तृत जानकारी दी। कार्यक्रम में अपेक्स संयोजिका बिंदु रायसोनी एवं आत्मनिर्भर-हाउसहोल्ड बिजनेस मॉडल की सहसंयोजिका प्रिया जैन ने इस पहल के लिए शुभकामनाएं दी। मधु कटारिया, सूर्यकला सियाल आदि ने अपने विचार व्यक्त किए। प्रशिक्षिका अनीता भाटी ने अपने अनुभव साझा करते हुए बताया कि सिलाई एवं टेलरिंग का कौशल महिलाओं के लिए रोजगार और उद्यमिता के अनेक अवसर उपलब्ध कराता है। परियोजना के अंतर्गत महिलाओं को निःशुल्क सिलाई एवं टेलरिंग प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा तथा उत्कृष्ट प्रतिभागियों को सिलाई मशीनें भी प्रदान की जाएंगी। महामंत्री रक्षा छाजेड़ ने सभी को धन्यवाद दिया।

विश्व के सभी धर्मों का आधार और प्रवेश द्वार है विश्वास : राष्ट्रसंत कमलमुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के त्यागराजनगर जैन भवन में विराजित राष्ट्रसंत कमलमुनिजी कमलेश ने शनिवार को अपने प्रवचन में कहा कि किसी को दिए गए विश्वास को बनाए रखने के लिए जो अपना सब कुछ लुटा देता है परंतु विश्वास नहीं टूटने देता है वह सबसे महान धार्मिक है।

हिंसा करने वाला पापी होता है परंतु विश्वास घात करने वाला महापापी होता है, ऐसी दुष्ट आत्मा का किसी धर्म में प्रवेश नहीं है। उन्होंने कहा कि विश्व के सभी धर्मों का आधार और प्रवेश द्वार विश्वास है जिसको अपने आप पर विश्वास नहीं वह दूसरे पर क्या विश्वास करेगा, जिसने विश्वास खो दिया वह जिंदा भी मुर्दे के समान है।ङ्ग मुनिवर ने कहा कि यहां तक कि, पशु भी विश्वास बनाए रखने के लिए सर्वस्व न्योछावर कर देते हैं। विश्व का सबसे सर्वप्रिय अनमोल धन है विश्वास। विश्वास की रक्षा करने वाला विश्व पूजनीय बनता है। संतश्री ने कहा कि चुनाव आयोग को दो तिहाई बहुमत के आधार पर अलग मान्यता देने के बजाय सदस्यता रद्द करके वापस जनता के बीच जनादेश प्राप्त प्राप्त करने के लिए आदेश देना चाहिए। दल-बदल से भारी भ्रष्टाचार को बढ़ावा मिलता है। कमलमुनिजी आदि ने मंदिरमागीर्र संतों से भी आध्यात्मिक मुलाकात की तथा दोनों संतों ने परस्पर अभिवादन किया।

प्रदर्शन

बेंगलूरु अनीमल राइट्स के सदस्यों और कार्यकर्ताओं ने शनिवार को बेंगलूरु के फ्रीडम पार्क में ’16वें नेशनल अनीमल राइट्स डे’ (राष्ट्रीय पशु अधिकार दिवस) के अवसर पर हाथों में प्लेकार्ड्स लेकर प्रदर्शन किया।

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.
Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.